THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 67 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.7 2083 रविवार, 7 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

बीएसएफ के बाद रेलवे को जमीन देगी बंगाल सरकार

कोलकाता, 6 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि राज्य में आने वाले वर्षों में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं को लागू किया जाएगा।

उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ एक बैठक के बाद जिलाधिकारियों को इन परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि सौंपने हेतु एक कैलेंडर तैयार करने का निर्देश दिया। राज्य में विभिन्न परियोजनाओं पर बैठक से पहले नबन्ना सभागार में सीएम शुवेंदु ने अश्विनी वैष्णव के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान सीएम अधिकारी ने कहा कि राज्य और केंद्र के बीच संबंध बेहतर हुए हैं, जिससे रेलवे परियोजनाओं के तेजी से क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर फोकस

> वैश्विक संकट के बीच भारत की नई आर्थिक रणनीति > पीएम मोदी और ईएसी की अहम बैठक

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। वैश्विक उथल-पुथल और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ा कदम उठाया है। दुनिया भर में चल रहे आर्थिक संकटों के बीच भारत को एक मजबूत शक्ति बनाए रखने के उद्देश्य से, पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएम-ईएसी) के सदस्यों के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की। इस उच्चस्तरीय बैठक का मुख्य फोकस देश की आर्थिक वृद्धि को गति देना और वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का डटकर सामना करने के लिए नई रूपरेखा तैयार करना रहा। प्रधानमंत्री और आर्थिक सलाहकार परिषद के बीच हुई इस बैठक में मुख्य रूप से उन रणनीतियों पर मंथन किया गया, जो भारत को वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के दौर में भी तेजी से आगे बढ़ने में मदद कर सकती हैं।

बैठक के दौरान, वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल के समय में भारत की आर्थिक वृद्धि को और बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण विचारों और नए उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए केवल नीतियां बनाना ही काफी नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर सुधार करना भी जरूरी है। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, बैठक में आम नागरिकों और व्यापार जगत के लिए महत्वपूर्ण सुधारों पर जोर दिया गया।

पीएम मोदी और परिषद के सदस्यों ने देश में 'ईज ऑफ लिविंग' यानी जीवन को आसान बनाने और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को और बेहतर करने वाले विभिन्न सुधारों पर भी चर्चा की। इसका सीधा उद्देश्य देश में व्यापारिक माहौल को अधिक अनुकूल बनाना और लालफीताशाही को कम करना है। इस समय वैश्विक पटल पर पश्चिम एशिया का संघर्ष एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है, जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

री-इवैल्यूएशन कॉपियों की स्कैनिंग कोएम्प्ट ही करेगी

बोर्ड ने अपने सर्वर पर शिफ्ट किया सारा डाटा

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की चल रही कक्षा 12वीं की री-इवैल्यूएशन (पुनर्मूल्यांकन) प्रक्रिया को लेकर एक बड़ी खबर आई है। बोर्ड ने सुरक्षा और परिचालन पर अधिक नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम से जुड़े सभी डाटा और रिकॉर्ड को प्राइवेट वेंडर कोएम्प्ट एडटेक प्राइवेट लिमिटेड के सर्वर से हटाकर अपने नियंत्रण वाले सर्वर पर ट्रांसफर कर दिया है।

मामले से जुड़े एक आईआईटी अधिकारी ने बताया कि री-इवैल्यूएशन प्रक्रिया के दौरान कोएम्प्ट का ओएसएम प्लेटफॉर्म इस्तेमाल होता रहेगा और कंपनी ही उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग करेगी।

कॉकरोच जनता पार्टी का 5 घंटे प्रदर्शन

> अभिजीत ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा > अगले शनिवार को फिर जंतर-मंतर पर जुटने का ऐलान

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी सीजेपी ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री आज शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे।

सीजेपी को जंतर-मंतर पर आज शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन करीब 3 बजे ही अभिजीत और सोनम वांगचुक धरनास्थल से रवाना हो गए थे। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया। अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे। यहां अभिजीत अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी और संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। उनके साथ सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी मौजूद थे। आशुतोष आईआईटी कानपुर से पास आउट हैं। वे पिछले साल लंदन से भारत लौटे हैं। सीजेपी के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किए गए थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई थी। अभिजीत ने कहा- कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। उन्होंने धर्मेंद्र को इस्तीफे के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर कॉकरोच जनता पार्टी की बात नहीं मानी जाती है, तो 13 जून को जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

'खरगे का अधूरा ज्ञान खतरनाक है'

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के स्वास्थ्य से जुड़े डेटा छिपाने के आरोपों पर जोरदार पलटवार किया है। नड्डा ने कहा है कि जनता का स्वास्थ्य राजनीतिक बयानबाजियों तक सिमटने से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के लिए यहां तक कहा है अधूरा ज्ञान बहुत खतरनाक होता है। दरअसल, पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें महिलाओं और बच्चों को धोखा देने का आरोप लगाया गया है। दावे में 2023-24 के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-6 (एनएफएचएस-6) के कुछ कथित आंकड़ों का हवाला दिया गया। इसी आधार पर खरगे ने कहा कि मोदी सरकार इसके आंकड़े छिपा रही है, क्योंकि इससे इसकी नाकाम उजागर हो गई है। इसी पर जेपी नड्डा ने मल्लिकार्जुन खरगे के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए उनपर पलटवार किया। उनके मुताबिक एनएफएचएस-6 का डेटा असल में भारत के हेल्थ इकोसिस्टम में हुए ट्रांसफॉर्मेशन को दिखाता है।

'चार्जशीट के दस्तावेजों तक आरोपी की पहुंच रोकी नहीं जा सकती'

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि किसी भी आरोपी को चार्जशीट का हिस्सा बनने वाले दस्तावेजों तक पहुंच से वंचित नहीं किया जा सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे दस्तावेजों को छिपाना आरोपी के निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है।

यह फैसला जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चंदुरकर की पीठ ने सुनाया। पीठ ने सेवानिवृत्त मेजर जनरल वीके सिंह को कुछ अत्यधिक गोपनीय दस्तावेजों की टाइप की हुई प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मेजर जनरल वीके सिंह 1923 के आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत 2007 में दर्ज एक मामले में अभियोजन का सामना कर रहे हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा के तर्क पर क्या रहा अदालत का रुख :

पीठ ने गौर किया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने यह नहीं कहा है कि सिंह द्वारा मांगे गए दस्तावेज मुकदमे के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। अभियोजन पक्ष की एकमात्र आपत्ति यह थी कि ये दस्तावेज राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्य से अत्यधिक गोपनीय हैं। इसके साथ ही अगर इनकी प्रतियां दी गईं, तो उनके सार्वजनिक डोमेन में आने की संभावना है। अदालत ने कहा, यह एक सुस्थापित कानून है कि किसी भी आरोपी को चार्जशीट का हिस्सा बनने वाले दस्तावेजों, जिनमें सामान्य डायरी के रिकॉर्ड भी शामिल हैं, तक पहुंच से नहीं रोका जा सकता है। अगर ऐसे दस्तावेज सद्भावना से प्राप्त किए गए हों, अभियोजन के मामले के लिए प्रासंगिक हों, और लोक अभियोजक द्वारा न्याय और निष्पक्ष सुनवाई के हित में उनका खुलासा आवश्यक माना गया हो। पीठ ने आगे कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि ऐसे दस्तावेजों को छिपाने से आरोपी के निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

निचली अदालतों के आदेशों को पलटा :

शीर्ष अदालत ने यह आदेश सिंह की उस याचिका पर सुनाया, जिसमें उन्होंने पिछले साल सितंबर के दिल्ली हाईकोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने एक ट्रायल कोर्ट के दिसंबर 2009 के आदेश को संशोधित किया था, जिसमें अभियोजन पक्ष को सिंह द्वारा मांगे गए दस्तावेजों की प्रतियां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

कर्नाटक पोर्टफोलियो संकट

सीएम शिवकुमार-किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेंगे रामलिंगा रेड्डी का इस्तीफा

बेंगलूरू, 6 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को वरिष्ठ कैबिनेट सहयोगी रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस मुद्दे को आंतरिक चर्चाओं के जरिए सुलझाया जाएगा। रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे के एलान से उपजे हालातों को शांत करने के कांग्रेस नेतृत्व के प्रयासों के बीच शिवकुमार की यह टिप्पणी सामने आई है।

डीके शिवकुमार ने कहा, किसी भी परिस्थिति में हम उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे। यह बयान सरकार की वरिष्ठ नेता को कैबिनेट में बनाए रखने की दृढ़ता का संकेत देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें रेड्डी का इस्तीफा मिला है, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि कोई भी फैसला लेने से पहले चर्चाएं जारी रहेंगी। कर्नाटक के सीएम ने कहा, रामलिंगा रेड्डी ने शायद मुझे व्हाट्सएप पर अपना इस्तीफा भेजा हो। मैं पूरी रात व्यस्त था। किसी भी परिस्थिति में हम उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे। मैं उनसे बात करूंगा। मैं सभी से बात करूंगा। शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि इस मामले को पार्टी और सरकार के भीतर ही सुलझाया जाएगा, न कि इसे और बढ़ने दिया जाएगा।

अफवाहें फैलाई जा रहीं : सौरव गांगुली

> ममता के कहने पर यूसुफ पठान को संदेश भेजने के दावों का किया खंडन

कोलकाता, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि उन पर यह आरोप लगाया गया था कि उन्होंने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से सांसद यूसुफ पठान से संपर्क किया था और उन्हें यह संदेश दिया था कि वे अपने संवैधानिक पद से इस्तीफा दें ताकि ममता बनर्जी उस सीट से उपचुनाव लड़ सकें। गांगुली ने इन आरोपों को पूरी तरह गलत बताया और कहा कि यह सब अफवाहें हैं। उन्होंने मीडिया से अपील की कि वे ऐसी अफवाहों और अटकलों पर ध्यान न दें।

दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित पराजय के बाद ममता बनर्जी की राष्ट्रीय राजनीति में अधिक सक्रिय भूमिका को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, यदि ममता बनर्जी भविष्य में लोकसभा का रुख करती हैं तो बहरामपुर सीट उनके लिए प्रमुख विकल्पों में से एक हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि इसी सिलसिले में सौरव गांगुली के माध्यम से बहरामपुर के सांसद यूसुफ पठान तक सीट छोड़ने का संदेश पहुंचाया गया है। हालांकि यूसुफ ने इस्तीफे से इनकार कर दिया है। बहरामपुर लोकसभा सीट को टीएमसी के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है और इसी वजह से उसका नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि फिलहाल पूरा मामला चर्चाओं और राजनीतिक कयासों के स्तर पर है। आने वाले दिनों में तृणमूल कांग्रेस की रणनीति और पार्टी के भीतर के घटनाक्रम इस चर्चा की दिशा तय करेंगे।

आखिर बहरामपुर सीट ही क्यों

मुर्शिदाबाद जिले की बहरामपुर लोकसभा सीट मुस्लिम बाहुल माना जाता है और तृणमूल कांग्रेस के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित सीट मानी जाती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यूसुफ पठान ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी को लगभग 85 हजार मतों से हराया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सामाजिक समीकरण, संगठनात्मक आधार और हालिया चुनावी प्रदर्शन को देखते हुए यह सीट ममता बनर्जी के लिए संभावित रूप से अनुकूल मानी जा रही है।

ममता बनर्जी के भीतर सुधार की दिशा में कदम उठा रही हैं। पार्टी के भीतर बगावत और अपने नेतृत्व को चुनौती मिलने के बीच उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के संगठन में बड़ा बदलाव किया है। ममता बनर्जी के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की ताकत अब कम कर दी गई है, जिन्हें पार्टी में सबसे ताकतवर माना जाता था। पहले जिनका फैसला लगभग अंतिम माना जाता था, अब उनके साथ दो और राष्ट्रीय महासचिव जोड़े गए हैं।

खान सर नहीं करेंगे सरेंडर

अग्रिम जमानत याचिका दायर करेंगे, प्राथमिकी गलत है

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। फैजल खान उर्फ खान सर पर प्राथमिकी दर्ज हुए 24 घंटे बीत गए लेकिन पटना पुलिस उनको गिरफ्तार नहीं कर पाई। अब फैजल खान के वकील पटना सिविल कोर्ट पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह सरेंडर नहीं करेंगे। पटना पुलिस ने गलत आरोप लगाकर उनपर प्राथमिकी दर्ज की है। पूरी एफआईआर ही गलत है। उन्होंने गोली चलाने का आदेश भी नहीं दिया है। हमलोग कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दायर करेंगे। उनकी वजह से गोली भी नहीं चली। उन्हें फंसाया जा रहा है। इसलिए वह सरेंडर नहीं करेंगे। बताया जा रहा है कि वकील ने आज ही अग्रिम जमानत याचिका दायर करने की कोशिश की लेकिन समय खत्म होने के कारण वह आज ऐसा नहीं कर पाए। इसलिए अब वह सोमवार को जमानत याचिका दायर कर सकते हैं। यानी पटना पुलिस के पास खान सर को गिरफ्तार करने का विकल्प खुला है। अब पटना पुलिस उन्हें कब गिरफ्तार करेगी? यह सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है।

इधर, खान सर के सरेंडर करने की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हुई। पुलिस भी मुस्तैद हो गई। भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हो गए। लेकिन खान सर कोर्ट पहुंचे ही नहीं। उनके जगह उनके वकील कोर्ट पहुंच गए। इससे पहले शुक्रवार रात्रि से शनिवार सुबह तक पटना पुलिस की टीम खान सर के कोचिंग के पास तो छात्रों की भीड़ जुटने लगी। विधि व्यवस्था प्रभावित न हो, इसलिए पटना पुलिस ने उन्हें बलपूर्वक गिरफ्तार नहीं किया।

इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले भड़की पिनाराई विजयन की पार्टी

राहुल-प्रियंका-खरगे के आरोपों पर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की 8 जून को प्रस्तावित बैठक से पहले इसके एक घटक मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव एमए बेबी ने कांग्रेस से कहा है कि उसे केरल विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान अपने कुछ नेताओं के उन दावों पर स्पष्टीकरण देना चाहिए कि वाम दल की भाजपा के साथ मिलीभगत थी। सूत्रों के मुताबिक, बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर माकपा पर जुबानी हमलों के लिए कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। पत्र की प्रतियां 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' के अन्य घटक दलों को भी भेजी गई हैं।

विपक्ष के एक नेता ने कहा कि बेबी ने तर्क दिया है कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और खुद खरगे सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं द्वारा बार-बार लगाए गए आरोप नियमित चुनावी बयानबाजी से परे हैं और संयुक्त रूप से भाजपा से मुकाबला करने के लिए बनाए गए विपक्षी गठबंधन के आधार पर प्रहार करते हैं। केरल में कांग्रेस के चुनाव अभियान का जिक्र करते हुए माकपा नेता ने कांग्रेस पर 'सुनियोजित अभियान' चलाने का आरोप लगाया और कहा कि यह भी दावा किया गया था कि वाम और भाजपा के बीच का एक राजनीतिक समझौता था व तत्कालीन मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ सहमति थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोप 'इंडिया' गठबंधन की सहयोग की भावना के विपरीत हैं।

माकपा ने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन का गठन भाजपा से राजनीतिक रूप से लड़ने के लिए एक व्यापक मंच के रूप में किया गया था और विभिन्न विचारधाराओं और कार्यक्रमों की पार्टियां जो कई राज्यों में चुनावी प्रतिद्वंद्वी हैं, इस उद्देश्य के लिए एक साथ आईं। बेबी ने कहा कि माकपा ने विपक्षी एकता को मजबूत करने के लिए 2023 में इस गठबंधन की स्थापना के बाद से लगातार काम किया है। कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाते हुए, वाम नेता ने कहा कि पार्टी ने केरल में भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता है।

पूर्व आर्मी चीफ की दो टूक

मध्यस्थ नहीं, कूरियर सर्विस है पाकिस्तान यूएस-ईरान जंग के बीच दिखाया आईना

कोलकाता, 6 जून (एजेंसियां)। भारत के पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल सेवानिवृत्त एमएम नरवणे ने पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ बनने की कोशिश कर रहा पाकिस्तान कोई मध्यस्थ नहीं, बल्कि सिर्फ एक कूरियर सेवा बनकर रह गया है। दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से खुद को इस संघर्ष में एक शांतिदूत के रूप में पेश करने की नाकाम कोशिश कर रहा है। कुछ महीने पहले उसने दोनों देशों के बीच बातचीत कराने का दावा भी किया था, जिस पर पूर्व भारतीय सेना प्रमुख ने पानी फेर दिया।

जनरल नरवणे ने वैश्विक संघर्षों का विश्लेषण करते हुए अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के अंतर्संबंधों को समझाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सीधे तौर पर आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी होती है।

असल में, अर्थव्यवस्था ही दुनिया की हर चीज को चलाती है। पूर्व सैन्य प्रमुख के मुताबिक, भारत का प्रयास हमेशा वैश्विक व्यापार के दायरे में रहते हुए आत्मनिर्भर बनने का रहा है। दुनिया में होने वाले किसी भी बड़े संकट के झटकों से हम खुद को पूरी तरह अलग नहीं रख सकते। यही वजह है कि भारत अब अपने आपूर्ति स्रोतों में विविधता ला रहा है। घरेलू उत्पादन को लगातार मजबूत किया जा रहा है जिससे भविष्य के किसी भी वैश्विक झटके से देश को सुरक्षित रखा जा सके। दुनिया हमेशा से परिवर्तनशील रही है और भारत अपनी प्राथमिकताओं को अच्छी तरह समझता है।

कोलकाता की रफ्तार बढ़ाने की तैयारी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मेट्रो-ऑटो से किया सफर, 60 नई ट्रेनों का एलान

कोलकाता, 6 जून (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय (एनएससीबीआई) हवाई अड्डे से मेट्रो में यात्रा की। नोआपारा स्टेशन पर उतरने के बाद मंत्री ने ईंधन बचाने के लिए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के लिए बेलघोरिया एक्सप्रेसवे जाने के लिए एक ऑटो लिया।

60 नई पीढ़ी की ट्रेनें शामिल की जाएंगी

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंत्री ने जय हिंद स्टेशन से नोआपारा स्टेशन तक कोलकाता मेट्रो से यात्रा की और सहयात्रियों से बातचीत करके उनके यात्रा अनुभव को समझा और मेट्रो सेवाओं पर प्रतिक्रिया ली। इसके साथ ही मंत्री ने घोषणा की कि अगले चार से पांच वर्षों में कोलकाता मेट्रो नेटवर्क में लगभग 60 नई पीढ़ी की ट्रेनें शामिल की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि नई ट्रेनों से मेट्रो सेवाओं का आधुनिकीकरण होगा। इससे शहर में आवागमन और भी मजबूत होगा। वैष्णव ने स्टेशनों पर मेट्रो कर्मचारियों से भी बातचीत की। उन्होंने सफाई कर्मचारियों से बात की और स्वच्छता बनाए रखने के उनके प्रयासों की सराहना की। कर्मचारियों ने इस बात पर खुशी जताई कि उनकी चिंताएं और सुझाव सीधे रेल मंत्री तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने पिछले कई वर्षों में शहर के मेट्रो नेटवर्क के विस्तार में निर्माण और संचालन में शामिल लोगों की भूमिकाओं की भी सराहना की। मंत्री ने नेटवर्क को और आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि चल रही मेट्रो विस्तार परियोजनाओं से कोलकाता भर में कनेक्टिविटी और यात्रियों की सुविधा में काफी सुधार होगा। अपनी ऑटो-रिक्शा यात्रा के दौरान, वैष्णव ने पश्चिम बंगाल में हाल ही में सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के 'डर को दूर भगाओ, भरोसा रखो' अभियान पर प्रकाश डाला। रेल मंत्री ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदुअधिकारी से मुलाकात कर चल रही विकास परियोजनाओं पर चर्चा की। राज्य सरकार मेट्रो लिंक को उत्तर में बैरकपुर तक विस्तारित करने के लिए उत्सुक है। हालांकि सर्वेक्षण और रेखाचित्र पूरे हो चुके थे, लेकिन पूर्व सरकार ने बीटी रोड के नीचे पानी की पाइपलाइन की मौजूदगी का हवाला देते हुए इसमें बाधा से हुई है।

रेप केस में पुलिस के सामने पूर्व सीआई का सरेंडर

पलनाडू, 6 जून (एजेंसियां)। ज़िला आंध्र प्रदेश में सनसनी रेप केस में पूर्व सीआई चिन्ना मल्लैया ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। आज (शनिवार) उन्होंने विनुकोंडा पुलिस स्टेशन में सरेंडर किया। इस साल सीआई चिन्ना मल्लैया ने विनुकोंडा मंडल की एक महिला के साथ रेप किया था। महिला ने 29 अप्रैल को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। वह सीआई के संपर्क में 'नट कोल्ला' के विदेशी लेन-देन के सिलसिले में आई थीं... और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया गया। उन्होंने सीआई पर यह अपराध करने का आरोप लगाया था। इस घटना से पूरे राज्य में सनसनी फैल गई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए आला अधिकारियों ने उन्हें सस्पेंड कर दिया था। नतीजतन, आईजी त्रिपाठी को उनके पद से हटा दिया गया। दूसरी ओर, पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। हालांकि, तब से मल्लैया गायब हो गए थे। अग्रिम ज़मानत के लिए आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं। अदालतों से राहत न मिलने के कारण आरोपी को छिपकर रहना पड़ा। गिरफ्तारी से बचने का कोई रास्ता न देख, आज मल्लैया ने विनुकोंडा पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

सीएम नायडू ने आंध्र प्रदेश के सीफ़ूड एक्सपोर्ट को मज़बूत करने के लिए

एक्वा कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया

विशाखापत्तनम, 6 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश के एक्वाकल्चर सेक्टर को मज़बूत करने और सीफ़ूड एक्सपोर्ट को बढ़ाने की कोशिशों के तहत अमरावती, भीमवरम, काकीनाडा, विशाखापत्तनम, कृष्णपटनम और नेल्लोर को जोड़ने वाले एक एक्वा कॉरिडोर को विकसित करने की योजना का ऐलान किया है। विशाखापत्तनम में सीफ़ूड एक्सपोर्ट पर आयोजित नेशनल वर्कशॉप को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी, रिसर्च, इनोवेशन और वैल्यू एडिशन के ज़रिए एक्वाकल्चर के विकास के लिए ज़रूरी इकोसिस्टम बनाने को तैयार है। दो दिन की यह वर्कशॉप, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत मत्स्य पालन विभाग द्वारा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के सहयोग से और आंध्र प्रदेश सरकार की मदद से आयोजित की जा रही है।

नायडू ने कहा कि प्रस्तावित एक्वा कॉरिडोर इस सेक्टर के विस्तार के लिए ज़रूरी रिसर्च संस्थानों, स्टार्टअप्स, इनोवेशन सेंटर्स और प्रोसेसिंग सुविधाओं के लिए एक हब के तौर पर

काम करेगा। मुख्यमंत्री ने आंध्र श्रिम्प, इंडिया सीफ़ूड ब्रांड को बढ़ावा देने की योजना का भी ऐलान किया और ग्लोबल सीफ़ूड मार्केट में भारत की मौजूदगी बढ़ाने के लिए मिलकर कोशिश करने का आह्वान किया। ब्लू इकोनॉमी को भविष्य की आर्थिक वृद्धि का मुख्य आधार बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मत्स्य पालन सेक्टर 'विकसित भारत' के लक्ष्यों को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने पॉन्ड टू पोर्ट (तालाब से बंदरगाह तक), फार्मर टू ग्लोबल कंज्यूमर (किसान से ग्लोबल ग्राहक तक) और ब्लू इकोनॉमी टू विकसित भारत (ब्लू इकोनॉमी से विकसित भारत तक) के कॉन्सेप्ट पर काम करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। आंध्र प्रदेश की खूबियों का ज़िक्र करते हुए नायडू ने कहा कि राज्य की तटरेखा 1,053 किलोमीटर लंबी है और यहाँ बंदरगाह और एयरपोर्ट हैं जो सीफ़ूड एक्सपोर्ट के लिए लॉजिस्टिकल फ़ायदे देते हैं। मुख्यमंत्री ने विस्तार से बताया, आंध्र प्रदेश भारत के मछली उत्पादन में 28% और झींगा उत्पादन में 66% का योगदान देता है, साथ ही देश की सीफ़ूड एक्सपोर्ट से होने वाली कमाई में इसकी हिस्सेदारी लगभग 38% है।

राज्य से सालाना सीफ़ूड एक्सपोर्ट 28,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य मत्स्य पालन सेक्टर के विकास के लिए केंद्र की पहलों को पूरा समर्थन देगा। मेगा सीफ़ूड प्रोसेसिंग पार्क स्थापित करने के लिए केंद्र के समर्थन का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन पर ज़्यादा ज़ोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि अभी जलीय उत्पादों (एक्वा प्रोड्यूस) के बहुत छोटे हिस्से की ही प्रोसेसिंग होती है और सीफ़ूड प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड मैन्युफैक्चरिंग में बड़े मौके हैं। इस मौके पर नायडू ने केंद्र सरकार से राज्य में मत्स्य पालन मंत्रालय का क्षेत्रीय कार्यालय खोलने का आग्रह किया और 15 दिनों के भीतर ज़मीन देने का भरोसा दिलाया। इसके जवाब में, केंद्रीय मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि ज़मीन सौंपे जाने के एक महीने के भीतर ही आधारशिला रख दी जाएगी।

अपने संबोधन में रंजन सिंह ने कहा कि पिछले दशक में भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र में ज़बरदस्त बढ़ोतरी हुई है; उत्पादन 197 लाख टन तक पहुँच गया है और एक्सपोर्ट 73,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा हो गया है। उन्होंने 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' (पीएमएमएसवाई) के तहत काकीनाडा में एक स्मार्ट और इंटीग्रेटेड फिशिंग हार्बर को मंज़ूरी देने की घोषणा की, जिसकी कुल लागत 72.42 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया, प्रस्तावित हार्बर 400 से ज़्यादा मछली पकड़ने वाली नावों के लिए बर्थिंग की सुविधा देगा, सालाना बड़ी मात्रा में मछली की लैंडिंग को संभालेगा और इलाके में रोज़गार के मौके पैदा करेगा।

पर्यावरण बचाने के लिए ईंधन बचाएंः प्रकाशम ज़िला कलेक्टर पी. राजाबाबू

ओंगोल, 6 जून (एजेंसियां)। प्रकाशम ज़िला कलेक्टर पी. राजाबाबू ने ओंगोल में विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हुए लोगों से पर्यावरण की रक्षा करने, ईंधन बचाने और टिकाऊ तरीके अपनाने की अपील की। कलेक्टर ने अधिकारियों, एनजीओ प्रतिनिधियों और छात्रों के साथ मिलकर ज़िला कलेक्ट्रेट में पौधे लगाए। राजाबाबू ने कहा, समाज में हर किसी को प्रकृति को बचाने के लिए पर्यावरण की रक्षा और ईंधन के संरक्षण की ज़िम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ईंधन की खपत कम करने और पर्यावरण की रक्षा के लिए जब भी संभव हो, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें, यात्रा साझा करें (कारपूलिंग), साइकिल चलाएं या पैदल चलें।

राजाबाबू ने आगे कहा, हर किसी को, खासकर युवाओं, छात्रों और एनजीओ संगठनों को, हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए बड़ी संख्या में पौधे लगाने में हिस्सा लेना चाहिए। खतरनाक प्लास्टिक के इस्तेमाल और पर्यावरण में कार्बन उत्सर्जन को कम करने की कोशिश करें, क्योंकि ये हमारे इकोसिस्टम को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम ने 'श्रीवारी वैद्य सेवा' शुरू की

तिरुपति, 6 जून (एजेंसियां)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने 'श्रीवारी वैद्य सेवा' प्रोग्राम शुरू किया। इसके तहत डॉक्टर, स्पेशलिस्ट, नर्स और मेडिकल टेक्नीशियन तिरुमाला और तिरुपति में टीटीडी के अस्पतालों में अपनी मर्ज़ी से मेडिकल सेवाएँ दे सकेंगे। टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन बीआर नायडू ने इस प्रोग्राम का उद्घाटन किया, जबकि टीटीडी के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (ईओ) एम रविचंद्र ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए एक खास आईटी एप्लीकेशन लॉन्च किया। रविचंद्र ने बताया कि मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के निर्देशों के बाद इस पहल को एक्सपेरिमेंट के तौर पर शुरू किया गया है।

उन्होंने कहा, इस पहल का मकसद दुनिया भर के मेडिकल एक्सपर्ट्स की सेवाएँ भगवान वेंकटेश्वर के भक्तों तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि टीटीडी इसमें हिस्सा लेने वाले स्पेशलिस्ट्स से मिलने वाले फीडबैक के आधार पर इस प्रोग्राम में सुधार करेगा और भविष्य में इसका विस्तार करेगा। उन्होंने आगे कहा, मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार, टीटीडी उन प्रोफेशनल्स के लिए एक प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करेगा जो शिक्षा, हेल्थकेयर, आईटी और दूसरे क्षेत्रों में सेवा की भावना के साथ आगे आना चाहते हैं।

इस प्रोग्राम में अश्विनी हॉस्पिटल, एसवीआईएमएस, बर्ड हॉस्पिटल, एसवी आयुर्वेदिक हॉस्पिटल, श्री पद्मावती चिल्ड्रन्स हार्ट सेंटर, एसवी गोशाला और टीटीडी से जुड़े दूसरे संस्थान शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, सुपर-स्पेशियलिटी एक्सपर्ट्स तीन दिन तक और एमबीबीएस डॉक्टर सात दिन तक अपनी मर्ज़ी से सेवा दे सकते हैं। टीटीडी तिरुमाला और तिरुपति में हिस्सा लेने वाले सभी प्रोफेशनल्स के लिए रहने और खाने की सुविधा देगा। अधिकारियों ने कहा, उन्होंने भरोसा दिलाया कि टीटीडी के अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों में सेवा देने के लिए आने वाले एक्सपर्ट्स को रहने और खाने की ज़रूरी सुविधाएँ दी जाएँगी, ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो।

डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने 2.5 करोड़ सीड बॉल बनाने का अभियान शुरू किया

अमरावती, 6 जून (एजेंसियां)। एनटीआर ज़िले के मूलपाडु में बटरफ्लाई पार्क में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर, डिप्टी सीएम और वन एवं पर्यावरण मंत्री के. पवन कल्याण ने 2.5 करोड़ सीड बॉल (बीज के गोले) बनाने की प्रक्रिया शुरू की। इस कार्यक्रम में शामिल होते हुए, पवन कल्याण ने जन प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, छात्रों और स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों के साथ मिलकर खुद सीड बॉल बनाए। राज्य में हरियाली बढ़ाने के मकसद से नीम, बरगद, पीपल, बांस, आंवला, इमली और कई अन्य देसी किस्मों के बीजों का इस्तेमाल करके ये सीड बॉल बनाए गए।

पवन कल्याण ने बटरफ्लाई पार्क से वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए राज्य भर में लगभग 300 जगहों पर एक साथ चल रहे बड़े पैमाने पर सीड बॉल बनाने के अभियान का जायज़ा लिया। कार्यक्रम में शामिल लोगों से बातचीत करते हुए, उन्होंने इस्तेमाल किए जा रहे बीजों

की किस्मों और तैयार किए जा रहे सीड बॉल की संख्या के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों और स्वयंसेवकों से पर्यावरणविदों और वन संरक्षणवादियों से प्रेरणा लेकर इस पहल को पूरे समर्पण के साथ आगे बढ़ाने का आग्रह किया। पारिस्थितिक बहाली (इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन) में सीड बॉल के महत्व को समझाने वाले बच्चों की तारीफ़ करते हुए, पवन कल्याण ने अधिकारियों को 15 जून तक 2.5 करोड़ सीड बॉल तैयार करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

केजीएच आंध्र प्रदेश का पहला सरकारी अस्पताल बना जहाँ मुफ्त कैंसर इम्यूनोथेरेपी मिलेगी

विशाखापत्तनम, 6 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के सरकारी हेल्थकेयर संस्थानों में पहली बार, विशाखापत्तनम के किंग जॉर्ज हॉस्पिटल (केजीएच) ने एक क्लिनिकल ट्रायल शुरू किया है। इसमें स्टेज-आईवी लंग कैंसर (फेफड़ों के कैंसर) वाले योग्य मरीज़ों को मुफ़्त इम्यूनोथेरेपी इलाज दिया जाएगा। मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग द्वारा किए जा रहे इस ट्रायल में, 18 से 65 साल की उम्र के मरीज़ों को एक साल तक कीमोथेरेपी के साथ-साथ एडवांस्ड इम्यूनोथेरेपी दी जाएगी। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, इस इलाज में एक ऐसी इम्यूनोथेरेपी दवा का इस्तेमाल होता है

जिसकी कीमत प्राइवेट सेक्टर में हर साइकल के लिए 4 लाख रुपये है। क्लिनिकल ट्रायल के तहत, योग्य मरीज़ों को हर तीन हफ़्ते में एक बार मुफ़्त दवा मिलेगी और एक साल में कुल 17 साइकल पूरे किए जाएंगे। केजीएच अभी राज्य का एकमात्र सरकारी कैंसर सेंटर है जहाँ यह क्लिनिकल ट्रायल हो रहा है। मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की हेड और स्टडी की प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ. के. शिल्पा इस ट्रायल की देखरेख करेंगी। अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक, इस प्रोग्राम का मकसद एडवांस्ड-स्टेज लंग कैंसर वाले मरीज़ों के लिए बेहतर इलाज के विकल्पों तक पहुँच आसान बनाना है। केजीएच सुपरिटेंडेंट का कहना है कि यह नई सुविधा गरीब मरीज़ों के लिए वरदान साबित होगी केजीएच की सुपरिटेंडेंट डॉ. आई. वाणी ने कहा कि इस पहल से उन मरीज़ों को मदद मिलेगी जिनके लिए ऐसा इलाज आर्थिक रूप से मुश्किल हो सकता था। उन्होंने योग्य मरीज़ों से अपील की कि वे अस्पताल आएं और मेडिकल जांच के बाद इस प्रोग्राम में शामिल हों।

उन्होंने बताया, दुनिया भर में कैंसर से होने वाली मौतों की मुख्य वजहों में लंग कैंसर शामिल है, और एडवांस्ड-स्टेज वाले कुछ खास तरह के मरीज़ों के लिए इम्यूनोथेरेपी इलाज का एक अहम विकल्प बनकर उभरी है। हालाँकि, इलाज की ज़्यादा कीमत की वजह से अक्सर लोगों की पहुँच इस तक नहीं हो पाती, खासकर सरकारी हेल्थकेयर सिस्टम में।

अगले तीन दिनों तक आंध्र प्रदेश में मौसम का मिला-जुला हाल रहेगा

अमरावती, 6 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने चेतावनी दी है कि अगले तीन दिनों तक राज्य भर में मौसम का मिला-जुला हाल रहेगा; कई जिलों में बिजली कड़कने के साथ आंधी-तूफान आ सकता है, जबकि कुछ अन्य जिलों में लू का असर देखने को मिल सकता है। प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने बताया कि पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार को पोलावरम, पूर्वी गोदावरी, एलुरु, कृष्णा, एनटीआर, गुंटूर, पलनाडु, मरकापुरम, कुरनूल और नंड्याल जिलों के कुछ हिस्सों में बिजली कड़कने के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अधिकारियों ने लोगों से अचानक आने वाले आंधी-तूफान के दौरान सतर्क रहने और पेड़ों, बिजली के खंभों या होर्डिंग्स के नीचे शरण न लेने की सलाह दी है। किसानों और पशुपालकों से कहा गया है कि जब आसमान में बादल छा जाएं और गरजने की आवाज सुनाई दे, तो वे सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। तेज हवाओं के दौरान टूटी हुई बिजली की लाइनों से दूर रहने की चेतावनी भी निवासियों को दी गई है।

एक छोटे से कर्मचारी के पास करोड़ों की संपत्ति?... एसीबी अधिकारी हैरान हैं

काकीनाडा, 6 जून (एजेंसियां)। एक बार फिर आंध्र प्रदेश में एसीबी ने छापेमारी की... इस बार काकीनाडा ज़िला कलेक्ट्रेट में काम करने वाले कर्मचारी के यहाँ। घर की तलाशी में आय से अधिक संपत्ति का पता चला। काकीनाडा के रहने वाले चोडापुरेडी शिवकुमार कलेक्ट्रेट में सीनियर असिस्टेंट के तौर पर काम करते हैं। एसीबी अधिकारियों ने उनके घर, उनके मामा और बहन के घर और कलेक्ट्रेट में भी तलाशी ली।

एसीबी की जाँच में शिवकुमार के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति का पता चला। शिवकुमार के अलावा, उनकी पत्नी के नाम पर भी काकीनाडा और तेलंगाना में संपत्तियाँ हैं। पता चला कि शिवकुमार के पास महंगे फ्लैट, कारें, भारी मात्रा में सोना और कृषि भूमि है। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, इस जोड़े की कुल संपत्ति 8 करोड़ रुपये से अधिक पाई गई। ऐसे हालात में एसीबी अधिकारियों की जाँच अभी भी जारी है।

मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार... काकीनाडा के एसआरएनटी अपार्टमेंट में शिवकुमार के नाम पर 1.24 करोड़ रुपये का तीन-बेडरूम वाला फ्लैट है। उसी अपार्टमेंट में उनकी पत्नी के नाम पर 1,77,62,600 रुपये का चार-बेडरूम वाला फ्लैट भी है। पत्नी के नाम पर हैदराबाद के कोंडापुर में एक अपार्टमेंट में 1,34,23,080 रुपये का तीन-बेडरूम वाला फ्लैट भी मिला। शिवकुमार और उनकी पत्नी के पास रंगपेट मंडल, कोटापाडु में 100 एकड़ से अधिक ज़मीन है। काकीनाडा में शिवकुमार के नाम पर 1,20,00,000 रुपये की ज़मीन है। उनके पास टोयोटा फॉर्च्यूनर (41.74 लाख रुपये), महिंद्रा इलेक्ट्रिक कार (30 लाख रुपये) और महिंद्रा थार रॉक्स (27 लाख रुपये) जैसी कारें भी हैं।

शिवकुमार के घर की अलमारी में लगभग 700 ग्राम सोने के गहने मिले। इस सोने की कीमत 1.06 करोड़ रुपये तक होगी। एसीबी अधिकारियों ने 20 रुपये नकद, लगभग 27.12 लाख रुपये का सामान, सैमसंग फोल्ड 7 मॉडल का मोबाइल (1.5 लाख रुपये), माइक्रोसॉफ्ट सरफेस प्रो लैपटॉप (1.70 लाख रुपये) और 9 महंगी घड़ियाँ बरामद की हैं। कलेक्टर ऑफिस में सीनियर असिस्टेंट के तौर पर काम करने वाले शिवकुमार की संपत्तियों पर नज़र रखी जा रही थी। अधिकारी यह सब देखकर हैरान रह गए। एसीबी अधिकारियों ने शिवकुमार की संपत्तियों का पूरा ब्यौरा तैयार कर लिया है और वे इसका खुलासा करेंगे।

जगन के शासनकाल में कई अपराध और गैर-कानूनी काम हुएः गृह मंत्री अनीता

कडप्पा, 6 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगलपुडी अनीता ने वाईसीपी प्रमुख वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के प्रति गहरी नाराजगी जताई। वाईसीपी के शासनकाल में कई अपराध और गैर-कानूनी काम सामने आए हैं। जगन और उनके साथियों की करतूतों को सभी को याद रखना चाहिए। हर कोई जानता है कि जगन के शासनकाल में दलितों को कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि उनके और एमएलए एम.एस. राजू के खिलाफ अत्याचार के मामले दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज भी वह अत्याचार के मामलों के सिलसिले में कडप्पा कोर्ट जा रही हैं। आज (शनिवार) प्रकाशम जिले की एक फैक्ट्री में अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री पासवान और गृह मंत्री अनीता शामिल हुईं। अनीता ने इस मौके पर कहा कि अंबेडकर की भावनाएं सभी के दिलों में बसी हैं, वरना उनकी सेवा राख में बदल जाती। उन्होंने चेतावनी दी कि कुछ दलित आपस में ही मतभेद पैदा कर रहे हैं। राम विलास पासवान ने खुद को दलित नेता बताया। उन्होंने पार्टी बनाने के बजाय छह मुख्यमंत्रियों के अधीन मंत्री के तौर पर काम किया।दलित नेता राम विलास पासवान के बेटे चिराग पासवान ने कम उम्र में केंद्रीय मंत्री का पद संभाला।

चिराग पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अच्छे इंसान हैं। उन्होंने कहा कि अंबेडकर की प्रतिमा जहां भी लगाई जाएगी, वह हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि कनिगिरी शहर में नदी के किनारे अंबेडकर की प्रतिमा लगाना सराहनीय है।

मंत्री लोकेश ने आंध्र प्रदेश में न्यूक्लियर पावर और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश के लिए रोसाटॉम को आमंत्रित किया

अमरावती, 6 जून (एजेंसियां)। एचआरडी और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने रूस की न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी कंपनी रोसाटॉम के सीनियर अधिकारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने राज्य में एडवांस्ड न्यूक्लियर एनर्जी, मैन्युफैक्चरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। सेंट पीटर्सबर्ग में रोसाटॉम के डायरेक्टर (आईटी और डिजिटलाइज़ेशन) अबाकुमोव येवगेनी और इंटरनेशनल डायरेक्टर जनरल क्वियातकोव्स्की एगोर के साथ बैठक के दौरान, लोकेश ने कंपनी को आंध्र प्रदेश में, खासकर अगली पीढ़ी के स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) के क्षेत्र में अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया। मंत्री ने राज्य के विशाल तटीय ज़मीन के संसाधनों का इस्तेमाल करके एसएमआर लगाने का प्रस्ताव दिया। ये एसएमआर पूरे भारत में बड़े इंडस्ट्रियल ज़ोन को साफ़ और भरोसेमंद 24/7 बिजली (कैप्टिव पावर) देने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में बड़े पैमाने पर साफ़ ऊर्जा प्रोजेक्ट्स के लिए काफ़ी संभावनाएं हैं, जो देश की बढ़ती औद्योगिक ज़रूरतों को पूरा कर सकते हैं। लोकेश ने रोसाटॉम से यह भी आग्रह किया कि वह राज्य के 'प्लग-एंड-प्ले' इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर का फ़ायदा उठाते हुए आंध्र प्रदेश में एक न्यूक्लियर मेडिसिन और फ़ूड इरेडिएशन सेंटर स्थापित करे। इसके अलावा, मंत्री ने उद्योगों और शहरी केंद्रों की भविष्य की पानी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए राज्य के किसी बड़े इंडस्ट्रियल पार्क में न्यूक्लियर डिसेलिनेशन प्लांट लगाने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने रोसाटॉम से राज्य के मिनरल बेल्ट या इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में न्यूक्लियर-ग्रेड अलॉय और कार्बन-फाइबर कंपोजिट के लिए प्रोडक्शन यूनिट लगाने की संभावना पर विचार करने का अनुरोध किया।

इन प्रस्तावों पर प्रतिक्रिया देते हुए, रोसाटॉम के डायरेक्टर अबाकुमोव येवगेनी ने कहा कि कंपनी अपने दिल्ली ऑफ़िस के ज़रिए, न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के साथ मिलकर भारत-रूस न्यूक्लियर एनर्जी समझौतों, इंजीनियरिंग कॉन्ट्रैक्ट्स और इक्विपमेंट लोकलाइज़ेशन पहलों का प्रबंधन करती है।

सीएम नायडू ने आंध्र प्रदेश के लिए 50 प्रतिशत ग्रीन कवर का लक्ष्य रखा

विशाखापत्तनम, 6 जून (एजेंसियां)। आंध्र यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग कॉलेज के मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए, मुख्यमंत्री ने एक पौधा लगाया और आंध्र प्रदेश के ग्रीन कवर को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के सरकार के लक्ष्य की घोषणा की। इस मौके पर बोलते हुए, नायडू ने कहा कि बढ़ता तापमान, खराब मौसम और पर्यावरण का असंतुलन लंबे समय तक चलने वाले संरक्षण उपायों की ज़रूरत को बताते हैं। उन्होंने नागरिकों से पेड़ लगाने और पर्यावरण के अनुकूल तरीकों को अपनाने में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने आंध्र यूनिवर्सिटी को एक मॉडल नेट-ज़ीरो कैंपस में बदलने का रोडमैप भी बताया। यह देखते हुए कि 450 एकड़ के आंध्र यूनिवर्सिटी कैंपस में अभी लगभग 25 प्रतिशत ग्रीन कवर है,

उन्होंने यूनिवर्सिटी अधिकारियों को इसे 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का निर्देश दिया। नायडू ने बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने, छत पर सोलर पैनल लगाने, बायोडायवर्सिटी पार्क बनाने, वैज्ञानिक तरीके से कचरा प्रबंधन, जैविक कचरे से खाद बनाने, बायोगैस बनाने, गंदे पानी को रीसायकल करने और कैंपस के अंदर इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने जैसे उपाय सुझाए।

आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट का फ़ैसला

सिंगल मदर्स अपने नाबालिग बच्चों के लिए पासपोर्ट के लिए आवेदन कर सकती हैं

अमरावती, 6 जून (एजेंसियां)। नाबालिग बच्चों के लिए पासपोर्ट बनवाने में मुश्किलों का सामना कर रही सिंगल मदर्स (अकेली माताओं) को बड़ी राहत देते हुए, आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने फ़ैसला सुनाया है कि एक सिंगल मदर को पिता की सहमति या हस्ताक्षर के बिना अपने नाबालिग बच्चे के लिए पासपोर्ट के लिए आवेदन करने का कानूनी अधिकार है। जस्टिस बट्टू देवानंद ने नेल्लोर ज़िले की एक महिला द्वारा दायर रिट याचिका को मंज़ूरी देते हुए यह फ़ैसला सुनाया और विजयवाड़ा के क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी को निर्देश दिया कि वे उसकी बेटी के पासपोर्ट आवेदन पर कार्रवाई करें और दो हफ़्ते के भीतर पासपोर्ट जारी करें।

याचिकाकर्ता, नेल्लोर ज़िले के सर्वपल्ली की रहने वाली शेख शबाना, वैवाहिक विवादों के कारण 2022 से अपने पति से अलग रह रही हैं। उन्होंने उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पति के ख़िलाफ़ आपराधिक कार्यवाही भी शुरू की थी। हालाँकि तलाक की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है, फिर भी उन्होंने पिछले साल अगस्त में खुद को सिंगल मदर बताते हुए अपनी चार साल की बेटी के लिए पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था। आवेदन के साथ,

शबाना ने पासपोर्ट नियमों के तहत ज़रूरी 'एनेक्शर-सी' और 'डी' घोषणाएँ जमा कीं, जिनमें पिता की सहमति न होने का कारण बताया गया था। हालाँकि, खबरों के अनुसार पासपोर्ट अधिकारियों ने आवेदन को रोक दिया और पिता के हस्ताक्षर या तलाक या न्यायिक अलगाव से जुड़े कानूनी दस्तावेज़ माँगे। सुनवाई के दौरान, पासपोर्ट अधिकारियों ने तर्क दिया कि नाबालिग का पासपोर्ट जारी करने के लिए आम तौर पर माता-पिता दोनों की सहमति की आवश्यकता होती है। हालाँकि, कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता ने ज़रूरी घोषणाएँ जमा करके और लंबित वैवाहिक विवाद का खुलासा करके पहले ही निर्धारित नियमों का पालन कर लिया था। जस्टिस देवानंद ने कहा कि एक बार जब निर्धारित एनेक्शर जमा कर दिए जाते हैं और किसी कोर्ट या सक्षम अधिकारी का कोई रोक लगाने वाला आदेश नहीं होता है, तो एक सिंगल मदर पिता की सहमति के बिना अपने नाबालिग बच्चे के लिए पासपोर्ट के लिए आवेदन करने की पूरी तरह से हकदार होती है। कोर्ट ने अधिकारियों को दो हफ़्ते में पासपोर्ट जारी करने का निर्देश दिया।

सुविचार

मैं कभी, हम नहीं हो सकता
तू कभी, हम नहीं हो सकता
जब तक मैं तू छोड़ेगा।
तब जाकर हम बनेगा।

मंत्री का मछली प्रसाद वितरण की तैयारियां दुरुस्त रखने के निर्देश

8 जून की रात 9 बजे से मछली प्रसाद वितरण शुरू होगा

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मृगशिरा कार्तिक के अवसर पर आयोजित होने वाले पारंपरिक मछली प्रसाद वितरण कार्यक्रम की तैयारियों का राज्य के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ मत्स्य विभाग मंत्री वाकिटी श्रीहरि, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, फिशरीज कॉरपोरेशन के अध्यक्ष मेट्टू साईकुमार तथा अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। नामपल्ली स्थित एक्जीबिशन ग्राउंड्स में तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि मछली प्रसाद ग्रहण करने के लिए देशभर से बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना है। ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए व्यवस्थाओं को त्रुटिरहित बनाएं। उन्होंने काउंटरों, बैरिकेडिंग, वीआईपी एवं सामान्य कतारों का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिया कि कतारों में खड़े श्रद्धालुओं के लिए पंखे, कूलर, पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने बताया कि 8 जून की रात 9 बजे से मछली प्रसाद वितरण शुरू होगा और 9 जून को देर रात तक जारी रहेगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को कंट्रोल रूम के माध्यम से लगातार निगरानी रखने, सीसीटीवी कैमरों से मॉनिटरिंग करने तथा भीड़ प्रबंधन और यातायात नियंत्रण के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सहायता के लिए एंबुलेंस, मेडिकल कैंप, आवश्यक दवाइयां और सीपीआर टीमें उपलब्ध रहें। बिजली आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए वाटरप्रूफ जनरेटर भी तैयार रखे जाएं। अग्नि सुरक्षा के मद्देनजर फायर इंजन और विद्युत वायरिंग की सतत निगरानी के निर्देश भी दिए गए। महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शी-टीम की तैनाती तथा जेबकतरों से सावधान रहने के लिए लगातार घोषणाएं करने को कहा गया। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की तरह विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क नाश्ता और भोजन की व्यवस्था भी करेंगी। मंत्री ने कहा कि मछली प्रसाद कार्यक्रम स्वास्थ्य और जनविश्वास से जुड़ी परंपरा है, जिसमें जाति, धर्म और राजनीति से ऊपर उठकर लोग भाग लेते हैं। सरकार का लक्ष्य है कि अंतिम व्यक्ति तक प्रसाद पहुंचे और किसी भी श्रद्धालु को निराश न लौटना पड़े। इस अवसर पर मत्स्य विभाग मंत्री वाकिटी श्रीहरि ने कहा कि लगभग 176 वर्षों से बत्तिनी परिवार की परंपरा के अनुसार यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मत्स्य विभाग की ओर से लगभग 1.40 लाख कोर्रा मीन (मुररेल) मछली के बच्चे उपलब्ध कराए गए हैं और सभी विभाग मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हैं। राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव ने कहा कि लाखों लोग आस्था और विश्वास के साथ इस कार्यक्रम में भाग लेते हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार सभी विभाग तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इससे पूर्व अधिकारियों ने जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका अला और पुलिस अधिकारियों के साथ पेयजल, बिजली, मंच, कतार व्यवस्था, बैरिकेडिंग तथा अन्य सुविधाओं की समीक्षा की। निरीक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, जीएचएमसी, राजस्व, विद्युत, मत्स्य, पुलिस तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

निम्स को दान में मिले दो इलेक्ट्रिक बग्गी और 33 लाख रुपये के थेरेपी उपकरण

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वन विकास निगम (टीजीएफडीसी) ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत निजाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) को दो इलेक्ट्रिक बग्गी और 33 लाख रुपये मूल्य के हैंड थेरेपी उपकरण दान किए हैं।

इस पहल का उद्देश्य अस्पताल में मरीजों की सुविधा और पहुंच को बेहतर बनाना है। इस उपकरण का औपचारिक उद्घाटन टीजीएफडीसी के अध्यक्ष पोडेम वीरैया द्वारा किया गया। इस अवसर पर टीजीएफडीसी की कुलपति एवं निदेशक सुनीता एम. भगवत तथा एनआईएमएस के निदेशक डॉ. एन. बीरप्पा उपस्थित रहे। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, दो इलेक्ट्रिक बग्गी एनआईएमएस परिसर में मरीजों, बुजुर्गों और कर्मचारियों के आवागमन को आसान बनाएंगी। वहीं, हैंड थेरेपी उपकरण पुनर्वास सेवाओं को मजबूत करेंगे और हाथ एवं ऊपरी अंगों से संबंधित उपचार प्राप्त कर रहे मरीजों के लिए काफी उपयोगी साबित होंगे। अधिकारियों ने बताया कि इस सहयोग से मरीजों को बेहतर सुविधा मिलने के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और भी अधिक सुदृढ़ होगी।

इस अवसर पर टीजीएफडीसी के वरिष्ठ अधिकारी डी. वेंकटेश्वर रेड्डी, डॉ. जी. स्काईलैब सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

PASSPORT LOST

I, SYAMALA PAPI REDDY S/o. Syamala Lakshmi Reddy, R/o. H.No. 4-58, Nagula Varam, Panduvanagulavaram, Prakasam Dist, A.P-523224, Presently Residing at H.No. 5-589, Vazra Enclave, Old Alwal, Alwal (M), Medchal-Malkajgiri Dist, TG-500010, I Lost my **Passport bearing No. P2480490** while travelling from Alwal main road to my home on dated 03-06-2026 if any found call on **8297523662.**

CLASSIFIEDS

SHOP FOR RENT

Shop @ Begum Bazar for Rent in Ground floor 265 sft and still floor 310 sft. opp. Kashmir house. for more details call me on 9396829958.

CHANGE OF NAME

I, Bansiba, W/o, No. 17006271M, CFN, Vaghela Jaydipsinh Rajendrasinh, R/o, Dist: Gandhinagar, Gujarat, changed my name from Bansiba to Vaghela Bansiba vide Affidavit No. GG 0031071809 dt 10.03.2026 before Notary Advocate at Gandhinagar.

I, No 14652538K, Hav, Ghamu Ram, R/o, Dist: Jodhpur, Rajasthan, changed my Mother's name from Baraju Devi to Barju vide Affidavit No. 467093 dt. 06.06.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17007652A , CFN, Raorane Vinod Arun, R/o, Dist: Sindhudurg, Maharashtra, changed my Daughter's name from Aaditi to Aaditi Vinod Raorane vide Affidavit No. 467090 dt. 06.06.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : सीवी आनंद

पारिवारिक संबंधों के लिए परस्पर सम्मान, विश्वास और समझ आवश्यक : चारू सिन्हा

पारिवारिक विवादों के समाधान में परामर्श और मध्यस्थता की महत्वपूर्ण भूमिका : एस.एन. श्रीदेवी

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी पुलिस आयुक्तालय के महिला सुरक्षा विंग द्वारा सेंटर फॉर डेवलपमेंट एंड एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन (सीडीईडब्ल्यू) के फैमिली काउंसलिंग सेंटरों (एफसीसी) के तत्वावधान में मी सुरक्षा- कलसी उंटे कलदु सुखम ('मेरी सुरक्षा है- अगर तुम मेरे साथ हो, तो मुझे खुशी मिलेगी') शीर्षक से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पारिवारिक सौहार्द को बढ़ावा देना, वैवाहिक संबंधों को मजबूत बनाना, महिलाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना तथा पारिवारिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान परामर्श और मध्यस्थता के माध्यम से सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में 150 से अधिक ऐसे पुनर्मिलित दंपतियों और उनके परिवारजनों ने भाग लिया, जिनके संबंध सीडीईडब्ल्यू फैमिली काउंसलिंग सेंटरों के हस्तक्षेप से पुनः स्थापित हुए हैं। कार्यक्रम में संवाद, आपसी समझ और सम्मान के माध्यम से पारिवारिक संबंधों को संरक्षित रखने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, गरिमा और सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शी टीम, भारोसा सेंटर्स, महिला पुलिस थाने, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, शी शटल्स तथा सीडीईडब्ल्यू फैमिली काउंसलिंग सेंटर जैसी पहलें महिलाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ बना रही हैं। उन्होंने बताया कि महिला सुरक्षा सिटी परियोजना और अन्य महिला केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से अब तक लगभग 6,700 दंपतियों का पुनर्मिलन कराया गया है। इस मौके पर बोलते हुए, तेलंगाना की महिला सुरक्षा विंग की पुलिस महानिदेशक, चारू सिन्हा ने कहा कि स्वस्थ पारिवारिक संबंधों के लिए परस्पर सम्मान, विश्वास और समझ बेहद आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि भरोसा सेंटर और सीडीईडब्ल्यू काउंसलिंग सेंटर राज्यभर में पारिवारिक विवादों के समाधान और पारिवारिक सौहार्द बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा, करियर और व्यक्तिगत आकांक्षाओं के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस मौके पर बोलते हुए, तेलंगाना स्टेट ज्यूडिशियल एकेडमी, सिकंदराबाद की प्रमुख एस.एन. श्रीदेवी ने अपने संबोधन में कहा कि विवाह एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है, जो आपसी सम्मान, समझ और समायोजन पर आधारित होती है। उन्होंने कहा कि पारिवारिक विवादों के समाधान में परामर्श और मध्यस्थता की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा परिवार न्यायालय अधिनियम के तहत काउंसलिंग एक अहम घटक है। मलकाजगिरी पुलिस आयुक्त बी. सुमति ने बताया कि आयुक्तालय के अंतर्गत आठ फैमिली काउंसलिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं, जिन्होंने स्थापना के बाद से 9,700 से अधिक मामलों का निस्तारण किया है तथा 32,000 से अधिक काउंसलिंग सत्र आयोजित किए हैं। उन्होंने बताया कि सीडीईडब्ल्यू और महिला पुलिस थानों द्वारा 377 जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर 16,000 से अधिक लोगों तक पहुंच बनाई गई है। इन सेवाओं की संतुष्टि दर 90 प्रतिशत से अधिक रही है।

अस्थमा के लिए पूरी तरह शाकाहारी और मुफ़्त आयुर्वेदिक दवा

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अस्थमा, एलर्जी और पुरानी सर्दी-खांसी के इलाज के लिए 'आयुर्वेद सर्विसेज़ (रजिस्टर्ड)' की ओर से एक कैंप लगाया जा रहा है। यह कैंप सोमवार, 8 जून 2026 को गांधी ज्ञान मंदिर, महिला कॉलेज के सामने, कोठी, हैदराबाद में आयोजित होगा। अस्थमा, एलर्जी और पुरानी सर्दी-खांसी से पीड़ित आम लोगों को आयुर्वेदिक डॉक्टरों की एक टीम दवा देगी, जिसका नेतृत्व डॉ.एम.पी. शर्मा और डॉ. राजेंद्र दाधीच करेंगे। यह दवा एक पुराने फ़ॉर्मूले से पूरी तरह हर्बल और शाकाहारी तरीके से तैयार की गई है। मरीज़ इसे मेडिकल कैंप में दिए जाने वाले खास पानी के साथ ले सकते हैं।

पूरी तरह शाकाहारी यह दवा सिर्फ़ मृगशिरा कार्तिक के शुभ दिन ही असरदार होती है। अगर मृगशिरा कार्तिक के बाद यह दवा ली जाए, तो अच्छे नतीजे नहीं मिलेंगे। अगर मरीज़ इस दवा से सबसे अच्छे नतीजे पाना चाहता है, तो उसे दवा लेने से एक घंटे पहले और इस चमत्कारी हर्बल दवा को लेने के कम से कम एक घंटे बाद तक कुछ भी खाना-पीना नहीं चाहिए। खास पानी के साथ दवा लेने के बाद, मरीज़ को अगले 45 दिनों के लिए 6 गोलियों का एक सप्लीमेंट्री (अतिरिक्त) दवा का पैक दिया जाएगा। इसे हर 15 दिन पूरे होने पर सुबह और शाम खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लेना होगा। इसे आर्द्रा कार्ति (22 जून), पुनर्वसु कार्ति (6 जुलाई) और पुष्य कार्ति (20 जुलाई) को भी लिया जा सकता है। सप्लीमेंट्री दवा के साथ, मरीज़ को दवा लेने के निर्देश और क्या खाना है या क्या नहीं खाना है, इसकी जानकारी वाला एक पर्चा भी दिया जाएगा। आयुर्वेद सर्विसेज़ ट्रस्ट के चेयरमैन के अनुसार, यह कैंप लंबे समय से लगातार आयोजित किया जा रहा है और हज़ारों मरीज़ों ने इसका फ़ायदा उठाया है और इस बीमारी से ठीक हुए हैं।

अमीरपेट में जली इमारत से फिर उठा धुआं

दोबारा आग लगने की आशंका से मची अफरा-तफरी

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट रोड पर शनिवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब गुरुवार को आग की घटना में क्षतिग्रस्त हुई एक इमारत से अचानक फिर धुआं निकलने लगा। स्थानीय लोगों ने धुआं उठते देख तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए इमारत पर पानी डालकर संभावित आग को बुझाया। समय रहते कार्रवाई होने से किसी बड़े हादसे को टाल दिया गया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को इस इमारत में संदिग्ध शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई थी, जिसमें करोड़ों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया था। इसके बाद इमारत को क्षतिग्रस्त अवस्था में छोड़ दिया गया था।

दमकल अधिकारियों का अनुमान है कि इमारत के अंदर बचा हुआ कुछ ज्वलनशील सामान तेज गर्मी के कारण फिर से सुलग गया होगा, जिससे धुआं उठने लगा।

स्थानीय लोगों के अनुसार, आग बुझने के बाद भी इमारत से हल्की गंध और गर्मी महसूस हो रही थी। शनिवार को धुआं निकलते ही क्षेत्र में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। फिलहाल दमकल विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए है और इमारत को पूरी तरह सुरक्षित घोषित किए जाने तक निगरानी जारी रखी गई है।

रेत खनन की सभी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए : विवेक वेंकटस्वामी

रेत से राजस्व बढ़ाने और अवैध खनन पर सख्ती के निर्देश

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार, खान एवं भूविज्ञान मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने अधिकारियों को राज्य में रेत संसाधनों से राजस्व बढ़ाने के साथ-साथ अवैध रेत खनन और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए निगरानी तंत्र को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने तेलंगाना स्टेट मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अधिकारियों के साथ रेत खनन संचालन, राज्य में रेत की उपलब्धता, राजस्व की स्थिति, भविष्य की संभावनाओं तथा संचालन संबंधी चुनौतियों की समीक्षा की। बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि रेत खनन और परिवहन की सभी प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रेत ढोने वाले वाहनों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जाए और अवैध खनन तथा परिवहन को रोकने के लिए मजबूत सर्विलांस प्रणाली विकसित की जाए। टीजीएमडीसी के निदेशक अनुदीप दुरिशेट्टी ने मंत्री को राजस्व बढ़ाने, निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अवैध खनन गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। उन्होंने विभाग के समक्ष मौजूद विभिन्न चुनौतियों से भी अवगत कराया। अधिकारियों ने राज्य के विभिन्न जिलों में महत्वपूर्ण एवं अन्य खनिजों की खोज संबंधी गतिविधियों की प्रगति पर भी प्रस्तुति दी। इस पर मंत्री ने अन्वेषण कार्यों में तेजी लाने तथा महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में सैंड बाजारों के प्रदर्शन, विभाग की निगरानी प्रणाली और कर्मचारियों की आवश्यकताओं की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने राज्य के खनिज संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन के लिए प्रवर्तन उपायों को और मजबूत करने तथा संचालन क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

शहर के 562 होटलों व लॉजों पर पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी

'ऑपरेशन कवच' के तहत व्यापक स्तर पर सघन जांच अभियान

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की आंतरिक सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने तथा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर पूर्व से रोक लगाने के उद्देश्य से हैदराबाद सिटी पुलिस द्वारा शुक्रवार रात्रि 'ऑपरेशन कवच' के तहत व्यापक स्तर पर सघन जांच अभियान चलाया गया।

इस विशेष अभियान में लगभग 5 हजार पुलिसकर्मियों ने भाग लिया तथा पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र के 7 जोनों में स्थित कुल 562 होटलों एवं लॉजों में अर्धरात्रि के दौरान छापेमारी की गई। यह कार्रवाई रात्रि 11 बजे से 1 बजे तक लगातार जारी रही। इस दौरान होटल रजिस्टरों, कमरों के आवंटन की प्रक्रिया तथा वहां ठहरे आगंतुकों के पहचान दस्तावेजों की गहन जांच की गई। इस पूरे अभियान की निगरानी स्वयं शहर पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनर द्वारा की गई। उन्होंने मौके पर पहुंचकर नामपल्ली रेलवे स्टेशन के समीप तथा अमीरपेट क्षेत्र के कई लॉजों का निरीक्षण किया। उन्होंने कमरों के आवंटन की प्रक्रिया, विजिटर्स के विवरण दर्ज करने की प्रणाली की जांच की तथा वहां ठहरे व्यक्तियों से बातचीत कर उनकी पहचान एवं यात्रा संबंधी जानकारी प्राप्त की। जोनवार कार्रवाई के तहत खैरताबाद में 119, शमशाबाद में 92, जुबली हिल्स एवं गोलकोंडा में 86-86, सिकंदराबाद में 82, राजेंद्रनगर में 53 तथा चारमीनार जोन में 44 होटलों एवं लॉजों में पुलिस ने विस्तृत जांच की। इस दौरान लॉ एंड ऑर्डर पुलिस की टीमों ने समन्वय स्थापित कर रिकॉर्ड्स, रजिस्टरों तथा कमरों का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनर, आईपीएस ने इस अवसर पर स्पष्ट निर्देश दिए कि होटल एवं लॉज संचालकों को अनिवार्य रूप से सभी नियमों का पालन करना होगा। प्रत्येक आगंतुक से मूल पहचान पत्र की जांच कर उसकी प्रति रजिस्टर में संलग्न करना अनिवार्य होगा।

आगंतुकों का पूरा विवरण, मोबाइल नंबर, चेक-इन एवं चेक-आउट समय सही एवं पूर्ण रूप से दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में नाबालिगों को कमरे आवंटित नहीं किए जाएं तथा पहचान पत्र में दर्ज आयु का अनिवार्य रूप से सत्यापन किया जाए।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए जल्द ही डिजिटल विजिटर मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी होटलों एवं लॉजों में प्रवेश एवं निकास द्वार, रिसेप्शन क्षेत्र सहित प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी कैमरे लगातार कार्यरत रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या असामाजिक तत्वों की सूचना तत्काल डायल 100 या स्थानीय पुलिस को दी जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वाले होटल एवं लॉज संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा शहर की शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी को पुलिस प्रशासन का सहयोग करना होगा। इस अभियान में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था, संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात, संयुक्त पुलिस आयुक्त उत्तर क्षेत्र, विभिन्न जोनों के पुलिस उपायुक्त, साइबर क्राइम एवं महिला सुरक्षा विंग के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मी शामिल रहे।

श्री गोवर्धन गौमंदिर एवं गौशाला में 15 से 20 जून तक विशाल भंडारा महोत्सव

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन की भ्रमणशील मंडल जमात के तत्वावधान में हैदराबाद के पुराना पुल स्थित श्री गोवर्धन गौमंदिर एवं गौशाला में 15 जून से 20 जून तक पांच दिवसीय विशाल भंडारा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। आयोजकों द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह धार्मिक आयोजन संत-महात्माओं के पावन सान्निध्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम के दौरान संत दर्शन, सत्संग, गौ सेवा तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं को संतों का आशीर्वाद प्राप्त करने और गौ सेवा के पुण्य कार्य में सहभागी बनने का अवसर मिलेगा। भ्रमणशील मंडल जमात ने सभी गौभक्तों, सनातन धर्म प्रेमियों, श्रद्धालुओं एवं भक्तजनों को सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया है। आयोजकों ने बताया कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए भंडारा प्रसाद की व्यवस्था की जाएगी।

सार्वजनिक सूचना

इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, हमारे मुवक्किल (क्लायन्ट), मकान नं.8-1-124/1/1 & 8-1-121/4/2, अधिमापन क्षेत्र 360.97 स्के.याड्र्स, या 301.80 स्के.मीटर्स जो सर्वे नं.166 हिस्सा है, वर्तमान में उक्त मकान प्रापर्टी जोकि जीएचएमसी वार्ड नं.18, ब्लाक-13 के बंडलागुडा (कलसा), बंडलागुडा मंडल(इससे पूर्व राजेन्द्रनगर मंडल, जीएचएमसी राजेन्द्रनगर सर्किल, रंगारेड्डी जिला), हैदराबाद, तेलंगाना पर स्थित है, को खरीदना चाहते हैं। तथा उक्त मकान प्रापर्टी के चहुं तरफ -उत्तर दिशा में 18.03 स्के. मीटर्स या 93.46 स्के. याड्र्स अधिमापन युक्त भूमि जोकि प्रापर्टी मं.नं. 8-1-124/1/1 & 8-1-121/4/2 का हिस्सा है, इसे सडक चौडीकरण हेतु आवंटित किया है तथा दक्षिण दिशा में- 78.15 स्के. मीटर्स या 21.56 स्के. याड्र्स अधिमापन युक्त भूमि जोकि प्रापर्टी मं.नं. 8-1-124/1/1 & 8-1-121/4/2 का हिस्सा है इसे सडक चौडीकरण तथा उसके बाद मेन रोड हेतु आवंटित किया है, एवम् पूर्व दिशा में -पडौसी की प्रापर्टी और पश्चिम दिशा में -मेसर्स आर.एस. फार्चून्स एलएलपी जिसका पंजीकृत कार्यालय एस.बी. टावर्स, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, तेलंगाना पर स्थित है से संबंधित प्रापर्टी मं.नं. 8-1-124/1 (पार्ट), 8-1-124/1/1 (पार्ट) तथा 8-1-121/4/2 (पार्ट) से संबंधित पडौसी की प्रापर्टी स्थित है।

अतः उपरोक्त संपत्ति जायदाद पर या इसके आंशिक प्रापर्टी पर जोभी व्यक्तिगण को रुचि है या अधिकार जताते है या उक्त जायदाद पर सेल, गिफ्ट, लीज, इनहेरिटेन्स, एक्सचेंज, टेनेन्सी क्लेम्स, मार्टगेज, चार्ज, लाइन, ट्रस्ट, पजेशन, इजमेंट, एटैचमेन्ट या अन्य कोई दावा हो तो वे, इससे अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने हेतु सभी समर्थित दस्तावेजों सहित इस सूचना की प्रकाशन तिथि से लेकर 7 (सात) दिनों के भीतर, अपने सबूत प्रस्तुत करें, अन्यथा इस तरह के दावे संदर्भ के बिना बिक्री लेनदेन या सेल ट्रान्जेक्शन को पूरा किया जायेगा तथा यदि ऐसा कुछ है तो उसे अधित्यक्त किया हुआ माना जायेगा।

हस्ता./-
पुरुषोत्तमलाल अंकित सोंथालिया आयुष सोंथालिया के. दिलीप रेड्डी आकाश अगरवाल जी. कीर्ति एम. विजिता आलिया अख्तर वंशिका वशिष्ठा
निम्न पर जिनके चेम्बर्स स्थित हैं
मेसर्स पुरुषोत्तमलाल
एडवोकेट्स एण्ड असोसिएट्स
104, एलबीके निवास, म.नं.3-4-758,
बरकतपुरा, हैदराबाद, तेलंगाना, सेलः 9246349717

सार्वजनिक सूचना

इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, हमारे मुवक्किल (क्लायन्ट) ने प्लॉट नं. 199, अधिमापन क्षेत्र 200 स्के.याड्र्स, तत्समान 167.20 स्के.मीटर्स पर स्थित ग्राउण्ड +3 (तीन) अप्पर फ्लूर्स, 4TH (चौथे) फ्लूर पर पेन्ट हाउस युक्त मकान जायदाद को खरीदने के लिए अपनी सहमति जतायी है, उपरोक्त मकान जायदाद जोकि सर्वे नंबर्स 60, 66, 67, 68, 69 तथा 70 लेआउट के तहत है, जो ''तेजस्वी कालोनी' के नाम से मशहूर है एवम् उपरोक्त प्रापर्टी जोकि अत्तापूर विल्लेज, जीएचएमसी, राजेन्द्रनगर सर्किल, राजेन्द्रनगर मंडल, रंगारेड्डी जिला, तेलंगाना में स्थित है तथा इस प्रापर्टी के चारों तरफ- अर्थात् उत्तर दिशा में प्लाट नं.200, दक्षिण दिशा में प्लाट नं.198 पर स्थित पडौसी की प्रापर्टी, पूर्व दिशा में 25 फीट चौडी सडक, पश्चिम दिशा में प्लाट नं.209 पर श्रीमती लता रानी अगरवाल धर्मपत्नी श्री मोहन लाल अगरवाल हैदराबाद तेलंगाना निवासी संबंधित पडौसी प्रापर्टी स्थित है।

अतः उपरोक्त संपत्ति जायदाद पर जोभी व्यक्तिगण को रुचि है या अधिकार जताते है या उक्त जायदाद पर सेल, गिफ्ट, लीज, इनहेरिटेन्स, एक्सचेंज, टेनेन्सी क्लेम्स, मार्टगेज, चार्ज, लाइन, ट्रस्ट, पजेशन, इजमेंट, एटैचमेन्ट या अन्य कोई दावा हो तो वे, इससे अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने हेतु सभी समर्थित दस्तावेजों सहित इस सूचना की प्रकाशन तिथि से लेकर 7 (सात) दिनों के भीतर, अपने सबूत प्रस्तुत करें, अन्यथा इस तरह के दावे संदर्भ के बिना बिक्री लेनदेन या सेल ट्रान्जेक्शन को पूरा किया जायेगा तथा यदि ऐसा कुछ है तो उसे अधित्यक्त किया हुआ माना जायेगा।

हस्ता./-
पुरुषोत्तमलाल अंकित सोंथालिया आयुष सोंथालिया के. दिलीप रेड्डी आकाश अगरवाल जी. कीर्ति एम. विजिता आलिया अख्तर वंशिका वशिष्ठा
निम्न पर उपरोक्त चेम्बर्स स्थित
मेसर्स पुरुषोत्तमलाल
एडवोकेट्स एण्ड असोसिएट्स
104, एलबीके निवास, म.नं.3-4-758,
बरकतपुरा, हैदराबाद, तेलंगाना
सेलः 9246349717

सुरक्षा में कटौती से नाराज लालू परिवार

राबड़ी देवी ने सभी सुरक्षाकर्मियों को वापस लौटाया

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। लालू परिवार ने सुरक्षा में कटौती के बाद अपने सभी सुरक्षाकर्मियों को वापस भेज दिया है। राबड़ी के सरकारी आवास यानी 10 सर्कुलर रोड के अंदर और मुख्य गेट पर अब एक भी सुरक्षा कर्मी तैनात नहीं है। राबड़ी देवी ने सभी सुरक्षा कर्मियों को वहां से वापस जाने का निर्देश दिया है। हालांकि, सभी सुरक्षाकर्मी गेट से थोड़ा हटकर बाहर आकर खड़े हो गए हैं। 2 दिन पहले ही राज्य सुरक्षा समिति की सिफारिशों के आधार पर गृह विभाग ने आरजेडी के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी और पूर्व सीएम राबड़ी देवी की जेड प्लस सिक्योरिटी खत्म कर दी थी।

दोनों नेताओं को अब बिहार पुलिस की विशेष सुरक्षा व्यवस्था दी गई है, जिसमें एस्कॉर्ट, बुलेट प्रूफ कार और 8 से 16 गार्ड शामिल हैं। लालू यादव के बेटे और जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव की भी वाई कैटेगरी की सुरक्षा खत्म कर दी गई है। अब उन्हें सिर्फ एक बॉडीगार्ड दिया गया है।

तेजस्वी और बहनों की सुरक्षा बरकरार

तेजस्वी की सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया। उनकी पत्नी राजश्री और बहन मीसा भारती की सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया। तेजस्वी यादव को पहले की तरह वाई प्लस श्रेणी की सिक्योरिटी (एस्कॉर्ट) के साथ मिलती रहेगी। हालांकि, उसमें अब बीसैप के 1-4 हाउस गार्ड, पटना जिला बल से 6 बॉडीगार्ड और एस्कॉर्ट पार्टी के सदस्य शामिल होंगे। लालू की बड़ी बेटी एवं आरजेडी सांसद मीसा भारती के साथ पहले की तरह 3 बॉडीगार्ड रहेंगे। वहीं, तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री को एक महिला बॉडीगार्ड की सुरक्षा दी गई है।

अब लालू की सुरक्षा कितनी मजबूत

लालू प्रसाद यादव को अब तक जेड प्लस सुरक्षा मिलती आ रही थी। लेकिन सम्राट सरकार ने अब इसमें बदलाव करते हुए विशेष सुरक्षा व्यवस्था दे दी है। इसमें बीसैप के 2 से 8 हाउस गार्ड, पटना जिला बल से 2 बॉडीगार्ड, एचक्यूआरटी से पायलट और बुलेट प्रूफ कार, पटना जिला बल से एस्कॉर्ट एवं पायलट मुहैया कराया जाएगा।

वहीं, उनकी पत्नी राबड़ी देवी को लालू यादव से ज्यादा सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्हें बीसैप से 2-8 हाउस गार्ड, 3 महिला बॉडीगार्ड, 3 वर्दीधारी बॉडीगार्ड, एच.यूआरटी से पायलट, बुलेट प्रूफ कार, पटना जिला बल से एस्कॉर्ट और पायलट मिलेंगे।

पिता बना हैवान

11 साल की बेटी को बनाता रहा हवस का शिकार

तबीयत बिगड़ी तो खुला घिनौना राज, दरिंदगी की दास्तां

कानपुर, 6 जून (एजेंसियां)। कानपुर के सेनपश्चिम पारा थाना क्षेत्र में रिश्तों को कलंकित करने वाली घटना हुई। एक सरकारी विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मी पिता अपनी ही 11 वर्षीय बेटी को कई महीनों से हवस का शिकार बनाता रहा। मां के साथ लखनऊ एक बर्थडे पार्टी में गई बच्ची की अचानक तबीयत बिगड़ी, तो मां उसे अस्पताल ले गई।

वहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद बेटी से दुष्कर्म की पुष्टि की तो मां सन्न रह गई। बेटी ने मां को बिलखते हुए पिता की काली करतूत बयां की। शहर लौटते ही महिला ने पति के खिलाफ बेटी से दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया।

मर्डर या सुसाइड? सहारनपुर में पेड़ पर लटका मिला बजरंग दल के कार्यकर्ता का शव

सहारनपुर, 6 जून (एजेंसियां)। यूपी के सहारनपुर जिले के शाकंभरी क्षेत्र में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बिजनौर के हल्दौर निवासी 30 वर्षीय शिवम वर्मा के रूप में हुई है। मृतक बजरंग दल के विभाग संयोजक पद पर जिम्मेदारी निभा रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही सहारनपुर और बिजनौर के बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को नागलमाफी गांव के पास खेतों में एक पेड़ पर ग्रामीणों ने एक युवक का शव लटका देखा, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची मिर्जापुर पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर जांच शुरू की।

योगी 262 परियोजनाओं का शिलान्यास किया

2017 के पहले रामभक्त अयोध्या नहीं जा पाते थे, प्रदेश में असुरक्षा का माहौल था

गोंडा, 6 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को करनैलगंज के चकरौत में आयोजित कार्यक्रम में 516 करोड़ रुपये की 262 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने गोंडा के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह अत्यंत ऊर्जावान जनपद है, लेकिन आजादी के बाद जिस विकास का अधिकारी था, वह उसे नहीं मिला। तुष्टिकरण, जातिवाद, भाई-भतीजावाद और अराजकता के कारण जनपद पिछड़ता चला गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा था जब प्रदेश और जिले के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था।

दूसरे प्रदेशों में लोग दूरी बनाकर चलते थे, लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। अब उत्तर प्रदेश और गोंडा का नाम सुनते ही लोग सम्मान के साथ गले लगाते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र और नौ वर्षों में प्रदेश की डबल इंजन सरकार की नीतियों ने यह बदलाव संभव किया है। योगी ने कहा कि अब सरकारी योजनाओं का लाभ जाति और

चेहरे के आधार पर नहीं, बल्कि पात्रता के आधार पर मिल रहा है। उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, वृद्धावस्था, दिव्यांग और निराश्रित महिला पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के लोगों तक पहुंच रहा है

। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में दंगे, उपद्रव और असुरक्षा का माहौल था। त्योहारों में व्यवधान डाले जाते थे, व्यापारी और बेटियां सुरक्षित नहीं थीं तथा सत्ता में बैठे लोग दंगाइयों को संरक्षण देते थे। अब स्थिति बदल चुकी है।

जो भी त्योहारों में खलल डालने की कोशिश करेगा, उसका वर्तमान और भविष्य दोनों समाप्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों के इंतजार के बाद राम मंदिर निर्माण डबल इंजन सरकार की बड़ी उपलब्धि है। पहले रामभक्तों पर लाठियां और गोलियां चलती थीं, अब अयोध्या विश्वस्तरीय धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी के रूप में विकसित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले विकास कुछ क्षेत्रों तक सीमित था, जबकि उनकी सरकार ने हर जिले तक सुविधाएं पहुंचाने का काम किया है। गोंडा में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, कृषि महाविद्यालय, अस्पताल और शिक्षा संस्थान स्थापित किए गए हैं। श्रावस्ती में एयरपोर्ट का निर्माण भी तेजी से चल रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने सांसदों और विधायकों के प्रस्तावों पर सड़क, पुल, पुलिया और अन्य विकास कार्यों को मंजूरी दी है। करनैलगंज और कटरा विधानसभा क्षेत्रों में ही 516 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है।

फर्जी माइक्रो फाइनेंस कंपनी का बड़ा खेल, लोन के नाम पर महिलाओं से करोड़ों की ठगी

पूर्णिया, 6 जून (एजेंसियां)। पूर्णिया जिले में ठगों ने लोगों को शिकार बनाने का नया और सनसनीखेज तरीका अपनाया है। सदर थाना क्षेत्र में सहायता माइक्रो फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से फर्जी कंपनी खोलकर दर्जनों महिलाओं से करोड़ों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। शातिरों ने महज पांच दिनों के भीतर बड़ा लोन दिलाने का लालच देकर महिलाओं से रजिस्ट्रेशन और प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर पैसे वसूले और फिर दफ्तर बंद कर फरार हो गए। ठगी की शिकार महिलाओं ने अब पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़ित महिलाओं ने बताया कि कंपनी के संचालकों ने दावा किया था कि केवल 5,000 रुपये जमा करने पर अगले ही दिन उनके बैंक खाते में 1 लाख 60 हजार रुपये का लोन भेज दिया जाएगा। आरोप है कि कंपनी का प्रोपराइटर राहुल रंजन सिंह अपने साथियों सोनू और सुधांशु के साथ महिलाओं के घर-घर पहुंचा और उन्हें आसान शर्तों पर लोन दिलाने का भरोसा दिया। बड़ी राशि मिलने की उम्मीद में कई महिलाओं ने अपनी जमा पूंजी उन्हें सौंप दी।

शिक्षा मंत्री इस्तीफा क्यों दें? पेपर लीक की खबरों पर मचे सियासी घमासान पर बोले योगी के मंत्री

कानपुर, 6 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा एवं कानपुर के प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने नीट पेपर लीक और सीबीएसई विवाद को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मंत्री इसमें शामिल नहीं थे, इसलिए इस्तीफा देने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

कानपुर के सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए योगेंद्र उपाध्याय ने कहा, "जो दोषी थे उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसमें मंत्री का क्या दोष है, वो इस्तीफा क्यों दें?" उन्होंने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पहले 100 पेपर लीक होते थे, अब उदाहरण के तौर पर 10 हो रहे हैं, यानी 90 प्रतिशत कमी आई है।

उपाध्याय ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, "विपक्ष इतना कमजोर हो गया है कि वह एक बगुले जैसी पार्टी के पीछे खड़ा नजर आ रहा है।" उन्होंने कांग्रेस को "कॉकरोच पार्टी" करार देते हुए कहा कि यह न कोई पार्टी है, न संविधान और न ही नीति। मंत्री ने कहा, "दाढ़ी वाला हत्या करे और मूंछ वाले को पकड़ लिया जाए, ऐसा नहीं हो सकता। केंद्रीय मंत्री इसमें शामिल नहीं थे। यदि शामिल होते तो निश्चित रूप से जेल जाते।" उन्होंने यह भी कहा कि पहले लोग दोषियों को संरक्षण देते थे, जबकि इस सरकार में उन्हें दंडित किया जा रहा है।

पहले एसी की ठंडी हवा के लिए मजे, फिर चोरों ने की करोड़ों की चोरी; बिहार गया था परिवार

वाराणसी, 6 जून (एजेंसियां)। यूपी के वाराणसी जिले में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। बंद पड़े घर से बदमाशों ने करोड़ों रुपये कीमत की ज्वेलरी और नकदी की चोरी की। चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए हीरे और सोने-चांदी के कीमती गहनों समेत करीब 1.92 लाख रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया। चोर अपने साथ सीसीटीवी का डीवीआर भी उठा ले गए। बताया जा रहा है कि यह चोरी हाल के वर्षों की सबसे बड़ी चोरियों में से एक है। घटना जिले के शिवपुर थाना क्षेत्र के गणेशपुर इलाके की है। जानकारी के अनुसार मकान मालिक विनोद कुमार सिंह अपने परिवार के साथ एक जून को बिहार के रोहतास जिले में किसी के यहां तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उन्होंने दो जून की रात तक घर में लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की थी और उस समय सब कुछ सामान्य था, लेकिन अगले दिन सुबह कैमरे बंद दिखाई देने लगे।

महिलाओं की नाइट शिफ्ट पर सम्राट सरकार सख्त कैबिनेट की मंजूरी मिलते ही लागू हो जाएंगे नए नियम

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने नौकरी करने वाली महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए बड़ा कदम उठाया है। राज्य में रात की शिफ्ट में महिलाओं से काम कराने के लिए नए नियमों का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। श्रम विभाग द्वारा बनाए गए इस प्रस्ताव को वित्त विभाग की मंजूरी भी मिल चुकी है। अब इसे अंतिम स्वीकृति के लिए जल्द ही बिहार कैबिनेट के पास भेजा जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद राज्य की सभी कंपनियों, कार्यालयों और फैक्ट्रियों को इन नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। नए ड्राफ्ट के मुताबिक, यदि किसी महिला कर्मचारी से शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे के बीच काम कराया जाता है तो कंपनी को पहले उसकी लिखित सहमति लेनी होगी। बिना महिला की मंजूरी के उसे नाइट शिफ्ट में नहीं लगाया जा सकेगा।

महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्यस्थल और उसके आसपास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करनी होगी। साथ ही पूरे परिसर को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखना अनिवार्य होगा। सरकार ने यह भी तय किया है कि सीसीटीवी फुटेज को कम से कम 45 दिनों तक सुरक्षित रखना होगा, ताकि किसी भी शिकायत या जांच की स्थिति में रिकॉर्ड उपलब्ध हो सके। नए नियमों के अनुसार रात की शिफ्ट में कम से कम दो महिला कर्मचारियों की मौजूदगी जरूरी होगी। यानी किसी महिला से अकेले नाइट शिफ्ट में काम नहीं कराया जा सकेगा। महिला कर्मचारियों की सेहत को ध्यान में रखते हुए सरकार ने गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान किया है। नियम लागू होने के बाद प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं से रात की शिफ्ट में काम नहीं लिया जा सकेगा। नाइट शिफ्ट में काम करने वाली महिलाओं को घर से कार्यालय और कार्यालय से घर तक सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध करानी होगी।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर बनाया पति के मर्डर का प्लान, शराब पिलाकर कर दी हत्या

शाहजहांपुर, 6 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के सेहरामऊ दक्षिणी थाना पुलिस ने गांव मानपुर मलिकपुर निवासी ओमकार सिंह की गुमशुदगी के मामले का सनसनीखेज खुलासा करते हुए उनकी हत्या कर शव छिपाने की घटना का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मृतक की पत्नी ओमा भारती और उसके प्रेमी नन्हे को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर शव बरामद किया है। पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी सिटी देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 6 मार्च 2026 को ओमकार सिंह की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। ओमकार 23 फरवरी को तिलहर न्यायालय में तारीख पर जाने के लिए घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। बाद में परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि ओमा भारती और कांट थाना क्षेत्र के गांव लिंथरा निवासी नन्हे के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग का बड़ा एक्शन

पकड़ी 10 करोड़ की ड्रग्स; बैंकॉक से मस्कट होते हुए यूं लाई जा रही थी यूपी

लखनऊ, 6 जून (एजेंसियां)। यूपी की राजधानी लखनऊ में एयरपोर्ट पर करोड़ों की ड्रग्स बरामद हुई है। कस्टम विभाग की बड़ी कार्रवाई में लखनऊ एयरपोर्ट पर ड्रग्स पकड़ी गई है। बैंकॉक से मस्कट होते हुए एक यात्री ड्रग्स लेकर पहुंचा था, जिसे बरामद कर लिया गया है। ग्रीन चैनल पर संदेह होने पर यात्री को रोका गया और उसके पास से तलाशी के दौरान ड्रग्स बरामद हुई। कस्टम विभाग ने ट्रॉली बैग से 13 पैकेट हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया है।

बरामद हुए इस मादक पदार्थ का वजन 10.397 किलोग्राम निकला है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ड्रग्स की कीमत करीब 10.39 करोड़ रुपये आंकी गई है। कस्टम विभाग, यात्री से पूछताछ कर रही है और पता लगा रही है कि क्या इस तस्करी में कोई बड़ा नेटवर्क है। इस करतूत में उसके साथ और

कौन-कौन लोग हैं। बता दें कि प्रारंभिक जांच में मादक पदार्थ के मारिजुआना होने की पुष्टि हुई है। कस्टम डिपार्टमेंट ने एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और जांच एजेंसियां ड्रग्स तस्करी नेटवर्क के तार खंगालने में जुट गई हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर बरामद हुआ हाइड्रोपोनिक गांजा अपेक्षाकृत अधिक महंगा और हाई क्वालिटी वाला माना जाता है। इसे नियंत्रित वातावरण में खास तकनीक के जरिए उगाया जाता है, जिसकी वजह से इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत काफी ज्यादा है। इसी कारण से पिछले कुछ वर्षों में इसकी स्मगलिंग के मामलों में भी वृद्धि देखने को मिली है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि सीज की गई ड्रग्स की खेप को लखनऊ या यूपी में किसके पास पहुंचाया जाना था। इस तस्करी के पीछे कौन लोग एक्टिव हैं। कस्टम डिपार्टमेंट ने बताया कि इंटरनेशनल फ्लाइट्स से आने वाले पैसेंजर्स की निगरानी लगातार बढ़ी है।

संदिग्ध एक्टिविटीज पर नजर रखने के लिए प्रोफाइलिंग, यात्रियों के सामान की स्कैनिंग और खुफिया इनपुट का भी सहारा लिया जाता है। माना जा रहा है कि ड्रग्स की यह बरामदगी किसी बड़े इंटरनेशनल ड्रग स्मगलिंग नेटवर्क से जुड़ी हो सकती है। जांच एजेंसियां इस नेटवर्क के भारत और विदेश में फैले संभावित नेटवर्क का पता लगा रही हैं।

एटीएस और साइबर पुलिस का एक्शन, डोनाल्ड ट्रंप पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला युवक गिरफ्तार

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपत्तिजनक एवं अभद्र टिप्पणी करना जहानाबाद के एक युवक को महंगा पड़ गया। जहानाबाद सदर थाना क्षेत्र के गेरिया खंड मोहल्ला निवासी मोहम्मद सेराज को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने का आरोप है। दरअसल में सोशल मीडिया पर डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल पर पटना एटीएस की टीम हरकत आ गई और इसकी इतला जहानाबाद पुलिस को दी गई। जहानाबाद साइबर थाने और पटना एटीएस की टीम ने जहानाबाद सदर थाना क्षेत्र के गेरिया खंड मोहल्ला निवासी मोहम्मद सेराज को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस बाबत पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने बताया कि मोहम्मद सेराज द्वारा की गई पोस्ट पर संज्ञान लेते हुए एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने कार्रवाई शुरू की। मामले की जांच के लिए पटना से एटीएस की टीम जहानाबाद पहुंची।

जांच के दौरान साइबर थाने में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद युवक को गिरफ्तार कर लिया गया और आगे की कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि हाल के दिनों में जिले में इस तरह की यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है।

पति ने पत्नी को बुलाकर दोस्तों से कराया सामूहिक दुष्कर्म, सर्जिकल चाकू से हमला कर किया घायल

मुरादाबाद, 6 जून (एजेंसियां)। गलशहीद क्षेत्र में महिला को उसके पति ने फोन कर बहाने से अपने साथी के घर बुला लिया। यहां साथी डा. गुफरान और उसके भाई फइम ने सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध किया तो पति ने सर्जिकल चाकू से हाथ पर हमला कर दिया, जिसमें महिला घायल हो गई। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पति, डॉक्टर और एक अन्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

गलशहीद क्षेत्र में रहने वाली महिला ने गलशहीद थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि उसकी शादी गलशहीद में ही रहने वाले युवक के साथ हुई है। पति का दोस्त डॉ. गुफरान का मझोला के जयंतीपुर धीमरी रोड अखबार फैक्टरी के पास दंत क्लीनिक है। एक जून की रात करीब आठ बजे पति ने फोन कर उसे अपने दोस्त के क्लीनिक के पास बुला लिया। यहां से आरोपित उसे मकान में ले गए और वहां डॉ. गुफरान और उसके भाई फइम ने सामूहिक दुष्कर्म किया।

रात 12 बजे तक आरोपितों ने उसे बंधक बनाकर रखा। विरोध करने पर पति ने सर्जिकल चाकू से हमला कर दिया, जिसमें हाथ जख्मी हो गया। किसी तरह आरोपितों के चंगुल से निकली और अपने घर पहुंची। इसके बाद स्वजन के साथ वह पुलिस के पास पहुंची। सीओ गौरव तिवारी ने बताया कि शुक्रवार को युवती के पति, डॉक्टर और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया है।

अशरफ अंसारी होंगे चिराग की पार्टी के एमएलसी कैंडिडेट, बीजेपी-जेडीयू ने उतारे हैं 4-4 उम्मीदवार

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। बिहार विधान परिषद चुनाव में चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) से अशरफ अंसारी को उम्मीदवार बनाया गया है। इसे लेकर लोजपा (रामविलास) की ओर से एक लेटर जारी किया गया है, जिसमें अशरफ अंसारी को उम्मीदवार बनाए जाने की जानकारी दी गई है। शुक्रवार को ही बीजेपी और जेडीयू की तरफ से भी कैंडिडेट का ऐलान किया गया था। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की तरफ से जारी किए गए लेटर में यह बताया गया कि पार्टी के केंद्रीय पार्लियामेंट्री बोर्ड ने बिहार में प्रस्तावित विधान परिषद द्विवार्षिक चुनाव-2026 को लेकर विचार-विमर्श किया। इसके बाद अशरफ अंसारी जो कि कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष हैं, उनके नाम पर अपनी औपचारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। बीजेपी और जेडीयू ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। बीजेपी ने भोजपुरी गायक पवन सिंह को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख को लगातार तीसरी बार मौका दिया गया है। पूर्णिया के अनिल कुमार ठाकुर और शीला प्रजापति को भी टिकट देकर भाजपा ने सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश की है। जेडीयू पार्टी की ओर से जारी लिस्ट के मुताबिक, निशांत कुमार- पटना, भारती मेहता- मधुबनी, शिवरानी देवी प्रजापति- पश्चिमी चंपारण और ललन प्रसाद को शेखपुरा से उम्मीदवार बनाया गया है।

10 जून से बिना ट्रांजिट पास नहीं चलेगा बालू-गिट्टी का वाहन, नियम तोड़ना पड़ेगा भारी, जा सकते हैं जेल

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। बिहार में अवैध खनन और खनिज परिवहन पर लगाम कसने के लिए खान एवं भूतत्व विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। अब दूसरे राज्यों से बालू,गिट्टी,पत्थर,मोरंग समेत अन्य लघु खनिज लेकर बिहार में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों के लिए 10 जून 2026 से इंटर स्टेट ट्रांजिट पास (आईएसटीपी) अनिवार्य होगा। नियम लागू होने के बाद बिना ट्रांजिट पास पकड़े जाने पर जुर्माना के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

सबूतों के अभाव में रेप और हत्या के आरोपी को जमानत, भारी मन के साथ कोर्ट ने दिया आदेश

प्रयागराज, 6 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रेप और हत्या के एक मामले में वैज्ञानिक सबूतों के अभाव के कारण आरोपी को जमानत दे दी। इस दौरान कोर्ट ने उत्तर प्रदेश की फॉरेंसिक जांच व्यवस्था पर गहरी चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि वह भारी मन के साथ आरोपी को जमानत देने के लिए मजबूर है, क्योंकि वैज्ञानिक सबूतों आरोपी को अपराध से जोड़ने में असफल रहे हैं।कोर्ट ने राज्य सरकार की फॉरेंसिक लैब की बदहाल स्थिति पर कड़ी नाराजगी जाहिर की।

जस्टिस अरुण कुमार सिंह देशवाल की बेंच ने आरोपी मनोज की जमानत याचिका मंजूर

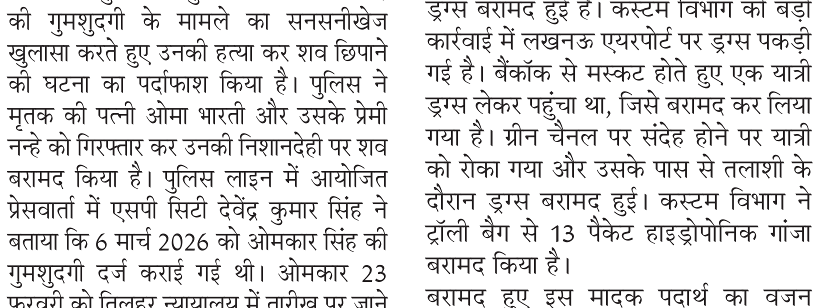

करते हुए कहा कि फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की रिपोर्ट से यह साबित नहीं हो सका कि मृतका के वैजाइनल स्मीयर में मिला डीएनए प्रोफाइल आवेदक का है। वजह थी डीएनए प्रोफाइल का अधूरा बन पाना। कोर्ट ने कहा कि एफएसएल की रिपोर्ट में मृतका के वैजाइनल स्मीयर से मिले डीएनए का मिलान आरोपी से नहीं हो सका। रिपोर्ट में बताया गया कि डीएनए प्रोफाइल पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हो पाई, जिसके कारण उसके स्रोत की पहचान संभव नहीं थी। कोर्ट ने कहा कि सबूत के बिना किसी को जेल में रखना न्याय नहीं होगा।

21 मई के आदेश में कोर्ट ने राज्य की फॉरेंसिक लैब की बुनियादी कमियों को उजागर किया। कोर्ट ने कहा कि राज्य में ज्यादातर मामलों में यही समस्या सामने आती है। कोर्ट ने कहा 'अधिकांश मामलों में एफएसएल की रिपोर्ट यही दिखाती है कि डीएनए प्रोफाइल अधूरी बनने की वजह से स्वाब में मिले डीएनए का स्रोत तय नहीं हो पाता'। कोर्ट ने कहा कि डीएनए प्रोफाइल अधूरी रहने के कारण जांच एजेंसियां अपराधियों तक नहीं पहुंच पातीं। कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पुरानी मशीनें और अपर्याप्त बुनियादी ढांचा इस समस्या की मुख्य वजह हैं। कोर्ट ने कहा कि पुरानी मशीनें और अधूरा इंफ्रास्ट्रक्चर ही डीएनए प्रोफाइल न बन पाने की मुख्य वजह है।

जस्टिस देशवाल ने कहा कि इसके लिए राज्य सरकार के अलावा किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराना उसकी जिम्मेदारी है। कोर्ट ने आरोपी को जमानत देते हुए उम्मीद जताई कि राज्य सरकार एफएसएल को हाई-एंड मशीनें मुहैया कराएगी और पर्याप्त स्टाफ तैनात करेगी।

शिवपुरी का हैवान! लड़की पर कुल्हाड़ी से हमला, फिर गले में रस्सी बांधकर छत से लटकाया

शिवपुरी, 6 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के चंदावनी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 17 साल की लड़की पर गांव के ही एक युवक ने जानलेवा हमला किया। पहले उसपर कुल्हाड़ी से वार किया, फिर गले में रस्सी बांधकर छत से लटका दिया। हालांकि, लड़की को थोड़ी देर बाद जमीन पर पटककर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल लड़की को पहले शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां से उसकी नाजुक हालत को देखते हुए ग्वालियर रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसका इलाज जारी है। आरोपी धर्मेंद्र परिहार का नाम लंबे समय से पीड़ित लड़की के साथ जोड़ा जाता रहा है। कुछ समय पहले दोनों परिवारों के बीच विवाद भी हुआ था।

मामला बढ़ने पर गांव में पंचायत बुलाई गई थी, जहां दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया था। पंचायत में आरोपी युवक को भविष्य में ऐसी किसी भी गतिविधि से दूर रहने की चेतावनी दी गई थी। बताया जा रहा है कि सुबह लड़की के माता-पिता किसी काम से घर से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान आरोपी युवक उसके घर पहुंच गया।

अमरनाथ यात्रा का फुलप्रूफ प्लान

सेना/सीएपीएफ के 55 हजार जवान होंगे तैनात, 'छोटी मिसाइल-ड्रोन-आइईडी' हैं चुनौती

जम्मू, 6 जून (एजेंसियां)। कश्मीर में तीन जुलाई से पवित्र अमरनाथ यात्रा शुरू हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित बनाने का फुलप्रूफ प्लान तैयार कर लिया है। यात्रा मार्ग पर सेना/सीएपीएफ के 50 हजार से अधिक जवानों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय खुफिया इकाई को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य में लगभग पचास विदेशी दहशतगर्द और दर्जनों ओवर ग्राउंड वर्कर भी सक्रिय हैं। खुफिया सूचनाओं के मुताबिक, अमरनाथ यात्रा के दौरान छोटी मिसाइल यानी हैंड ग्रेनेड से हमला, ड्रोन-अटैक, फिदायीन हमला और आईईडी से नुकसान पहुंचाना, यह खतरा बना रहेगा। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने उक्त खतरों का तोड़ निकाल लिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आठ जून को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा एवं दूसरी तैयारियों को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्य सचिव, डीजीपी, सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ और खुफिया एजेंसियों

के बड़े अधिकारी शामिल होंगे। खुफिया इकाई के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में छिपे 50 से ज्यादा पाकिस्तानी दहशतगर्द, अमरनाथ यात्रा में बाधा डालने का प्रयास कर सकते हैं। इस बाबत सभी केंद्रीय एजेंसियों, सेना, सीएपीएफ और जेकेपी को अवगत कर दिया गया है। गत वर्ष पहलगाम हमले के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सुरक्षा बलों के शीर्ष अफसरों के साथ बैठक करने के लिए जम्मू पहुंचे थे। अमरनाथ यात्रा के दौरान ओएफसी केबल्स, डीएमआर कम्युनिकेशन, दिन और रात निगरानी करने वाले कैमरों की मदद ली जाएगी। ये उपकरण 'व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली' (सीआईबीएमएस) का हिस्सा होंगे। इनकी मदद से यात्रा के रूट पर घुसपैठ का पता लगाया जा सकेगा। ओवर ग्राउंड वर्कर, आतंकियों को जरुरी सूचनाएं एवं ट्रांसपोर्ट की सुविधा मुहैया कराते हैं। पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के जम्मू कश्मीर में मौजूद मुखौटे आतंकी संगठन जैसे 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) और पीएएफएफ की गतिविधियों पर खास नजर रखी जा रही है। ये आतंकी संगठन, ओवर ग्राउंड वर्कर की मदद से हमले को अंजाम देते हैं। केंद्रीय बलों के खोजी कुत्तों को यात्रा रूट पर लगाया जा रहा है। ये कुत्ते संदिग्ध सामान की जांच में विशेष सहयोग करते हैं। खोजी कुत्ते जमीन में चार फुट नीचे दबी विस्फोटक सामग्री खोज निकालते हैं। संदिग्ध व्यक्ति अगर इनकी नजर में आ जाए तो संबंधित केंद्रीय बल तक वह जानकारी पहुंच जाती है। एक खोजी कुत्ता चार-पांच किलोमीटर का रास्ता तय कर यह सुनिश्चित करता है कि आगे की राह ठीक है।

अगर कोई खतरा है तो खोजी कुत्ता उसे भांप लेता है। खोजी कुत्ते की सूंघने की क्षमता चार किलोमीटर दूरी तक होती है। उसके बाद कुत्ते को गाड़ी में बैठा दिया जाता है। दूसरे कुत्ते को डयूटी पर उतारा जाता है। अमरनाथ यात्रा के लिए जवाहर टनल से निकलने वाले दोनों रास्ते, पहलगाम और बालटाल के करीब दो सौ किलोमीटर लंबे रूट को यही खोजी कुत्ते क्लीयर करते हैं। प्लास्टिक बैग या टिफिन बॉक्स में रखी विस्फोटक सामग्री तलाशने के लिए इन कुत्तों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

लुधियाना स्टेशन पर हादसा: दो हिस्सों में बंटी नई दिल्ली-कटरा ट्रेन, धमाके के साथ टूटा स्लीपर कोच का टॉयलेट

लुधियाना, 6 जून (एजेंसियां)। लुधियाना के रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा होने से हड़कंप मच गया। नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा जा रही स्पेशल ट्रेन (04081) जैसे ही स्टेशन से रवाना होने लगी, अचानक दो डिब्बों को आपस में जोड़ने वाली कपलिंग टूट गई। कपलिंग टूटने से जोरदार धमाका हुआ और स्लीपर कोच का टॉयलेट क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रेन के दो हिस्सों में बंटते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए यहां-वहां भागने लगे। हालांकि लोगों का कहना है कि धमाके की आवाज से डिब्बा टूटा है और पुलिस अधिकारी अभी तक इस मामले में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

उनका कहना है कि जांच जारी रहने तक कुछ भी नहीं कहा जा सकता कि डिब्बा धमाके से टूटा है या फिर कंपलिंग टूटने से धमाके की आवाज आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शनिवार सुबह जब न्यू दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल ट्रेन लुधियाना स्टेशन से अभी चलना शुरू ही हुई थी कि अचानक एक जोरदार आवाज सुनाई दी।

तीन दिन के देरी के बाद गोवा पहुंचा मानसून

केरलम में बारिश का रेड अलर्ट; दस दिन में बिहार झारखंड पहुंचेगा

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। करीब 3 दिन की देरी के बाद आज मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है और अब गोवा पहुंच गया है। केरलम में अगले 24 घंटे के लिए बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। वायनाड-कासरगोड में स्कूल आज बंद रहेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले तीन दिन में मानसून, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है।

इसके बाद 10 दिन में यह बिहार, झारखंड और ओडिशा पहुंच सकता है। गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून एक्टिव है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में बारिश हो रही है। यहां ऑरेंज अलर्ट जारी है। रात केरलम में हुई भारी बारिश के कारण कई इलाकों में पानी भर गया और पेड़ उखड़ गए। आईएमडी ने केरलम के 8 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां बारिश के साथ तूफान की आशंका है।

महाराष्ट्र से ओडिशा लाई गई बाघिन जीनत बनी मां यमुना लापता; वन विभाग की ट्रैकिंग पर उठे सवाल

अनुगुल (ओडिशा), 6 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के सिमिलिपाल अभयारण्य में दो साल पहले महाराष्ट्र से प्रजनन उद्देश्य से लाई गई बाघिनों 'जीनत' और 'यमुना' को लेकर वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। जहां एक ओर बाघिन 'जीनत' ने हाल ही में शावकों को जन्म देकर विभाग को बड़ी सफलता दिलाई है, वहीं दूसरी ओर 'यमुना' की स्थिति अब भी अनिश्चित बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, दोनों बाघिनों को सिमिलिपाल में छोड़ा गया था, लेकिन कुछ समय बाद वे क्षेत्र से बाहर चली गई थीं। बाद में 'जीनत' वापस सिमिलिपाल लौट आई और सफलतापूर्वक प्रजनन कर मां बनी। इसके विपरीत 'यमुना' एक बार बालेश्वर जिले के कुलडिहां अभयारण्य के पुराने जलाशय क्षेत्र में देखी गई थी, जिसके बाद उसकी निगरानी की जिम्मेदारी कुलडिहां रेंज को सौंपी गई।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, कुलडिहां रेंज ने 'यमुना' की आहार और गतिविधियों की निगरानी के लिए पिछले दो महीनों में कुल 31,05,645 रुपये खर्च किए हैं। इसमें जून 2025 में 6,44,295 रुपये तथा जनवरी

2026 में 24,61,350 रुपये का व्यय शामिल है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, यमुना के गले में लगा रेडियो कॉलर खराब हो जाने के कारण उसकी ट्रैकिंग प्रणाली पूरी तरह से बाधित हो गई है। तकनीकी खामी के चलते पिछले कई समय से उसकी गतिविधियों की कोई सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस स्थिति ने न केवल वन्यजीव निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि संसाधनों के उपयोग और तकनीकी तैयारी को लेकर भी विभागीय कार्यप्रणाली पर बहस तेज कर दी है।

मदरसों के डेटा जुटाएगी शुभेंदु सरकार 5 जुलाई तक सौंपी जाएगी रिपोर्ट

कोलकाता, 6 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के सभी मदरसा शिक्षण संस्थानों का अपडेटेड डेटा जुटाने की पहल शुरू की है। सरकार के अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। निर्देश के तहत सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में ब्लॉक और नगर निकाय स्तर पर सर्वेक्षण कर मदरसों से जुड़ी जानकारी एकत्र करने को कहा गया है। सरकार का कहना है कि यह कदम सिर्फ जानकारी जुटाने और सत्यापन के लिए है। जानकारी के मुताबिक विभाग ने राज्य के सभी जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए हैं कि वो ब्लॉक और नगरपालिका स्तर पर सर्वे करवाकर जिले के सभी मदरसा संस्थानों का संकलित डेटा तैयार करें।

इसमें मान्यता प्राप्त, पंजीकृत, सरकारी सहायता प्राप्त, गैर-सहायता प्राप्त, अपंजीकृत समुदाय द्वारा संचालित और निजी मदरसे शामिल हों। इसका उद्देश्य राज्य में संचालित मदरसों की वास्तविक और अद्यतन स्थिति का आकलन करना है। सर्वे के तहत संस्थानों

की बुनियादी सुविधाओं, पाठ्यक्रम, छात्रों की संख्या, प्रशासनिक व्यवस्था, बाल कल्याण गतिविधियों और अन्य प्रासंगिक जानकारी एकत्र की जाएगी।

सरकार चाहती है कि मदरसा शिक्षा की मौजूदा स्थिति की सटीक तस्वीर सामने आए ताकि भविष्य में नीतियां बनाते समय ठोस आंकड़े उपलब्ध हों। सरकार का मानना है कि इस डेटा के आधार पर भविष्य में शिक्षा और कल्याण योजनाओं को ज्यादा प्रभावी बनाया जा सकेगा। छात्रों को ट्रांसफर करने जैसी कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

ट्रक और पिकअप की टक्कर, अंतिम संस्कार में जा रहे एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत

फिरोजपुर, 6 जून (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर जिले में शनिवार (6 जून) को एक पिकअप गाड़ी और एक भारी ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। जलालाबाद गांव के एक ही परिवार के लगभग 25 लोग अमृतसर जिले के ब्यास में एक धार्मिक स्थल पर परिवार के एक सदस्य का अंतिम संस्कार करने जा रहे थे। यह हादसा सुबह करीब 5:40 बजे फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर हुआ।

पिक-अप गाड़ी और ट्रक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिक-अप गाड़ी घिसटती चली गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस, राहगीरों और स्थानीय लोगों ने गाड़ी के अंदर फंसे कई लोगों को बाहर निकालने के लिए क्षतिग्रस्त गाड़ी के हिस्सों को काटा। पिक-अप गाड़ी में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। फिरोजपुर के एसएसपी राजिंदर सिंह ने मीडिया को बताया कि पीड़ित परिवार के एक मृतक सदस्य की अस्थियां ब्यास नदी में विसर्जित करने के लिए ब्यास जा रहा था। उन्होंने कहा कि ज्यादातर पीड़ित एक ही परिवार के थे। उन्होंने कहा कि हादसे की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है।

उन्होंने बताया कि घायलों को एम्बुलेंस से फिरोजपुर के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। निखिल गुप्ता ने बताया कि कई गंभीर रूप से घायल लोगों को आगे के इलाज के लिए फ़रीदकोट के गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर किया गया।

'पिछले 15 वर्षों में खिलाड़ियों के साथ भेदभाव किया गया' खेल मंत्री निसिथ ने टीएमसी पर साधा निशाना

कोलकाता, 6 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार के खेल मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने राज्य की खेल व्यवस्था को लेकर तृणमूल कांग्रेस टीएमसी पर तीखा हमला बोला। आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि पिछले 15 वर्षों का दौर बंगाल के लिए अंधकार युग रहा, जबकि अब राज्य में बदलाव और विकास की नई शुरुआत हुई है। निसिथ प्रमाणिक ने कहा कि टीएमसी शासन के दौरान केवल राजनीति और विकास ही नहीं, बल्कि खेल क्षेत्र भी प्रभावित हुआ। उनका आरोप था कि बीते वर्षों में बच्चों और युवा खिलाड़ियों के साथ भेदभाव किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का लक्ष्य बंगाल के बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और खेल क्षेत्र को नई दिशा देना है। इसी उद्देश्य से नेशनल स्पोर्ट्स कोड को अपनाया गया है।

खेल प्रशासन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व खेल मंत्री के भाई द्वारा किए गए कथित कार्यों की जांच होगी और यदि किसी ने खिलाड़ियों के भविष्य से खिलवाड़ किया है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

मोरबी में तेज रफ्तार डंपर ने कार को कुचला एक ही गांव के पांच युवकों की मौत

मोरबी, 6 जून (एजेंसियां)। हलवद हाईवे पर चरड़वा गांव के बाहरी इलाके में बीती रात एक भयानक सड़क हादसा हुआ, जिसमें रणछोड़गढ़ गांव के 5 युवकों की जान चली गई। एक तेज रफ्तार कार फैक्ट्री से निकल रहे डंपर से टकरा गई, जिससे कार के टुकड़े-टुकड़े हो गए। इस हादसे में कार में सवार 7 लोगों में से 5 की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों की हालत बहुत गंभीर है। इस हादसे के पीछे एक बहुत ही दुखद कहानी है। रणछोड़गढ़ गांव के दिलीप दहैया का 24 साल का बेटा परेश हलवद तालुका के मानसर गांव के पास बाइक पलटने से गंभीर रूप से घायल हो गया। रणछोड़गढ़ गांव के कुछ युवक उसे अपनी कार में लेकर हॉस्पिटल की तरफ भाग रहे थे ताकि घायल व्यक्ति को तुरंत इलाज मिल सके।

रात करीब 9:30 बजे, चरड़वा गांव के पास एक पेट्रोल पंप के सामने एक फैक्ट्री से आ रहा एक डंपर अचानक तेज़ी से मुड़ गया। कार ड्राइवर, जिसे हॉस्पिटल पहुंचने की जल्दी थी, के बावजूद कार डंपर से टकरा गई। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कार डंपर के नीचे फंस गई और उसमें बैठे लोग लोहे की चादरों के बीच कुचल गए। यह भयानक हादसा देखकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने तुरंत जेसीबी मशीन की मदद ली, और कार की बॉडी काटकर फंसे हुए लोगों को मुश्किल से बाहर निकाला गया। इस हादसे में 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 लोगों ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। रणछोड़गढ़ गांव के मृतक और घायल इस भयानक हादसे में जान गंवाने वाले सभी पांच युवक रणछोड़गढ़ गांव के थे।

बीजेपी विधायक राजू सिंह हर्ष फायरिंग में एक महिला की मौत के मामले में दोषी, कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 31 दिसंबर 2018 को बसंत कुंज स्थित फार्महाउस पर न्यू ईयर पार्टी के दौरान हुई हर्ष फायरिंग में एक महिला की मौत के मामले में बिहार के साहिबगंज से भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। विधायक राजू कुमार सिंह को आईपीसी की धारा 304 (भाग-2) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 30 के तहत दोषी करार दिया गया है। कोर्ट ने मामले में उनकी पत्नी रेनू सिंह और दो अन्य आरोपियों राना राजेश सिंह व रामेंद्र सिंह को बरी कर दिया।

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि नए साल की पार्टी में भीड़ भरे माहौल में आरोपी राजू सिंह द्वारा अपनी लाइसेंसी पिस्तौल से गोली

चलाना दर्शाता है कि उन्हें इस बात की जानकारी थी कि ऐसा करने से किसी व्यक्ति की मौत हो सकती है। इस कृत्य को कोर्ट ने लापरवाही भरा माना। घटना 31 दिसंबर 2018 की रात की है, जब बसंत कुंज स्थित राजू कुमार सिंह के फार्महाउस पर न्यू ईयर पार्टी चल रही थी। हर्ष फायरिंग में आर्किटेक्ट अर्चना गुप्ता गंभीर रूप से घायल हुईं और 3 जनवरी 2019 को उनकी मौत हो गई। दिल्ली पुलिस ने उस समय राजू सिंह और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया था। 2023 में कोर्ट ने राजू सिंह, उनकी पत्नी रेनू सिंह और अन्य दो आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे। कोर्ट ने उस समय प्रथम दृष्टया राजू सिंह पर आईपीसी 304(भाग-2) और आर्म्स एक्ट की धारा 30 के तहत मामला बनने की बात कही थी। पत्नी और अन्य आरोपियों को बरीकोर्ट ने राजू सिंह की पत्नी रेनू सिंह तथा राना राजेश सिंह और रामेंद्र सिंह को सभी आरोपों से बरी कर दिया।

कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि इन आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं पाए गए। विधायक राजू कुमार सिंह को कोर्ट ने तुरंत हिरासत में लेने का आदेश दिया, जिसके बाद उन्हें हिरासत में भेज दिया गया।

नीट-यूजी पेपर लीक: मुख्य आरोपी शुभम की न्यायिक हिरासत 15 जून तक बढ़ी, मनीषा वाघमारे की जमानत पर फैसला 9 को

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी शुभम खैरनार की न्यायिक हिरासत 15 जून तक बढ़ा दी। खैरनार को उनकी पिछली न्यायिक हिरासत समाप्त होने के बाद अदालत में पेश किया गया था। वहीं, मामले की एक अन्य आरोपी मनीषा वाघमारे की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला 9 जून के लिए सुरक्षित रख लिया है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने वाघमारे की जमानत का कड़ा विरोध करते हुए उन्हें पूरे षड्यंत्र की अहम साजिशकर्ता बताया है। विशेष सीबीआई न्यायाधीश अजय गुप्ता की अदालत में वाघमारे की ओर से अधिवक्ता

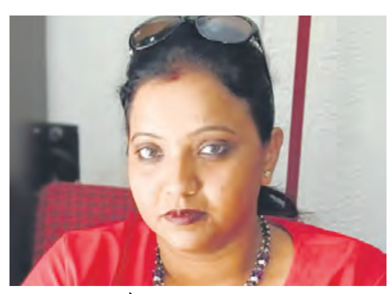

श्रेयस गच्छे और सीबीआई की ओर से वरिष्ठ लोक अभियोजक नीतू सिंह ने अपने-अपने पक्ष रखे। सीबीआई ने अदालत को बताया कि मनीषा वाघमारे ने सेवानिवृत्त रसायन विज्ञान शिक्षक प्रह्लाद कुलकर्णी और पुणे निवासी धनंजय लोखंडे के साथ मिलकर लीक हुआ प्रश्नपत्र हासिल किया और उसे आगे वितरित किया। जांच एजेंसी के अनुसार, बैंक खातों के रिकॉर्ड और छात्रों के बयानों से यह संकेत मिले हैं कि परीक्षा सामग्री तक पहुंच दिलाने के लिए धन का लेन-देन किया गया था। सीबीआई का दावा है कि धनंजय लोखंडे ने मनीषा वाघमारे से नीट यूजी 2026 की परीक्षा सामग्री प्राप्त की थी, जिसे बाद में शुभम खैरनार तक पहुंचाया गया।

हालांकि, बचाव पक्ष ने सीबीआई के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मनीषा वाघमारे एक प्रमाणित शैक्षणिक सलाहकार हैं और उनकी आय छात्रों को विभिन्न संस्थानों में रेफर करने पर मिलने वाले कमीशन से होती है। बचाव पक्ष ने यह भी दलील दी कि उनके घर पर की गई तलाशी के दौरान कोई नकदी या अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई।

आसाराम के आश्रम के पास बुलडोज़र एक्शन, भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात

अहमदाबाद, 6 जून (एजेंसियां)। आसाराम के आश्रम के पास बुलडोज़र एक्शन चल रहा है। 45 सौ वर्ग मीटर से ज़्यादा की ज़मीन खाली करवाई जा रही है। इस ज़मीन की कीमत 500 करोड रुपये से ज़्यादा है। आसाराम के मोटेरा आश्रम ट्रस्ट की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी।। जिसके ख़ारिज होने के बाद अहमदाबाद विकास प्राधिकरण ने ये एक्शन लिया है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स की भी तैनाती की गई है। इस दौरान आश्रम में रहने वाले लोगों ने कार्रवाई का विरोध भी किया। लोगों को आश्रम छोड़कर जाना पड़ा है।। जिसकी वजह से गुस्सा बढ़ गया है। फिलहाल पुलिस हालात को कंट्रोल में कर रही है। डीसीपी जोन-2 भरत राठौड़ ने कहा कि आज नगरपालिका ने चांदखेड़ा में मोटेरा गांव के तहत आने वाले 37 घरों को तोड़ने की योजना बनाई है। इसके लिए चार टीमें तैनात की गई हैं और हर टीम के साथ पुलिस की टुकड़ी है। हर टीम में एक पीआई, दो पीएसआई और 25 जवान शामिल हैं।

अधिक संपत्ति मामले में बड़ी कार्रवाई, एईई बैकुंठनाथ बेहरा के 9 ठिकानों पर छापा

भुवनेश्वर, 6 जून (एजेंसियां)। ओडिशा सतर्कता (विजिलेंस) विभाग ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में कंधमाल जिले के बालिगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण (आईटीडीए) के सहायक कार्यपालक अभियंता (एईई) बैकुंठनाथ बेहरा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की। विजिलेंस की टीम ने एक साथ भुवनेश्वर, जाजपुर, बारिपदा और बालिगुड़ा में स्थित उनके नौ ठिकानों पर छापेमारी की। विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार, बैकुंठनाथ बेहरा के पास उनकी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति होने की शिकायत मिली थी।

प्रारंभिक जांच में मिले तथ्यों के आधार पर भुवनेश्वर स्थित विशेष विजिलेंस न्यायालय से सर्च वारंट प्राप्त किया गया।

इसके बाद 2 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडिशनल एसपी), 5 डीएसपी, 6 इंस्पेक्टर तथा अन्य कर्मचारियों की टीम ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया। छापेमारी के दौरान भुवनेश्वर के चंद्रशेखरपुर स्थित नीलाद्रि विहार में उनके चार मंजिला मकान, सैलश्री विहार स्थित तीन मंजिला भवन, पटिया के कानन विहार फेज-1 में स्थित दो मंजिला मकान तथा चंद्रशेखरपुर क्षेत्र में एक अन्य दो मंजिला आवास की जांच की गई।

इसके अलावा जाजपुर जिले के धर्मशाला क्षेत्र के पंडुआ गांव में स्थित पैतृक संपत्ति और रिश्तेदारों के घरों को भी तलाशी के दायरे में शामिल किया गया। विजिलेंस टीम ने बारिपदा नगर के देउला साही स्थित एक रिश्तेदार के आवास पर भी जांच की। साथ ही बालिगुड़ा स्थित आईटीडीए कार्यालय में बैकुंठनाथ बेहरा के कार्यालय कक्ष तथा उनके सरकारी आवास की भी तलाशी ली गई। सूत्रों के मुताबिक तलाशी के दौरान अचल एवं चल संपत्तियों, बैंक खातों, निवेश संबंधी दस्तावेजों तथा अन्य वित्तीय रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

अमेरिका ने ईरानी रडार साइट्स पर हमला किया

ईरान ने कुवैत-बहरीन पर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं; ट्रम्प बोले-ईरान की मिसाइल ताकत 22% ही बची

तेल अवीव/तेहरान, 6 जून (एजेंसियां)। अमेरिका ने कहा है कि उसकी सेना ने गोरुक और केश्म आइलैंड पर ईरानी रडार साइट्स पर हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, पहले होर्मुज में ईरान के 4 अटैक ड्रोन मार गिराए गए, फिर आगे के हमले रोकने के लिए रडार साइट्स को निशाना बनाया गया।

इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के पास दुश्मन ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। वहीं, सेंटकॉम के मुताबिक ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें 6 को हवा में ही रोक दिया गया, जबकि सातवीं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की मिसाइल क्षमता काफी कमजोर हो गई है और उसके पास सिर्फ 21-22% मिसाइलें बची हैं। हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि ईरान ने अपनी 33 में से 30 मिसाइल साइट्स फिर से चालू कर ली हैं और उसके पास अब भी करीब 70% मिसाइल भंडार मौजूद है।

ट्रम्प बोले-ईरानी सुप्रीम लीडर से मुलाकात संभव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर अमेरिका-ईरान डील होती है तो वे ईरान के सुप्रीम लीडर से मिलने को तैयार हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान से एनरिच्ड यूरेनियम लेने के लिए सेना भेजने पर विचार हुआ था, लेकिन ज्यादा जोखिम होने के कारण प्लान रद्द कर दिया गया। ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने 2,000 से ज्यादा कैदियों की सजा माफ या कम करने को मंजूरी दी। जासूसी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में सजा काट रहे कैदियों को इस राहत में शामिल नहीं किया गया है।

लेबनान में इजराइली हमले जारी

सीजफायर की बातचीत के बावजूद दक्षिणी लेबनान में इजराइल के हवाई हमले जारी है। कई इलाकों में स्ट्राइक हुईं, जिनमें कम से कम 4 लोगों की मौत और कई घायल हुए। अमेरिकी नाकेबंदी के बाद मई में ईरान का कच्चे तेल का निर्यात 84% तक गिर गया। लॉयड्स लिस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक अब ईरान बड़े टैंकरों की जगह छोटे जहाजों से तेल भेज रहा है, ताकि अमेरिकी कार्रवाई से बचा जा सके।

आयरलैंड ने इजराइली मंत्रियों पर बैन लगाया

आयरलैंड ने इजराइल के दो कट्टरपंथी मंत्रियों इतामार बेन-ग्वीर और बेजालेल स्मोट्रिच के देश में प्रवेश पर रोक लगा दी। आयरलैंड सरकार ने कहा कि दोनों नेताओं के बयान फिलिस्तीनियों के खिलाफ नफरत और हिंसा को बढ़ावा देने वाले रहे हैं।

ट्रंप ने की मोजतबा से मुलाकात की पेशकश

वाशिंगटन, 6 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के तनाव के बीच एक नया कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई से मुलाकात करने की इच्छा जताई है। इस पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तंज कसा है।

अराघची ने ट्रंप के बयान को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें वास्तविक दुनिया में रहने की सलाह दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा था कि अगर तेहरान के साथ कोई ठोस समझौता होता है, तो वह ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मिलने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने यहां तक कहा कि इस मुलाकात से वह सम्मानित महसूस करेंगे। जब लेबनानी मीडिया ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची से ट्रंप की इस टिप्पणी पर सवाल पूछा, तो उन्होंने व्यावहारिक होने की बात कही। अराघची ने कहा कि मैंने वह रिपोर्ट देखी है जिसमें ट्रंप ने मुलाकात की इच्छा जताई है। लेकिन मेरा मानना है कि हमें व्यावहारिक होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति को हवा में बातें करने के बजाय असली दुनिया में सोचना और जीना चाहिए। गौरतलब है कि 28 फरवरी 2026 को अमेरिकी और इस्राइली हमलों में पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इसके बाद मार्च में उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया।

लंदन में सीजेआई सूर्यकांत के कार्यक्रम में हंगामा

भारतीय उच्चायोग: असभ्यता स्वीकार नहीं करेंगे

लंदन, 6 जून (एजेंसियां)। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की ब्रिटेन यात्रा के दौरान लंदन में उनकी भागीदारी वाले एक कार्यक्रम में बवाल हुआ है। इस कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भारत में असहमति को लेकर चिंताओं और उनके हालिया कॉकरोच वाले बयान पर उनसे सवाल किए। इसके बाद कार्यक्रम में जमकर हंगामा हुआ। यह घटना 4 जून की बताई जा रही है, जब चीफ जस्टिस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेशनल लॉ पर भाषण दिया था।

सीजेआई सूर्यकांत से क्या सवाल पूछा गया

इस कार्यक्रम में सवाल-जवाब के सेशन के दौरान, एक व्यक्ति ने सीजेआई सूर्यकांत से भारत के लोकतांत्रिक रिकॉर्ड और असहमति के प्रति बढ़ती नफरत के बारे में सवाल पूछने की कोशिश की। ऑनलाइन वायरल हो रहे वीडियो क्लिप में उस व्यक्ति को यह कहते हुए सुना जा सकता है: हम देश और विदेश के कई कानूनी जानकारों से सुन रहे हैं कि भारत में असहमति के प्रति बढ़ती नफरत को लेकर काफी चिंता है। और ऐसा लगता है कि यह नफरत माननीय जज साहब के भाषण में भी कुछ हद तक झलकती है और यह बात काफी चर्चा में रही है। एक और व्यक्ति ने सीजेआई सूर्यकांत से 15 मई को कोर्ट में दिए गए उनके उस बयान के बारे में सवाल पूछना चाहा, जिसने बाद में भारत में काफी बहस छेड़ दी थी। मॉडरेटर ने बातचीत में दखल दिया और उन सवालों को लेने से मना कर दिया। मॉडरेटर ने कहा, पूरे सम्मान के साथ, मैं उस सवाल को नहीं ले पाऊंगा क्योंकि यह विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेशनल लॉ से जुड़ा है।

कार्यक्रम को बाधित करने की कोशिश

इसके बाद कार्यक्रम को बाधित करने की कोशिश की गई। चर्चा के दौरान कुछ लोग खड़े हो गए और इशारे करने लगे। एक क्लिप में, आयोजकों को दर्शकों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए सुना जा सकता है। एक आयोजक ने कहा, कृपया, शांत हो जाएं और इसे खत्म करें, क्या हम ऐसा कर सकते हैं? धन्यवाद। इसके बाद यह फुटेज सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया, जिससे इस बातचीत और लोगों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर लोगों का ध्यान गया।

यूनाइटेड किंगडम में भारतीय हाई कमीशन ने इस हंगामे की आलोचना की और इसमें शामिल लोगों के व्यवहार को अनुचित बताया। शुक्रवार को जारी एक बयान में, हाई कमीशन ने कहा कि 4 जून के इवेंट में लेक्चर के बाद अच्छी चर्चा हुई थी, लेकिन फिर एक व्यक्ति ने कार्यवाही में बाधा डालने की कोशिश की। बयान में कहा गया, इस तरह का अशोभनीय व्यवहार स्वीकार्य नहीं है और यह सार्वजनिक बातचीत में ज़रूरी सम्मानजनक व्यवहार के खिलाफ है।

इबोला का प्रकोप

मॉरीशस ने तीन अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों की एंट्री पर लगाई रोक

पोर्ट लुई, 6 जून (एजेंसियां)। मॉरीशस सरकार ने इबोला वायरस प्रकोप को देखते हुए एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने उन विदेशी नागरिकों के प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है जिन्होंने पिछले 21 दिनों के दौरान डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो, युगांडा या दक्षिण सुडान की यात्रा की है, वहां से होकर गुजरे हैं या वहां ठहरे हैं। हालांकि, मॉरीशस के नागरिकों और वैध वर्क परमिट, रेजिडेंस परमिट, बिजनेस परमिट या स्टूडेंट परमिट रखने वाले विदेशी निवासियों को देश में प्रवेश की अनुमति रहेगी। लेकिन यदि उन्होंने पिछले 21 दिनों में इन तीन देशों का दौरा किया है, तो उन्हें अनिवार्य रूप से 21 दिन के क्वारंटीन में रहना होगा। अफ्रीकन यूनियन के अनुसार, कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान में फैला इबोला संक्रमण क्षेत्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। मॉरीशस सरकार ने यह भी कहा है कि प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट और अन्य प्रवेश बिंदुओं पर विशेष स्वास्थ्य जांच और जोखिम मूल्यांकन किया जाएगा। यदि किसी यात्री में इबोला के लक्षण पाए जाते हैं, तो उसे तुरंत अलग (आइसोलेट) कर चिकित्सकीय जांच की जाएगी।

ब्रिटिश युवक की भारतीय मूल के शख्स ने की हत्या तो जेडी वेंस ने निकाली भड़ास

भड़के यूके ने कहा अपनी हद में रहें

लंदन/वॉशिंगटन, 6 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन में एक भारतीय युवक ने चाकूबाजी की जिसके बाद अमेरिका और यूके के बीच विवाद शुरू हो गया है। दरअसल यूके में विक्रम डिग्वा नाम के एक भारतीय नागरिक ने एक किशोर हेनरी नोवाक की चाकू मारकर हत्या कर दी।

जिसके बाद अमेरिका के उप राष्ट्रपति ने इसके लिए अवैध घुसपैठ को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इस मामले को पश्चिम में 'सभ्यता के पतन' से जोड़ा है। लेकिन ब्रिटिश प्रधानमंत्री कार्यालय ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति की इस टिप्पणी की निंदा की और कहा कि लोग 'हमारे लोकतंत्र में दखल देने की कोशिश कर रहे हैं'। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने चेतावनी दी कि 'इस दुखद घटना का राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल न किया जाए।' जेडी वेंस ने एक्स पर पोस्ट में लिखा था 'हेनरी नोवाक की मौत ठीक वैसे ही हुई जैसे किसी सभ्यता की मौत होती है। उसे अकेला छोड़ दिया गया उन अधिकारियों ने हथकड़ी लगाई जिन्होंने न तो उस पर भरोसा किया और न ही उसकी परवाह की और उस पर ऐसे नफरत-आधारित अपराधों का आरोप लगाया गया जो उसने किए ही नहीं थे।'

भारतीय युवक के चाकूबाजी का मामला क्या है?

जेडी वेंस ने एक्स पर आगे लिखा 'उन्हें आज भी जिंदा होना चाहिए था और वे जिंदा होते अगर यूरोप के पिछले कुछ दौर के रसूख़दार लोगों ने खुद से नफरत करने वाली राजनीति और प्रवासियों की भारी घुसपैठ का डटकर सामना किया होता जिनमें से कई लोग पश्चिम और उससे प्यार करने वाले लोगों से नफरत करते हैं।'

ब्रिटेन के साउथेम्प्टन में दिसंबर में हेनरी नोवाक नाम के एक ब्रिटिश छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोपी विक्रम दिगवा है जो भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक है। उसने हेनरी पर एक पारंपरिक सिख कृपाण से हमला किया था। इस मामले में ब्रिटिश अदालत ने विक्रम दिगवा को दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। घटना के बाद जब पुलिस पहुंची तो घायल हेनरी जमीन पर तड़प रहा था लेकिन पुलिस ने उसे ही हथकड़ी लगा दी। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी विक्रम ने पुलिस से झूठ बोला था कि वह खुद पीड़ित है और हेनरी ने उस पर नस्लीय टिप्पणी की थी। इस वजह से ब्रिटेन में पुलिसिंग व्यवस्था पर भी बड़े सवाल उठे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस घटना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर एक विवादित पोस्ट किया।

कुवैत में हवाई यातायात फिर शुरू

ईरानी हमलों के बाद अस्थायी रोक हटाई गई

कुवैत सिटी, 6 जून (एजेंसियां)। कुवैत के सिविल एविएशन डायरेक्टरेट ने शनिवार दोपहर बताया कि देश में हवाई यातायात को फिर से शुरू कर दिया गया है। इससे पहले ईरानी हमलों के बाद सुरक्षा कारणों से अस्थायी रूप से हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया गया था। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा स्थिति को देखते हुए कुवैत का एयरस्पेस कुछ समय के लिए बंद किया गया था। इस दौरान कुवैत एयरवेज और जजीरा एयरवेज की कुल 11 उड़ानों को पास के हवाई अड्डों की ओर डायवर्ट करना पड़ा। इनमें से कई उड़ानों को सऊदी अरब के दम्मान और रियाद एयरपोर्ट पर भेजा गया। एविएशन विभाग ने बताया कि यह कदम एहतियात के तौर पर "मिसाइल और ड्रोन खतरे" के चलते उठाया गया था। हालांकि बाद में स्थिति नियंत्रित होने पर हवाई यातायात दोबारा सामान्य कर दिया गया। कुवैत की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि देश का हवाई क्षेत्र सुरक्षा कारणों से दो घंटे के लिए अस्थायी रूप से बंद किया गया था। यह कदम सुबह 4:15 बजे से 6:15 बजे तक एहतियात के तौर पर उठाया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला उस समय लिया गया जब देश को ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना करना पड़ा। सुरक्षा स्थिति को देखते हुए सभी उड़ानों की आवाजाही रोक दी गई थी। बयान में कहा गया कि संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय के बाद जब यह सुनिश्चित हो गया कि स्थिति नियंत्रण में है और खतरा टल गया है, तब हवाई यातायात और आने-जाने वाली उड़ानों को फिर से शुरू कर दिया गया।

हवाई में भारत-अमेरिका सैन्य वार्ता, रक्षा सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

वाशिंगटन, 6 जून (एजेंसियां)। हवाई में 29वीं भारत और अमेरिका ने 'आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता' आयोजित की, जिसमें दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। साथ ही, दोनों पक्षों ने अपने रणनीतिक साझेदारी संबंधों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारतीय सेना के अनुसार, इस बैठक की सह-अध्यक्षता उप सेना प्रमुख (रणनीति) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई और अमेरिकी सेना प्रशांत के उप कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल जोएल वोवेल ने की। भारतीय सेना ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, चर्चा का मुख्य फोकस द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करना, सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना, पेशेवर आदान-प्रदान का विस्तार करना और साझा सुरक्षा हितों के लिए सैन्य सहयोग को गहरा करना था। दोनों पक्षों ने सेना के बीच बढ़ते सहयोग की सराहना की और भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

पिछले सप्ताह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सिंगापुर में अमेरिकी कांग्रेस के द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल (सीओडीईएल) के प्रमुख और हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सदस्य पैट हैरिगन से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा सहयोग के विस्तार और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा रणनीतिक हितों पर चर्चा हुई। रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर बताया कि इस बातचीत ने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी की मजबूती को फिर रेखांकित किया था। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा सहयोग बढ़ाने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा रणनीतिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।

इससे पहले 24 मई को, अमेरिकी विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रूबियो ने नई दिल्ली में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की थी। इस बैठक में रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग, विशेष रूप से टीआरयूएसटी (ट्रस्ट) पहल, पर चर्चा हुई थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देने की बात दोहराई। साथ ही, उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए।

यूक्रेन का बड़ा ड्रोन हमला

सेंट पीटर्सबर्ग, 6 जून (एजेंसियां)। रूस के दूसरे सबसे बड़े शहर सेंट पीटर्सबर्ग के निवासियों को शनिवार सुबह बड़े पैमाने पर यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद अपने घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए कीव की रूस के भीतर हमला करने की बढ़ती क्षमता का जिक्र किया। सेंट पीटर्सबर्ग के गवर्नर अलेक्जेंडर बेगलोव ने निवासियों को बाहर न जाने की सलाह दी और मोबाइल इंटरनेट सेवा में संभावित व्यवधान की चेतावनी दी। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज्डेनको ने बताया कि लेनिनग्राद क्षेत्र में 141 ड्रोन मार गिराए गए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने 376 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया।

'पाकिस्तान चीन तक पहुंचा रहा F-16 लड़ाकू विमान का नर्वस सिस्टम'

> इजरायली एक्सपर्ट ने भारत को चेताया

इस्लामाबाद/बीजिंग, 6 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी एफ-16 लड़ाकू विमानों की महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी पाकिस्तान के रास्ते चीन तक पहुंच चुकी है। दरअसल अमेरिका की दक्षिण एशिया नीति के तहत पाकिस्तान को F-16 लड़ाकू विमान और Link-16 तकनीकी सहायता का मिलना भारत के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है।

चीन को इसका जबरदस्त तकनीकी फायदा मिल रहा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान की वायुसेना एक 'लड़ाकू विमानों का क्लासरूम' बन गई है जहां चीन अमेरिकी तकनीक की निगरानी कर भारत के खिलाफ रणनीति तैयार कर रहा है। यह मामला चीन-पाकिस्तान के गहरे सैन्य गठजोड़ और उससे भारत की सुरक्षा को उत्पन्न खतरों से जुड़ा है।

वॉशिंगटन भारत से कहता है कि वह चीन के खिलाफ इंडो-पैसिफ़िक क्षेत्र में मजबूती से खड़ा रहे लेकिन वो पाकिस्तान के सबसे संवेदनशील अमेरिकी कॉम्बैट इकोसिस्टम को भी बनाए हुआ है। यह संतुलन नहीं है। यह एक जोखिम भरा काम है जिससे भारत की कमजोरियां जाहिर हो सकती हैं। पाकिस्तान में मौजूद एक हैंगर, एक रडार, एक सिम्युलेटर, एक मिशन फाइल, एक मेंटेनेंस लाइन और एक डेटा लिंक के जरिए चीन भारत के खिलाफ युद्ध संबंधित तैयारियां करता है।

पाकिस्तान को कैसे फायदा पहुंचा रहा अमेरिका

इजरायली डिफेंस एक्सपर्ट शय गल ने एफ 16 को लेकर भारत के सामने खतरे की आशंका जताई है। उन्होंने यूरेशियन टाइम्स में लिखा है कि दिसंबर 2025 में वॉशिंगटन ने पाकिस्तान के F-16 बेड़े के लिए 686 मिलियन डॉलर के सपोर्ट पैकेज को मंजूरी दी थी। इसमें सिर्फ स्पेयर पार्ट्स या मेंटेनेंस ही शामिल नहीं थे बल्कि लिंक 16, क्रिप्टोग्राफ़िक उपकरण, एवियोनिक्स अपडेट, पहचान प्रणाली, सुरक्षित संचार, नेविगेशन टूल, मिशन सॉफ़्टवेयर, सिमुलेटर, ट्रेनिंग और लॉजिस्टिकल सपोर्ट भी शामिल थे। इसका आधिकारिक मकसद था एफ 16 का सर्विस लाइफ बढ़ाना, सुरक्षा, संचार और इंटरऑपरेबिलिटी को मजबूत करना। अमेरिका के इस पैकेज पर दिल्ली में कई डिफेंस एक्सपर्ट गहरे शक की नजर से देख रहे हैं क्योंकि लिंक 16 कोई रेडियो नहीं है बल्कि यह एक नर्वस सिस्टम है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि जब अमेरिका पाकिस्तान के F-16 विमानों में इस सिस्टम को इंटीग्रेट करता है तो वह सिर्फ धातु और तारों का कोई हार्डवेयर नहीं बेच रहा होता बल्कि वह पाकिस्तान को पश्चिमी देशों के युद्ध लड़ने के सबसे गुप्त और एडवांस तरीके का एक्सेस दे रहा होता है। शय गल ने लिखा है कि यह सिर्फ डेटा ट्रांसफर करने का जरिया नहीं है बल्कि यह पूरे युद्धक्षेत्र को व्यवस्थित करता है।

लेबनानी राष्ट्रपति के 'मोल-भाव' बयान पर ईरान की नसीहत, 'असली दुश्मन पहचानें'

तेहरान, 6 जून (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने लेबनानी राष्ट्रपति जोसेफ औन के मोल-भाव बयान पर तंज कसा है। उन्होंने सोशल पोस्ट के जरिए उन्हें नसीहत दी कि असल दुश्मन को पहचाननें की कोशिश करें। अराघची ने औन के साक्षात्कार का एक क्लिप साझा किया। इसमें उन्होंने ईरान पर मोलभाव का आरोप लगाया था। कहा था कि ईरान लेबनान को मोल-भाव के लिए इस्तेमाल कर रहा है और उसे ऐसा करना बंद करके बातचीत करनी चाहिए।

अराघची ने इसी पर प्रतिक्रिया दी। तंज कसते हुए लिखा, "राष्ट्रपति औन की बातों से ऐसा लगता है जैसे लेबनान के 1/5 हिस्से पर ईरान ने कब्जा किया हो, एक-चौथाई आबादी को विस्थापित किया हो और हर दिन बमबारी कर रहा हो।" उन्होंने आगे लिखा "मिस्टर प्रेसिडेंट, लेबनान को अपने असली दुश्मन से बचाएं।" सीएनएन को दिए साक्षात्कार में औन ने कहा कि लेबनान के आंतरिक मामलों में ईरान दखल न दे और आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ अपनी बातचीत में वो लेबनान को एक मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रहा है।

उन्होंने ईरान को कहा, यह आपका देश नहीं है, यह हमारा देश है। हमें आप सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, जो अस्वीकार्य है। साथ ही उन्होंने हिज्बुल्लाह से भी अपील की। उन्होंने कहा, इस संघर्ष का अंत हिंसा या युद्ध नहीं है बल्कि केवल और केवल संवाद और कूटनीति है। उन्हें इसी रास्ते पर चलना होगा। इस बीच अब लेबनानी सेना भी हमलों का शिकार बन रही है। रॉयटर्स के मुताबिक, लेबनानी सेना ने बताया कि शुक्रवार को दक्षिण लेबनान में खारदाली-नबातीह रोड पर इजरायली सेना की मिलिट्री गाड़ी को निशाना बनाकर किए गए हमले में एक ऑफिसर समेत कई लेबनानी सैनिक मारे गए। लेबनानी सेना हिज्बुल्लाह और इजरायल के बीच टकराव में शामिल होने से बचती रही है और लगातार खुद को इससे अलग करने की कोशिश करती दिखा है। दरअसल, ईरान पर अमेरिका-इजरायल की ओर से 28 फरवरी को संयुक्त हवाई हमले के बाद हिज्बुल्लाह ने इजरायल पर मिसाइल दागनी शुरू कर दी थी। इसके बाद 2 मार्च से इजरायल का जवाबी हमला शुरू हुआ। इस दौरान दक्षिणी लेबनान को निशाना बनाया जाता रहा जिसमें 3500 से ज्यादा लोगों के मारने की पुष्टि लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने की है। हाल ही में अमेरिका की मध्यस्थता में सीजफायर पर बात भी बनी लेकिन इसके बावजूद जमीनी और हवाई हमले जारी हैं।

बाल ब्रह्मचारी हनुमान जी का भी था एक पुत्र!

बिना विवाह के कैसे हुआ जन्म? जानें पत्नी और पुत्र का नाम

सनातन धर्म में वीर हनुमान जी को परम बाल ब्रह्मचारी और मर्यादा का प्रतीक माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया को ब्रह्मचर्य का पाठ पढ़ाने वाले बजरंगबली का एक पुत्र भी था और शास्त्रों में उनकी एक शादी का भी उल्लेख मिलता है?

बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल के विशेष अवसर पर हनुमान जी की पूजा का खास महत्व होता है। ऐसे में आज हम आपको हनुमान जी के जीवन से जुड़े एक ऐसे ही अनोखे और दिव्य रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। आइए जानते हैं हनुमान जी के पुत्र और उनकी पत्नी से जुड़ी पौराणिक कथा, साथ ही इस दिन किए जाने वाले विशेष मंत्र और उपाय।

ब्रह्मचारी और पुत्र? कैसे हुआ यह चमत्कार? हनुमान जी ने जीवनभर ब्रह्मचर्य का पालन किया। ऐसे में मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि बिना विवाह और गृहस्थ जीवन के उनके पुत्र का जन्म कैसे हुआ? इसके पीछे रामायण काल की एक बेहद रोचक और दिव्य कथा है, जो लंका दहन से जुड़ी हुई है।

जब जल उठी सोने की लंका

पौराणिक कथा के अनुसार, जब हनुमान जी ने माता सीता की खोज में प्रभु श्रीराम की कृपा से पूरी लंका को अपनी पूंछ से जला दिया, तो लंका धू-धू कर जल उठी। इस तीव्र अग्नि के कारण हनुमान जी को भयानक गर्मी लगी और वे पसीने से पूरी तरह तरबतर हो गए।

समुद्र में गिरी पसीने की एक बूंद

अग्नि को शांत करने और खुद को ठंडा करने के लिए हनुमान जी समुद्र के ऊपर पहुंचे। तभी उनके शरीर से पसीने की एक बड़ी और दिव्य बूंद टपक कर सीधे समुद्र के पानी में गिरी। उसी समय वहां मौजूद एक विशाल मछली ने उस बूंद को अपने मुंह में ले लिया।

मछली बनी मां, गर्भ में पलने लगा जीव

उस पसीने की बूंद को निगलते ही वह मछली गर्भवती हो गई। दरअसल, वह कोई साधारण मछली नहीं थी, बल्कि एक अप्सरा थी जिसे एक श्राप के कारण मछली बनना पड़ा था। इस तरह हनुमान जी के तेज और पसीने की बूंद से उस मछली के गर्भ में एक बालक का जन्म हुआ।

क्या था हनुमान जी के पुत्र का नाम?

जब पाताल लोक के राजा अहिरावण के सैनिकों ने उस विशाल मछली को पकड़ा और उसका पेट चीरा, तो उसके भीतर से एक वानर जैसी पूंछ वाला बेहद शक्तिशाली बालक निकला।

पुत्र का नामः इस अद्भुत बालक का नाम मकरध्वज रखा गया।

मकरध्वज की विशेषताः मकरध्वज के पास हनुमान जी जैसी ही शक्ति और वानर रूप था, जिसके कारण वे हनुमान जी के पुत्र कहलाए।

पाताल लोक में पिता-पुत्र का महासंग्राम

रामायण के युद्ध के दौरान जब अहिरावण ने छल से प्रभु राम और लक्ष्मण का अपहरण कर उन्हें पाताल लोक में बंदी बना लिया, तब हनुमान जी उन्हें मुक्त कराने पाताल पहुंचे। वहां द्वारपाल के रूप में खड़े मकरध्वज ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। उस समय पिता और पुत्र के बीच अपनी-अपनी स्वामिभक्ति और कर्तव्य को लेकर भीषण युद्ध हुआ था।

क्या बजरंगबली ने किया था विवाह? जानें पत्नी का नाम शास्त्रों के अनुसार, हनुमान जी का एक विवाह भी हुआ था। सूर्य देव को हनुमान जी का गुरु माना जाता है। हनुमान जी को सूर्य देव से नौ दिव्य विद्याएं सीखनी थीं, जिनमें से 5 विद्याएं तो उन्होंने सीख लीं, लेकिन बाकी की 4 विद्याएं केवल एक विवाहित पुरुष ही सीख सकता था।

सूर्यपुत्री सुवर्चला से विवाहः सृष्टि के नियम और विद्या की पूर्णता के लिए हनुमान जी को सूर्य देव की पुत्री सुवर्चला से विवाह करना पड़ा।

विवाह के बाद भी क्यों कहलाए परम ब्रह्मचारी?

विवाह के तुरंत बाद ही सुवर्चला वापस अपनी तपस्या में लीन हो गईं और हनुमान जी ने अपनी बची हुई विद्याएं ग्रहण कीं। हनुमान जी ने कभी भी गृहस्थ जीवन नहीं जिया और न ही शारीरिक संबंध बनाए। वे सदैव तपस्वी और मर्यादा के मार्ग पर रहे, इसीलिए विवाह के बाद भी उन्हें हमेशा परम बाल ब्रह्मचारी ही पूजा जाता है।

बड़ा मंगल पर संकटों से मुक्ति के अचूक उपाय

अगर आपके जीवन में परेशानियां खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं, तो मंगलवार या बुढ़वा मंगल के दिन ये विशेष उपाय जरूर करें:

चमेली के तेल का चोलाः मंगलवार के दिन हनुमान जी को चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर चोला चढ़ाएं। इससे सभी प्रकार के ग्रह दोष दूर होते हैं।

पीपल के पत्ते का उपायः 11 पीपल के पत्ते लें, उन पर साफ सिंदूर या चंदन से 'श्री राम' लिखें और इसकी माला बनाकर हनुमान जी को पहनाएं। इससे आर्थिक तंगी दूर होती है।

बूंदी का प्रसादः इस दिन हनुमान जी को बूंदी या बेसन के लड्डू का भोग लगाएं और इसे गरीबों में बांटें। इससे कुंडली में मंगल ग्रह मजबूत होता है।

इन मंत्रों के जाप से दूर होगा हर संकट

मंगलवार की पूजा के दौरान हनुमान जी के इन प्रभावशाली मंत्रों का जाप कम से कम 108 बार लाल चंदन या रुद्राक्ष की माला से करें:

क्या है अमरनाथ गुफा में दो कबूतरों का रहस्य

बाबा अमरनाथ धाम में बनने वाले पवित्र हिम शिवलिंग के दर्शन को मोक्षदायक माना जाता है, लेकिन इस गुफा से जुड़ा एक और रहस्य शिवभक्तों को आकर्षित करता रहा है। मान्यता है कि अमरनाथ गुफा में दिखाई देने वाला सफेद कबूतरों का जोड़ा दिव्य प्रतीक है। कहते हैं कि जिसे भी इन कबूतरों के दर्शन हो जाते हैं, उन पर दैवीय कृपा बरसती है और मोक्ष का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इन कबूतरों का संबंध उस अमरकथा से बताया जाता है, जिसे भगवान शिव ने मां पार्वती को सुनाया था।

अमरकथा और कबूतरों का संबंध पौराणिक कथा के अनुसार, माता पार्वती लंबे समय से भगवान शिव से एक प्रश्न पूछती थीं। वह जानना चाहती थीं कि जब संसार का प्रत्येक जीव जन्म और मृत्यु के चक्र से बंधा है, तब शिव ही क्यों अजर-अमर हैं। वह यह भी जानना चाहती थीं कि आखिर ऐसा क्या रहस्य है, जिसके कारण महादेव काल के भी स्वामी माने जाते हैं। साथ ही उनके गले में धारण की गई नरमुंड माला और अमरत्व के रहस्य को लेकर भी पार्वती की जिज्ञासा बनी रहती थी। शुरुआत में भगवान शिव इस गूढ़ ज्ञान को साझा करने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन माता पार्वती के बार-बार आग्रह करने पर उन्होंने अमरत्व का रहस्य बताने का निर्णय लिया। इसके लिए उन्होंने ऐसी जगह की तलाश की, जहां कोई तीसरा जीव इस कथा को न सुन सके। अंततः उन्होंने हिमालय की एक निर्जन गुफा को चुना, जिसे आज अमरनाथ गुफा के नाम से जाना जाता है।

कहा जाता है कि गुफा तक पहुंचने से पहले भगवान शिव ने अपने सभी प्रतीकों और साथियों का त्याग कर दिया। नंदी को पहलगाम में, चंद्रमा को चंदनवाड़ी में, गले के सर्प को शेषनाग में और गणेश जी को महागुणस पर्वत के पास छोड़ दिया। पंचतत्वों का त्याग पंचतरणी में किया गया। आज भी अमरनाथ यात्रा के प्रमुख पड़ाव इन्हीं घटनाओं से जुड़े माने जाते हैं। मान्यता है कि गुफा में प्रवेश करने के बाद भगवान शिव ने अपने दिव्य प्रभाव से चारों ओर ऐसा वातावरण बना दिया कि कोई जीव वहां पहुंच न सके। इसके बाद उन्होंने माता पार्वती को अमरकथा सुनानी शुरू की।

कथा सुनते-सुनते माता पार्वती को नींद आ गई, लेकिन भगवान शिव को इसका आभास नहीं हुआ। उसी समय गुफा में मौजूद दो सफेद कबूतर पूरी कथा सुन रहे थे। वे बीच-बीच में आवाज निकालते रहे, जिससे भगवान शिव को लगा कि माता पार्वती कथा सुन रही हैं।

जब अमरकथा समाप्त हुई तो भगवान शिव ने देखा कि माता पार्वती तो सो रही हैं। तब उन्हें आश्चर्य हुआ कि आखिर पूरी कथा किसने सुनी। तभी उनकी नजर उन दो कबूतरों पर पड़ी। महादेव क्रोधित हो गए और उन्हें दंड देने के लिए आगे बढ़े। तब कबूतरों ने विनम्रता से कहा कि उन्होंने अमरत्व की कथा सुन ली है। यदि अब उन्हें मार दिया गया तो अमरकथा का सत्य ही समाप्त हो जाएगा।

तब उनकी बात सुनकर भगवान शिव का क्रोध शांत हो गया। उन्होंने कबूतरों को आशीर्वाद दिया कि वे सदैव इस पवित्र गुफा में शिव और पार्वती के प्रतीक रूप में निवास करेंगे। तभी से इन कबूतरों को अमर पक्षी माना जाता है। भक्तों का विश्वास है कि इनके दर्शन होना भगवान शिव की विशेष कृपा का संकेत है और जिस श्रद्धालु को यह दुर्लभ दर्शन प्राप्त हो जाए, उसके जीवन में सुख, सौभाग्य और अंत समय में मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

याद किया हुआ भूल जाता है बच्चा?

रोज सुबह कराएं सरस्वती मां की इस वंदना का पाठ

मां सरस्वती को विद्या और ज्ञान की देवी माना जाता है। कहते हैं इनकी उपासना से बुद्धि तेज होती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। विशेष रूप से बच्चों को तो जरूर ही मां शारदा की आराधना करनी चाहिए। कहा जाता है कि जो बच्चा नियमित रूप से मां सरस्वती की वंदना का पाठ करता है उसे पढ़ाई-लिखाई में कभी कोई दिक्कत नहीं आती और उसकी याददाश्त अच्छी रहती है। यदि आपका बच्चा भी पढ़ने के कुछ समय बाद भूल जाता है तो उसके लिए मां सरस्वती की इस दिव्य वंदना का पाठ बेहद फलदायी साबित हो सकता है।

अगर रोज सुबह स्कूल जाने से पहले बच्चों को मां सरस्वती की इस वंदना का पाठ कराने की आदत डाली जाए, तो इससे न केवल बच्चे की क्लास परफॉर्मेंस शानदार रहेगी बल्कि उसके आत्मविश्वास में भी जबरदस्त वृद्धि देखने को मिलेगी।

सरस्वती वन्दना

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती
निःशेषजाड्यापहा॥१॥
शुक्लां ब्रह्मविचार सारपरमामाद्यां
जगद्व्यापिनींवीणापुस्तकधारिणीमभयदां।
जाड्यान्धकारापहाम्हस्ते स्फटिकमालिकां विदधतीं
पद्मासने संस्थिताम्वन्दे तां परमेश्वरीं
भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम॥2॥

सरस्वती वंदना का अर्थ - जो विद्या की देवी भगवती सरस्वती कुन्द के फूल, चन्द्रमा, हिमराशि और मोती के हार की तरह धवल वर्ण की हैं और जो श्वेत वस्त्र धारण करती हैं, जिनके हाथ में वीणा-दण्ड शोभायमान है, जिन्होंने श्वेत कमलों पर आसन ग्रहण किया है तथा ब्रह्मा, विष्णु एवं शंकर आदि देवताओं द्वारा जो सदा पूजित हैं, वही सम्पूर्ण जड़ता और अज्ञान को दूर कर देने वाली मां सरस्वती हमारी रक्षा करें।

शुक्लवर्ण वाली, सम्पूर्ण चराचर जगत में व्याप्त, आदिशक्ति, परब्रह्म के विषय में किए गए विचार एवं चिन्तन के सार रूप परम उत्कर्ष को धारण करने वाली, सभी भयों से भयदान देने वाली, अज्ञान के अंधेरे को मिटाने वाली, हाथों में वीणा, पुस्तक और स्फटिक की माला धारण करने वाली और पद्मासन पर विराजमान बुद्धि प्रदान करने वाली, सर्वोच्च ऐश्वर्य से अलङ्कृत, देवी सरस्वती की मैं वन्दना करता हूं या करती हूं।

सरस्वती वंदना का पाठ करने की विधि

सरस्वती वंदना का पाठ सुबह-सुबह करना बेहद शुभ माना जाता है इसलिए बच्चों को स्कूल जाने से पहले इस वंदना का पाठ कराएं।

वंदना का पाठ करने से पहले मां सरस्वती की प्रतिमा के आगे दीपक जलाएं।

इसके बाद बच्चे को पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ मुख करके बिठा दें।

इसके बाद बच्चे को इस वंदना का कम से कम 3 बार पाठ करने के लिए कहें।

जब बच्चा रोजाना इसका पाठ करने लगेगा तो कुछ ही दिनों में उसे ये वंदना अच्छे से याद हो जाएगी।

इस वंदना का पाठ करने के फायदे

कहते हैं इस वंदना का पाठ करने से बच्चे की याददाश्त मजबूत होती है। जिससे बच्चे को लंबे समय तक पढ़ा हुआ याद रहता है।

इस वंदना को पढ़ने से वाणी में भी सुधार आता है। जब बच्चा संस्कृत में लिखी गई इस वंदना का सही से उच्चारण करता है तो उसकी जुबान साफ होती है। इसके पाठ से बच्चों के आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी होती है।

महाभारतः कैसे कृपाचार्य और द्रोणाचार्य बने कौरव-पांडवों के गुरु?

एक दिन राजा शांतनु शिकार के लिए वन में गए। वहाँ उन्होंने एक बालक और एक बालिका को देखा। दोनों के पास धनुष-बाण रखे थे और उनके शरीर से तेज झलक रहा था। यह अद्भुत दृश्य देखकर राजा आश्चर्यचकित रह गए और उन बच्चों को अपने साथ हस्तिनापुर ले आए।

राजा शांतनु ने दोनों बच्चों का राजमहल में पुत्र-पुत्री के समान पालन-पोषण कराया। उन्हें उत्तम शिक्षा, सुरक्षा और सभी सुविधाएँ प्रदान की गईं। समय के साथ दोनों बड़े होने लगे। उनकी बुद्धिमत्ता और तेजस्विता देखकर राजपरिवार तथा दरबार के लोग भी प्रभावित होने लगे।

कुछ समय बाद महर्षि शरद्वान हस्तिनापुर पहुँचे। उन्होंने कृप और कृपी को देखकर पहचान लिया कि ये उनके ही पुत्र-पुत्री हैं। उन्होंने राजा शांतनु को पूरी कथा सुनाई और अपने पुत्र कृप को अस्त्र-शस्त्र तथा धनुर्वेद की गूढ़ शिक्षा देना प्रारंभ किया।

महर्षि शरद्वान से शिक्षा प्राप्त करने के बाद कृपाचार्य धनुर्विद्या और शास्त्रों के महान ज्ञाता बन गए। उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैल गई। कुरुवंश ने उनकी विद्वता और युद्धकौशल को देखकर उन्हें हस्तिनापुर के राजकुमारों का गुरु नियुक्त कर दिया।

कृपाचार्य के मार्गदर्शन में कौरव और पांडव शिक्षा प्राप्त करने लगे। वे उन्हें शस्त्र संचालन, युद्धकला, नीति और अनुशासन का ज्ञान देते थे। सभी राजकुमार प्रतिदिन अभ्यास करते और अपने गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए श्रेष्ठ योद्धा बनने का प्रयास करते थे।

एक दिन शिक्षा के बाद सभी राजकुमार मैदान में गुल्ली-डंडा खेल रहे थे। खेल पूरे उत्साह से चल रहा था। कौरव और पांडव एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे थे। तभी एक जोरदार प्रहार से गुल्ली उड़कर दूर स्थित एक गहरे कुएँ में जा गिरी।

गुल्ली कुएँ में गिरते ही सभी राजकुमार उसके पास पहुँच गए। उन्होंने उसे निकालने के अनेक उपाय किए, लेकिन कुआँ बहुत गहरा था। कोई भी प्रयास सफल नहीं हुआ। धीरे-धीरे सभी राजकुमार निराश हो गए और सोचने लगे कि अब गुल्ली वापस नहीं मिलेगी।

उसी समय वहाँ एक तेजस्वी ब्राह्मण पहुँचे। उन्होंने राजकुमारों की चिंता का कारण पूछा। जब उन्हें पूरी घटना बताई गई तो वे मुस्कुराए। उनके चेहरे पर आत्मविश्वास झलक रहा था। उन्होंने राजकुमारों से कहा कि वे बिना कुएँ में उतरे गुल्ली को बाहर निकाल सकते हैं।

ब्राह्मण ने अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने तिनकों और बाणों की सहायता से पहले कुएँ से गुल्ली निकाली। फिर अपनी अंगूठी कुएँ में फेंककर उसे भी बाहर निकाल दिया। यह चमत्कारी दृश्य देखकर कौरव और पांडव आश्चर्यचकित रह गए।

राजकुमारों ने हस्तिनापुर जाकर पूरी घटना भीष्म पितामह को सुनाई। वर्णन सुनते ही भीष्म समझ गए कि यह महान धनुर्धर द्रोणाचार्य हैं। उन्होंने द्रोणाचार्य का सम्मानपूर्वक स्वागत किया और उन्हें कुरु राजकुमारों का आचार्य बनाया। इसके बाद द्रोणाचार्य ने कौरवों और पांडवों को उच्च कोटि की शस्त्रविद्या सिखानी शुरू की।

वह कहानी जो आलोचना और सुधार का फर्क समझाती है

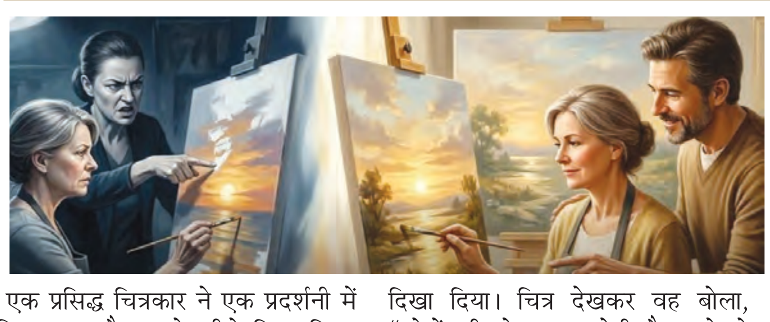

एक प्रसिद्ध चित्रकार ने एक प्रदर्शनी में चित्र रखा और उसके नीचे लिख दिया, "जहां गलती हो, वहां निशान लगा दीजिए।" चित्रकार को अपनी कला पर पूर्ण विश्वास था। उसने यह नोट इस उद्देश्य से लिखा था कि लोग चित्र को देखकर झूम उठेंगे और उसकी प्रशंसा में जरूर टिप्पणी लिखेंगे। जब अगले दिन चित्रकार चित्र को लेने पहुंचा तो वह यह देखकर हैरान रह गया कि उसका चित्र निशानों से भरा पड़ा था। यह देखकर वह बहुत निराश हो गया और चुपचाप चित्र उठाकर अपने घर चला गया।

उसके एक दोस्त ने निराशा का कारण पूछा तो चित्रकार ने दुखी मन से अपना चित्र दिखा दिया। चित्र देखकर वह बोला, "लोगों की तो आदत होती है अच्छे से अच्छे कार्य में भी दोष ढूंढ निकालना। जिन्होंने आपके चित्र को निशानों से भर दिया है वह केवल दोष ढूंढना जानते हैं, उन्हें सुधारना नहीं। अब आप दूसरा चित्र किसी और जगह रखकर यह लिख दीजिए कि कृप्या इस चित्र के दोष दूर कीजिए।"

चित्रकार ने ऐसा ही किया। अगले दिन जब वह चित्र देखने पहुंचा तो यह देखकर दंग रह गया कि सचमुच चित्र में एक निशान नहीं था। न ही किसी ने दोष ढूंढकर उसे दूर करने की कोशिश की थी, जबकि इस बार चित्रकार ने सचमुच चित्र में जानबुझकर गलती की थी।

यह देखकर वह प्रसन्न मन से लौट आया और दोस्त से बोला, "आप बिल्कुल ठीक कह रहे थे। लोग दोष ढूंढना तो जानते हैं किन्तु उसमें सुधार करना नहीं।"

दोस्त बोला, "बिल्कुल सही कहा आपने, आपका यह चित्र पहले वाले चित्र के मुकाबले कुछ भी नहीं है। दुनिया दोष निकालना तो जानती है लेकिन सुधार करना नहीं। बुराई पर चर्चा सब करते हैं, पर बुराई को दूर करना कोई नहीं चाहता। तभी तो दुनिया में इतनी बुराई है।" चित्रकार दोस्त की बात से सहमत हो गया।

जीवन के राजपथ पर सदैव निर्माण कार्य चलता रहता है

हम निर्माणाधीन मार्ग पर जब गुजरते हैं तो कुछ साइन बोर्ड हमें बताते हैं कि यहां डायवर्शन है, मुड़ जाइए। एक बोर्ड भी लगा होता है- वर्क इन प्रोग्रेस। कभी-कभी तो चिढ़ भी होती है कि कैसी सड़क कर दी। फिर ध्यान आता है कुछ समय बाद बहुत अच्छी सड़क हो जाएगी, तभी तो निर्माण हो रहा है।

जीवन के राजपथ पर भी सदैव निर्माण चलता रहता है। जो लोग ग्रोथ माइंडसेट के होते हैं, वो एक बात हमेशा समझाते रहते हैं खुद को कि हम सीख रहे हैं। जिस दिन हम यह मान लेते हैं कि हमने सीख लिया, यह गलतफहमी बड़ी महंगी पड़ती है। अंतिम सांस तक कुछ न कुछ सीखना है। अब इसके लिए एक सुंदर प्रयोग है। हम खुद से भी बहुत बातें करते हैं। अकेले में बैठे-बैठे सवाल-जवाब चलते हैं। तो एक प्रयास करिए कि हमारी जो निजी बातचीत होती है, उसकी भाषा बहुत मीठी हो। दूसरों के प्रति आदरपूर्ण हो। जब हम किसी और से बात करें और मन ही मन कर रहे हों तो खूब आदरपूर्ण करें। जो अपनी निजी बातचीत को, उसके शब्दों को गरिमामय बनाएगा, उसे जीवन भर सीखने में दुविधा नहीं होगी।

बल्लेबाज़ी के नये आयामों को गढ रहे हैं वैभव सूर्यवंशी

अतुल कुमार

आईपीएल 2026 का पर्दा गिर गया . इसमें घटित घटनाओं को ले चर्चा गर्म है . क्रिकेट में ऐसी सनसनी पहली बार देखने मिली जब पूरे खेल पर एक ही नाम छाया हुआ हो . यद्यपि पूरे टूर्नामेंट में 74 मैच हुए लेकिन वही मुकाबले सबसे अधिक देखे और सराहे गये जिसमें 15 वर्षीय धुरंधर खिलाडी वैभव सूर्यवंशी की अफलातून बल्लेबाज़ी देखने मिली . सूर्यवंशी की निरंकुश बल्लेबाज़ी ने विपक्षी टीमों के होशो हवास उडा दिये . उन्होंने सेंचुरी बनाने के इंटेशन से न खेल अपने नैचुरल ग़ेम को खेला और ऐसा खेला कि सभी खेल प्रेमियों के दिलो दिमाग पर छा गये . सच तो यह है कि पूरे टूर्नामेंट में उन्हीं के खेल और नाम की चर्चा छायी रही . किसी भी टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला महत्वपूर्ण होता है लेकिन इस बार के फाइनल को देखने की दिलचस्प्री दर्शकों में कम दिखी क्यों कि सूर्यवंशी की टीम " राजस्थान रायल्स " के फाइनल मुकाबले तक नहीं पहुंचने का रंज खेल प्रेमियों के दिलों पर छाया था।

वैभव के वैभव को देखने के लिये लहर चल गयी . उत्सुकुता से हर कोई उनकी पारी के इंतज़ार मे रहा . एक ही सीज़न में शानदार 776 रन बनाने का कीर्तीमान स्थापित किया . 12 वर्ष की उम्र में रणजी ट्राफी खेल सबको चौंका दिया था . इस तरुण बल्लेबाज़ ने खुलासा किया कि आई पी एल 2026 का सीज़न शुरु होने के पहले अपने फोन के नोट्स में लिखा था कि इस बार का लक्ष्य 700 रन बनाना है .उससे 76 रन अधिक बना ओरेंज कैप पहनने का श्रेय हासिल किया . कई व्यक्तिगत पुरस्कार भी अपने नाम किये . ओरेंज कैप जीतना उनका सपना था जिसे हासिल किया . पूरे टूर्नामेंट में उनकी धुंआधार बैटिंग कुछ ऐसी छायी रही .कि खेल प्रेमी उससे दिल लगा बैठे . किसी शायर ने खूब कहा " मंज़िल उन्हीं को मिलती है ,जो अपने हौसलों से डरते नहीं / वो बुलंदियों को छू लेते हैं ,जो कुछ कर गुज़रने की ठानते हैं // " सूर्यवंशी ने यही किया .

ओरेंज कैप के अलावा उन्हें मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर (एम वी पी) ,इमर्जिंग प्लेयर आफ द सीज़न , सुपर स्ट्राइकर आफ द सीज़न और सुपर सिक्सेस आफ द सीज़न के पुरस्कार भी मिले .वैभव ने पूरे सीज़न में रिकार्ड 72 छक्के लगाये और 237 .31 के स्ट्राइक रेट से तूफानी बल्लेबाज़ी कर खेल प्रेमियों को हैरान किया . मैदान की हर दिशा में आसमान से बात करते उनके छक्कों ने लोगों को ऐसा लुत्फ दिया जिसकी कल्पना नहीं की गयी . भरपूर आनंद और उल्लास से खेल प्रेमी झूम उठे . क्रिकेट में इतना ज़बर्दस्त नज़ारा देखने मिला जो यादगार बना . ओरेंज कैप जीतने के पहले उनकी ख्वाहिश थी कि एक बार इसे छू कर देखूं कि यह कैसी होती है ? उसे पहन कहा कि " भगवान ने मेरे लिये सब कर दिया "

वैभव इस टूर्नामेंट के सबसे असाधारण खिलाडी बन उभरे हैं . उन्होंने एक शतक पांच अर्ध शतक, जमाए दुनिया के शीर्ष गेंदबाज़ों के विरुद्ध बेखौफ बल्लेबाज़ी कर देश भर के क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया . यही कारण है कि उनकी कहानी सिर्फ सक्सेस स्टोरी नहीं बल्कि एक ऐसी हैरत अंगेज़ गाथा बन गई है जिसे देखने के लिये लोग उत्साहित हैं . क्रिकेट में छक्कों को देखना हमेशा आनंददायी रहा लेकिन ये उस समय चौगुना बड गया जब लगातार छक्कों की झडी लगी हो . सूर्यवंशी ने यही किया और अपने बल्ले से अनोखा कारनामा कर दिखाया जिससे क्रिकेट प्रेमी विभोर हुए .

अक्सर स्टारडम के बाद खिलाडियों का अंदाज़ बदलते देखा गया लेकिन वैभव का देसी अंदाज़ में पारंपरिक गमछे का इस्तेमाल और संस्कारी ,व सुसभ्य युवा की तरह अपने वरिष्ठों के पैर छूना लोगों को भा गया और उनकी सर्वत्र सराहना होने लगी . इसी प्रकार नामी खिलाडियों के लिये उनका संबोधन स्वरूप कहा शब्द " भईया " खूब चल पडा . कोई भी जीत या शानदार पल होने पर वैभव अपने ट्रेड मार्क अंदाज़ में साथी खिलाडियों के साथ भोजपुरी गानों पर डांस करने लगते हैं जो उनके सरल स्वभाव को दर्शाता है .आई पी एल इतिहास के सबसे कम उम्र के शतकवीर बनने के बाद सूर्यवंशी ने सीनीयर टीँम में दस्तक दी . उनका नैचुरल खेल सबसे बडी शक्ति के रूप में उभर सामने आया है ,जिसने खेल प्रेमियों के बीच उनकी छवि दमदार बल्लेबाज़ के रूप में स्थापित की है जिनको खेलता हुआ देखने के लिये खेल प्रेमी इच्छुक रहते हैं .

हर गेंद को भांप जिस तरह बल्ला घुमाते हैं वो लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया है . मुश्किल से मुश्किल गेंद की ऐसी धुनाई करते हैं जिसको देख बोलर भी अचंभित होते हैं . अपनी कलाइयों का अच्छा इस्तेमाल करते हैं . अंडर -19 –विश्व कप और यूथ वन डे मैचों में सबसे ज़्यादा छक्के लगाने के कई विश्व रिकार्ड तोडे . अंडर -19 विश्व कप में भारत के प्रमुख खिलाडियों में एक थे इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने 80 गेंदों पर 175 रनों की आक्रामक पारी खेल भारत को छठवी बार चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी .

वैभव का खेल प्रदर्शन न सिर्फ उन्हें असाधारण साबित करता है बल्कि उनको ऐतिहासिक भी बनाता है जिन्होने सिर्फ 15 साल की उम्र में जिस दृढ संकल्प का परिचय दिया है वह दुर्लभ है . समस्ती पुर बिहार के इस युवा बल्लेबाज़ ने खेल की नयी थ्योरी लिखी है . जिसमें कई रोमांचक शाट्स देखने मिलते हैं , उनके खेल की सबसे बडी खूबी गेंदबाज़ों की चालों को ध्वस्त करना है जिससे वो परेशान होते हैं . वैभव के छक्कों ने उनको धाकड बल्लेबाज़ के रूप में जमा दिया है . अपने धांसू खेल से जिस गाथा को लिख रहे हैं वह चर्चा का विषय बन चुकी है। समाचारों के मुताबिक उनकी विस्फोटक बल्लेबाज़ी पर आई आई एम इंदौर ने इसे शोध का विषय बनाया है .

एक उद्धरण के अनुसार " खेल का असली आनंद जीत में नहीं बल्कि खेल के प्रति खिलाडी के जुनून और मेहनत में छिपा होता है " सूर्यवंशी ने इसे साकार किया है।

काव्य कुंज

जिसकी जितनी भोली मुस्कान

संजीव ठाकुर, रायपुर

जिसकी जितनी भोली मुस्कान,
उसका उतना हुआ सम्मान,
मधुर शब्द से जो मन सींचे,
वही बनता इक सच्चा इंसान।
मुस्कान की कोई आवाज नहीं,
यह तो हृदय का कोमल उपहार
जिसके अंतस प्रेम सलिला बहे,
उसका समूचे जग पर अधिकार ।
एक मुस्कान थके पथिक को
चलने का हौसला दे जाती
रोते हुए मन की भावना पर
आशा की किरण बन आती ।
फूलों ने शायद यही सीखा होगा,
खिलकर जग को खुशबू देना,
नदियों ने भी यही जाना होगा,
प्लावित हो सबको जीवन देना।
जिसने बाँटी स्नेह भरी मुस्कान,
उसका कायल हुआ हर इंसान
जिसने अपनेपन का दीप जलाया,
उसने गहन अंधकार को हराया।
जीवन की राहों में
इतना सा उपहार बचाए रखना,
जब भी कोई उदास मिले,
होठों पर एक मुस्कान सजाए रखना।
जिसकी जितनी भोली मुस्कान,
उसका उतना हुआ सम्मान,
मुस्कानों से ही महक उठता ,
धरती पर मानव होने का मान।

चलो आज

दर्शन सिंह
हैदराबाद

बचपन का कोई खेल खेलें
बड़ी मुद्दत हुई
बेवजह हंसकर नहीं देखा
भोर हुई
उलझनों में उलझ जाते हैं
हजारों तिकड़म
सुलझ नहीं पाते हैं
बचपन की तस्वीर हाथ लगी
देखते रह गए बोर होते नहीं देखा ।
बचपन फिसल गया
लेकिन कंचे टकराना, लट्टू घुमाना
पतंग उड़ाना
याद आ जाए
दिल झूम उठता है
कैनवास में
रंगीन शाम भर देता है
एक मुट्ठी चुक लै
दूजी तैयार
किसको लोटपोट होते नहीं देखा
राह चलते
चाय की प्याली में
तूफ़ान भर देते हैं
कितना भी सीधा चलो
मझधार में धकेल देते हैं
चलो बचपन स्मरण..
बेवजह मुस्कराते नहीं देखा।।

होड़ लगी है

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

होड़ लगी आज जन-जन में है
आपा -धापी आगे बढ़ने की
एक दूजे की टांग खींच कर
ऊंचे शिखर पर चढ़ने की ।
हुनर भी ना कुछ पास है उनके
चोरी कर- कर कविता गढ़ते
शान से जाके मंच पे चढ़कर
हंस-हंसकर फिर कविता पढ़ते
लज्जा तनिक ना उन्हें है आती
बेशर्मी से करते चौड़ी छाती
खुद को लेखक,कवि समझते
भेड़ की झुंड में शान से चलते ।
एक सम्मान पत्र के चलते
बात-बात पर खूब झगड़ते
पता नहीं सम्मान का मतलब
फिर भी गला फाड़-फाड़ लड़ते
खुद की बड़ाई खुद ही करते
मेंढक सा पटलों पर उछलते
सच को पैरों तले कुचलकर
चापलूसों को गले लगाते ।
खुद ही नियम लाख बनाते,पर
उस पर खुद कभी ना चलते
औरों को बड़ा देते हैं ज्ञान
खुद कभी ना लेते संज्ञान ।
ऐसी होड़ लगी जन -जन में
बसा झूठ इनके तन -मन में
किसे गिराकर खुद उठ जाऊं
ऐसे भाव भरे इनके मन में ।।

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

हसरतें

टी तारासिंह
हैदराबाद

ये शान ये शौकत है कुछ पल - दिन के
मोहताज नही है कोई किसी का
हालात बना देते है पैसेवाला
मुश्किले बना देते है गरीबवाला
अपनो को ओर वक़्त को दोष न देना
ख्वाब न देखना, बोझ किसी पर न बनना
लक्ष्य को पूरा करना हो तो
मुश्किलो से लडना होगा
आंसूओ को पोछ कर मंज़िल पाना होगा
गुजर गया सो कल था
आज से लगन से मेहनत करना होगा
जिन्दगी नही है आसान
है कशमकश है हर कदम पर दर्द
जीत तेरी होगी , जलवे तेरे होगे
हसरते सब तेरी पूरी होगी ।।

जी हाँ , मैं एक किसान हूँ

डॉ. चक्रपाल सिंह
हैदराबाद

जी हाँ , मैं किसान हूँ
किसानी मेरा पेशा नहीं
जीवन दर्शन है
आसमान की चादर ओढ़े
धरती के बिछौने पर
लेटे मेरे जज्बातों से
दौलत आँख मिचौली का
खेल खेलती है, मगर
मेरे हाथ नहीं लगती
धरती मैया मुझे ज़िंदा तो रखती है
मेरे कुठलों में दौलत नहीं भरती
कर्ज में जन्मी मेरी जिन्दगी
कर्ज में ही रहती है
कर्ज में ही मर जाती है
और कर्ज के बीज
संततियों के लिए छोड़ जाती है
मैं देश को धन धान्य से
आत्मनिर्भर तो बना सकता हूँ
खुद कभी आत्मनिर्भर नहीं होता
ऐ धरती के स्वयंभू खुदाओ
इक्कीसवीं सदी में भी
मेरी जिन्दगी कर्ज के सहारे क्यों है ?
पांच किलो अन्न को मोहताज क्यों है?
सरकारों की दया के भरोसे क्यों है ?
यह किसका श्राप है
धरती, आकाश, वायु , अग्नि
या फिर जल का
जिससे मिलकर बने हैं सब
तो फिर मैं ही क्यों ?
क्रूर व्यवस्था मेरे नसीब से टकराती है
किनारों पर सिर्फ और सिर्फ
वायदों का रेत छोड़ जाती है
ज़िन्दगी, लड़ते लड़ते वायदों के रेत में
दफ़न हो जाती है
मेरी जिंदगी जहां जन्म लेती है
वहीं ख़त्म हो जाती है
क्योंकि, मैं किसान हूँ
जी हाँ, मैं एक किसान हूँ ।।

दायरा

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

दायरों को पार करना मुश्किल था।
जी रहे हैं रिवाजों की चादर ओढ़कर।
हरेक साँस चलती रही ताउम्र साथ मेरे,
जिंदगी भी ख़त्म हुई,दिल को मारकर।
क्या कहते सुनते ,मां बाप का क़र्ज़ उतारा है।
कौन जानता है मुझे ख़ुदा का ही सहारा है।
रिश्ते मतलबी है बहुत बाद में समझी मैं,
मैने टूटे आईने देख देख ख़ुदको सँवारा है।
बीते महीने ,सालों बीत गए,जवान हुए बच्चे,
बच्चों ने मुझको ही दिया जवाब करारा है।
कितने कपटी हो चले बच्चे आज के सब
बादाम को कह देते,ये तो लगता छुहारा है।
बहु बोले पति मेरा, पोता बोले ये बाप मेरा।
रेणू हँसती रहे वो क्या जाने कोई नहीं हमारा है।

हंसों का जोड़ा

गजानन पाण्डेय

हंसों का जोड़ा
उड़ चला
आकाश की थाह लेने
खुद को परखने
बाजुओं की ताकत आजमाने ।
गहरे पैठेंगे ,
तो मोती पाएंगे
किनारों पर
कश्ती को ले आएंगे
हौसलों के परों पर
हम जीना सीख जाएंगे ।

आला रे आला , बुलडोज़र आला

कुमुद बाला,
हैदराबाद

बुलडोजर है मन का राजा ,
अपनी मर्ज़ी से चलता है
हैवानियत दिखती जिधर ,
बस उधर का जबड़ा हिलता है।।
अखंड भारत की दुआ और तक़दीर ,
हरपल बदल रही है
सरहदों पे भारत के तिरंगे ,
की तासीर बदल रही है
कौन कहता है हमारे भारत में
, अखंड एकता नहीं है
देश में, अखंड एकता की बदौलत , तस्वीर बदल रही है
यह एकता का ही कमाल है ,हर धर्म का दीपक जलता है।
बुलडोजर है मन का राजा , अपनी मर्ज़ी से चलता है
हैवानियत दिखती जिधर , बस उधर का जबड़ा हिलता है।।
ज़मीन सरकारी , सरकारी है , उसपर किसी का हक नहीं
हर जंगल की चारदीवारी पर , हम इंसानों का हक नहीं
नदी-पहाड़ सभी स्वतंत्र हैं,अब इनपर बंदिश न करे मानव
बहती हवाओं के घेरे पर , फौलादी ताकत का हक नहीं
लक्ष्मणरेखा जिसने लांघी , वज्र उसी सर इंद्र का गिरता है
बुलडोजर है मन का राजा , अपनी मर्ज़ी से चलता है
हैवानियत दिखती जिधर , बस उधर का जबड़ा हिलता है।।
जनता का धन छीन-छीन , मत अपना घर भर लो नादानों
कुछ साथ नहीं तेरे जायेगा, मत कालिख मुँह पे मलो यारों
जगजननी है प्रकृति मालिक , यह जग तेरा रैन बसेरा है
पतंग तेरी कब कट जायेगी , कुछ इंसानियत रखो दीवानों
छलकपटकर चलता घर जिसका,विनाश का फाटक खुलता है।
बुलडोजर है मन का राजा , अपनी मर्ज़ी से चलता है
दिखती जिधर हैवानियत , बस उधर का जबड़ा हिलता है।।
नदी,जंगल,पहाड़,गली , जब कोई जबरदस्ती हथियाता है
तब बुरी तरह बुलडोजर मामा का , माथा सरक जाता है
उँगली दिखाने मात्र से कोई जगह , अपनी नहीं हो सकती
नहीं कागज सरकारी दिखाने पर , माथा सटक जाता है
विनाशकाले विपरीतबुद्धि क्यों घर,अपना खुद खुदवाता है
बुलडोजर है मन का राजा , अपनी मर्ज़ी से चलता है
दिखती जिधर हैवानियत , बस उधर का जबड़ा हिलता है।।

अग्नि की चीख...?

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

जब धुएँ से ढका था आकाश सारा,
सड़कों पर पसरा था सन्नाटा भारी।
एक भवन के अंदर जलते सपनों ने,
ही लिखी मानव पीड़ा की कहानी।
माता की आँखों का उजियारा बुझा,
किसी पिता का सहारा ही खो गया।
बच्चों की मासूम मुस्कान नहीं दूजा,
देखा राख के ढेरों में कहीं सो गया।
चीखें उन्हीं दीवारों से टकराती रहीं,
मदद पुकारती ₹आवाज़₹ थक गईं।
भीषण आग की वहीं निर्दयी लपटें,
हरेक उम्मीद को निगलती चली गईं।
यक्ष प्रश्न खड़े हैं व्यवस्था के सामने,
क्या? जीवन इतना सस्ता हो गया?
नियम केवल कागज़ों तक सीमित हैं,
और इंसान का अस्तित्व खो गया?
अब देखों शहर रो रहा है चुपचाप,
हर आँख में दिखें पीड़ा के सागर है।
वे चले गए, ना लौटेंगे सिर्फ पदचाप,
पर उनकी स्मृति अमर वो धरोहर है।
आओ, उनके नाम एक दीप जलाएँ,
उनके लिए संवेदना का हाथ बढ़ाएँ।
ताकि फिर किसी घर का उजाला,
बेपरवाही की आग में न झूलस पाएं।

राम की खोज में बढ़ते कदम

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

कैसा अद्भुत, विचित्र है ये, खेल जीवन यात्रा का,
हम खोजते हैं क्या और मिलता है क्या?
राम की खोज में निकले
कितने ही बढ़ते हुए कदम,
पर मार्ग में रावण,
कंस और दुशासन ही मिले,
सहज सुगम मार्ग ढूंढते पग,
लेकिन कंटकाकीर्ण पथ ही मिले,
अपनों से आघात मिले,
परायों ने घाव पर मरहम भरे।
रिश्ते कुछ ऐसे, जो उलझे रहते जीवन पर्यन्त,
होता मन का अंतहीन संघर्ष, चलता रहता अंतर्द्वंद्व,
छलनी हो जाती मन की परतें,
चैन ओ सुकून घटते हर पल।।
होते कुछ भाग्यशाली ऐसे भी,
जिनको इंसाफ-न्याय तुरंत मिल जाता,
पर होते कुछ दुर्भाग्यशाली ऐसे भी,
जिनको कभी न राहत मिल पाती,
और न दिल का करार मिल पाता।
अनुत्तरित है यह प्रश्न आज तक,
किंचित कोई हल मिल जाए,
शेष रहे हैं अब पलछिन जो,
उनमें शांति और परम संतोष मिल जाए ।।

हम सफ़र

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

धन्यवाद है मांझी तेरा,
तूने बड़ा उपकार किया है
दे कर मुझ को मेरी मंजिल
तुमने बड़ा एहसान किया है ।।
मांझी बोला मुस्काता,
नहीं अकेले मैने साथी
इस दरिया को पार किया है
विनीत भाव से इन लहरों ने
देखो कितना साथ दिया है ।।
फिर जरा देखो,नन्हीं नैया को
कितना सब का भार सहा है
पंख सरीखे तने पाल को
रहा पवन ये सहलाता
बिन पतवार कहो तो साथी
कैसे मैं नैया पार लगता।।
जीवन के कठिन सफर में ,
कितने ही हमराह हुए हैं
जीवन लक्ष्य को पाने में
सहयोग बहुतों का मिलता है ।।
माता पिता सखा स्नेही सब
संबल बन,थामे रहते हैं
स्वयं को श्रेय देने से पहले
सदा सदा धन्यवाद करें उनका
हमराह बने जो जीवन में
हृदय पटल के पन्नों पर
नाम उनका श्रद्धा से लिख लेना ।।

दहलीज से आसमान-नारी की उड़ान

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

दहलीज से आसमान तक
चले नारी की उड़ान।
नारी बिन घर है सूना,
नारी तो है घर की शान।।
एक समय,जब नारी
बन कर रही सिर्फ बेचारी,
पर्दा प्रथा की आड़ में,
पर्दे के पीछे नारी,
चुल्हे,चौके तक सीमा,दहलीज पार न कर पाई
बाल विवाह,अल्पायु में प्रसव वेदना सहती आई,
समय की माँग शनै शनै प्रारंभ हुआ नारी उत्थान।
दहलीज से आसमान तक चले नारी की उड़ान।।
आज धरती से गगन तक,नारी की महिमा न्यारी,
नहीं आज नारी बेचारी,नहीं कोई लाचारी,
सी.ए.डॉक्टर,इंजीनियर,चाहे कॉर्पोरेट जगत
वैज्ञानिक,पायलट,अंतरिक्ष नारी सर्वगत,
जल,थल,नभ सर्वस्व में नारी की वर्चस्व पहचान।
दहलीज से आसमान तक चले नारी की उड़ान।
नारी बिन घर है सूना,नारी तो है घर की शान।।

जून तुम आए हो

मोनिका डागा,
चेन्नई

व्याकुल मन को बॅंधाते धैर्य
सावन की फरियाद लिए,
जून तुम आए हो
आशाओं का नव आनंद राग लिए ।
बीतेगी गर्मी की तपिश
और थमेंगी आग उगलती लू,
आएगा मानसून उम्मीद
जगाकर ये दर्द थोड़ा सहलूँ,
बूझेगी प्यास मिटेगी ये तड़प किसान करते हैं चर्चा,
परिंदा भी धीर धार करें प्रतिक्षा देखें नभ को ललचा,
बंजर पड़े खेतों में हरियाली का शुभादि वरदान लिए ।
सुख-दुख से भरा जीवन
मन चाहता सदा रहना यौवन,
परिवर्तन प्रकृति का नियम
दुःख छंटेगा आएगा सावन,
सब कर रहे हैं इंतजार
ईश्वर पर रखकर अटूट विश्वास,
रिमझिम करती बारिश की बूँदे
और सुख का एहसास,
श्रमस्वेद की प्रतिध्वनि का फल
संग प्राणों का गान लिए ।
चाहतों का जल सपनों के सागर से मिलने का इच्छुक,
उम्मीद उल्लास की किरणें मन को कर देती हैं भावुक,
मन में होती जब मीठी दस्तक किसी अपने के आने की,
हर दुख मिट जाता घड़ियाँ वजह ढूंढती हैं मुस्कानें की,
मन के आँगन में इंद्रधनुषी खुशियों का आसमान लिए ।
व्याकुल मन को बॅंधाते धैर्य सावन की फरियाद लिए,
जून तुम आए हो आशाओं का नव आनंद राग लिए ।

व्यूज़ बटोरन को रचें, रोज़ नए संग्राम

सत्यवान सौरभ

घर-आँगन तक बेचते,
यूट्यूबर कुछ नाम।।
व्यूज़ की इस दौड़ में,
कैसा आया दौर,
सच की कीमत घट गई,
शोर मचाए शोर।
लगा कैमरे सामने,
सजते रोज़ मुकाम—
घर-आँगन तक बेचते, यूट्यूबर कुछ नाम।।
झगड़े भी तैयार हैं, आँसू भी तैयार,
हर रिश्ते के दर्द का, होता अब व्यापार।
निजता की दीवार पर, लिखते अपना नाम—
घर-आँगन तक बेचते, यूट्यूबर कुछ नाम।।
माँ की चिंता, बाप का, स्नेह भरा व्यवहार,
सब कुछ बनता जा रहा, दर्शक का बाज़ार।
लाइक-शेयर की चाह में, टूटी सभी लगाम—
घर-आँगन तक बेचते, यूट्यूबर कुछ नाम।।
सच की धीमी रोशनी, पीछे कहीं उदास,
झूठी चकाचौंध का, बढ़ता रोज प्रकाश।
क्षणिक प्रसिद्धि के लिए, करते उल्टे काम—
घर-आँगन तक बेचते, यूट्यूबर कुछ नाम।।
क्या पाया, क्या खो दिया, कब समझेंगे लोग।
व्यूज़ के लिए भागते, ये कैसा है रोग ।
रिश्तों से बढ़कर नहीं, कोई धन या दाम—
घर-आँगन तक बेचते, यूट्यूबर कुछ नाम।।
व्यूज़ बटोरन को रचें, रोज़ नए संग्राम।
घर-आँगन तक बेचते, यूट्यूबर कुछ नाम।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

क्रिकेट से आगे का खेल

कैसे आईपीएल बन गया अरबों रुपए का महाबाज़ार?

धीरेन्द्र प्रताप सिंह

जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को हराकर आईपीएल का खिताब अपने नाम किया, तो क्रिकेट प्रेमियों की नजर केवल ट्रॉफी पर नहीं थी। चर्चा इस बात की भी थी कि आखिर इस टूर्नामेंट में इतना पैसा आता कहां से है और जाता कहां है। विजेता टीम को 20 करोड़ रुपये, उपविजेता को 12.5 करोड़ रुपये, तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 7 करोड़ रुपये और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 6.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि मिली। इसके अलावा ऑरेंज कैप, पर्पल कैप, सुपर स्ट्राइकर, मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर और अन्य व्यक्तिगत पुरस्कारों पर भी लाखों रुपये खर्च किए गए। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि करोड़ों रुपये की यह बारिश आखिर किस आर्थिक तंत्र की बदौलत संभव हो पाती है। दरअसल, आईपीएल अब केवल क्रिकेट प्रतियोगिता नहीं रह गया है। यह खेल, मनोरंजन, विज्ञापन, डिजिटल मीडिया और कारोबार का ऐसा संगम बन चुका है, जिसने क्रिकेट को एक नए आर्थिक युग में पहुंचा दिया है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय और सबसे अधिक कमाई करने वाली टी-20 लीगों में शामिल आईपीएल आज एक विशाल व्यावसायिक मंच के रूप में स्थापित हो चुका है। यही कारण है कि इसकी आर्थिक ताकत कई अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के बराबर मानी जाती है।

आईपीएल की कमाई का सबसे बड़ा स्रोत मीडिया अधिकार हैं। टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकारों की बिक्री से हजारों करोड़ रुपये की आय होती है। करोड़ों दर्शक अपने घरों, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरणों पर मैच देखते हैं। ऐसे में प्रसारण कंपनियां आईपीएल के अधिकार हासिल करने के लिए भारी रकम चुकाती हैं। यही वजह है कि आईपीएल के मीडिया अधिकार दुनिया के सबसे महंगे खेल प्रसारण सौदों में गिने जाते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव ने इसकी आर्थिक क्षमता को और अधिक मजबूत किया है। आज बड़ी संख्या में दर्शक मोबाइल पर मैच देखते हैं, जिससे डिजिटल स्ट्रीमिंग कंपनियों के लिए भी यह एक अत्यंत लाभदायक निवेश बन गया है।

दूसरा बड़ा स्रोत विज्ञापन और प्रायोजन है। मैचों के दौरान दिखाई देने वाले विज्ञापन, रणनीतिक टाइम-आउट, स्टेडियम ब्रांडिंग, टीमों की जर्सियों पर लगे लोगो और विभिन्न कॉरपोरेट साझेदारियां करोड़ों रुपये की कमाई का माध्यम बनती हैं। किसी खिलाड़ी की जर्सी पर दिखाई देने वाला लोगो केवल एक विज्ञापन नहीं होता, बल्कि वह करोड़ों दर्शकों तक किसी ब्रांड की पहचान पहुंचाने का साधन बनता है। इसी कारण देश और दुनिया की बड़ी कंपनियां आईपीएल से जुड़ने के लिए भारी निवेश करती हैं।

आईपीएल की आर्थिक सफलता का एक महत्वपूर्ण आधार फ्रेंचाइजी मॉडल भी है। प्रत्येक टीम के अपने मालिक हैं, जो खिलाड़ियों की नीलामी में निवेश करते हैं, प्रायोजकों को जोड़ते हैं और अपनी टीम की ब्रांड वैल्यू बढ़ाने का प्रयास करते हैं। किसी फ्रेंचाइजी का मूल्य केवल उसके मैदान पर प्रदर्शन से तय नहीं होता, बल्कि उसके प्रशंसकों की संख्या, बाजार में उसकी पहचान और व्यावसायिक संभावनाओं से भी निर्धारित होता है। यही वजह है कि आज कई आईपीएल टीमों का बाजार मूल्य हजारों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है।

टिकट बिक्री भी आय का एक बड़ा स्रोत है। बड़े शहरों में होने वाले मुकाबलों के दौरान स्टेडियम दर्शकों से भर जाते हैं। लोग केवल मैच देखने नहीं आते, बल्कि वे एक बड़े मनोरंजन अनुभव का हिस्सा बनते हैं। टिकटों के साथ-साथ खाने-पीने की वस्तुओं, स्मृति-चिह्नों और अन्य सेवाओं से भी अच्छी कमाई होती है। इस प्रकार मैदान के भीतर और बाहर दोनों जगह आर्थिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं।

> **आईपीएल में होने वाली करोड़ों रुपये की बारिश केवल इनामी राशि तक सीमित नहीं है। यह उस आर्थिक शक्ति का प्रतीक है जिसने क्रिकेट को खेल से आगे बढ़ाकर एक वैश्विक उद्योग का रूप दे दिया है।**

आईपीएल का आर्थिक प्रभाव केवल खिलाड़ियों, फ्रेंचाइजी और बीसीसीआई तक सीमित नहीं है। टूर्नामेंट के दौरान जिन शहरों में मैच आयोजित होते हैं, वहां होटल, रेस्तरां, परिवहन, इवेंट प्रबंधन, सुरक्षा सेवाओं और स्थानीय व्यापार को भी बड़ा लाभ मिलता है। हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। स्टेडियम के आसपास छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक, सभी के कारोबार में वृद्धि दर्ज की जाती है। इस प्रकार आईपीएल केवल क्रिकेट का उत्सव नहीं, बल्कि स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाला एक महत्वपूर्ण आर्थिक आयोजन भी बन चुका है। आईपीएल का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव खिलाड़ियों के जीवन में दिखाई देता है। यह मंच छोटे शहरों और साधारण परिवारों से आने वाले युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देता है। जिन खिलाड़ियों को कभी आर्थिक संघर्षों का सामना करना पड़ता था, वे आज करोड़ों रुपये के अनुबंध हासिल कर रहे हैं। आईपीएल ने अनेक युवा खिलाड़ियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस सीजन में भी कई खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान आकर्षित किया। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभरे। कम उम्र में उनके शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि आईपीएल केवल स्थापित सितारों का मंच नहीं है, बल्कि नई प्रतिभाओं को अवसर देने वाला सबसे बड़ा मंच भी है। उनके प्रदर्शन ने यह संदेश दिया कि प्रतिभा, मेहनत और अवसर मिलने पर साधारण परिवारों के युवा भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं।

हालांकि आईपीएल की चमक-दमक के पीछे केवल पैसा ही नहीं है। यह भारतीय क्रिकेट की बदलती संरचना की कहानी भी है। आईपीएल ने क्रिकेट को वर्षभर चर्चा में रहने वाला खेल बना दिया है। खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिली हैं, फिटनेस और प्रशिक्षण के स्तर में सुधार हुआ है तथा खेल विज्ञान का उपयोग बढ़ा है। इससे भारतीय क्रिकेट की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी मजबूत हुई है। कुछ आलोचक यह भी मानते हैं कि अत्यधिक व्यावसायीकरण के कारण क्रिकेट का पारंपरिक स्वरूप प्रभावित हुआ है। उनका तर्क है कि खेल के बजाय मनोरंजन और कारोबार पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है। दूसरी ओर समर्थकों का कहना है कि इसी आर्थिक मजबूती ने क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है और लाखों युवाओं को अवसर प्रदान किए हैं। वास्तव में यह बहस खेल और व्यवसाय के बीच संतुलन की बहस है, जो आधुनिक खेल जगत की एक बड़ी वास्तविकता बन चुकी है।

आईपीएल की असली ताकत यही है कि यह खेल और कारोबार दोनों को साथ लेकर चलता है। यहां चौके-छक्के केवल स्कोरबोर्ड नहीं बदलते, बल्कि विज्ञापन की कीमतें, खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू और फ्रेंचाइजी की आर्थिक स्थिति भी बदल देते हैं। एक सफल सीजन किसी खिलाड़ी के पूरे करियर की दिशा बदल सकता है, जबकि किसी टीम की लोकप्रियता उसके बाजार मूल्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

आज आईपीएल भारत के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक है और यह खेल से कहीं आगे बढ़कर एक विशाल आर्थिक तंत्र का रूप ले चुका है। इसमें क्रिकेट, मनोरंजन, मीडिया, तकनीक, विपणन और निवेश सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर साल जब आईपीएल का नया सीजन शुरू होता है, तो मैदान पर केवल क्रिकेट नहीं खेला जाता, बल्कि अरबों रुपये का एक विशाल कारोबार भी गति पकड़ लेता है। करोड़ों दर्शकों का उत्साह, कंपनियों का निवेश और खिलाड़ियों के सपने मिलकर इस लीग को दुनिया की सबसे प्रभावशाली खेल प्रतियोगिताओं में शामिल करते हैं।

यही कारण है कि आईपीएल में होने वाली करोड़ों रुपये की बारिश केवल इनामी राशि तक सीमित नहीं है। यह उस आर्थिक शक्ति का प्रतीक है जिसने क्रिकेट को खेल से आगे बढ़ाकर एक वैश्विक उद्योग का रूप दे दिया है। आईपीएल आज केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि आधुनिक भारत की खेल अर्थव्यवस्था, युवा आकांक्षाओं और व्यावसायिक सफलता की एक ऐसी कहानी बन चुका है, जिसकी गूंज मैदान से लेकर बाजार तक सुनाई देती है।

शतरंज के नए विश्व नायक बने प्रज्ञानंद

महेन्द्र तिवारी

वैश्विक शतरंज के इतिहास में 6 जून 2026 का यह दिन सुनहरे अक्षरों में अंकित हो चुका है। भारत के युवा और असाधारण रूप से प्रतिभाशाली खिलाड़ी रमेशबाबू प्रज्ञानंद ने दुनिया की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित शतरंज प्रतियोगिताओं में से एक नार्वे शतरंज 2026 का खिताब जीतकर पूरे खेल जगत को अचंभित कर दिया है। इस महान सफलता ने न केवल प्रज्ञानंद को वैश्विक पटल पर एक सर्वोच्च खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है, बल्कि भारतीय खेल इतिहास में भी एक नया और अभूतपूर्व अध्याय जोड़ दिया है। इस वैश्विक प्रतियोगिता का समापन बेहद रोमांचक और अत्यधिक तनावपूर्ण परिस्थितियों में हुआ, जहां प्रज्ञानंद ने अपनी मानसिक दृढ़ता, धैर्य और अद्भुत रणनीतिक कौशल का परिचय देते हुए इतिहास रच दिया। प्रतियोगिता के 10वें और अंतिम दौर में उनका सामना जर्मनी के अत्यंत सुदृढ़ खिलाड़ी विंसेंट कीमर से था। यह मुकाबला दोनों ही खिलाड़ियों के लिए जीवन का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ साबित होने वाला था, क्योंकि इस अंतिम बाजी के परिणाम पर ही पूरे वर्ष की कठोर मेहनत और इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का भाग्य पूरी तरह निर्भर कर रहा था। दबाव की इस अभूतपूर्व स्थिति में भी प्रज्ञानंद ने अपने मस्तिष्क को शांत रखा, अत्यंत सधी हुई चालें चलीं और विरोधी खिलाड़ी की रणनीतिक कमजोरियों का सटीक आकलन करते हुए उन्हें परास्त कर दिया। उनकी इस शानदार जीत ने पूरी दुनिया के सामने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय युवा खिलाड़ी अब वैश्विक मंच पर किसी भी चुनौती का सामना करने और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विचारकों को मात देने के लिए पूरी तरह सक्षम हैं।

नार्वे में आयोजित होने वाली यह वार्षिक शतरंज प्रतियोगिता अपनी अत्यधिक जटिल संरचना और दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों की भागीदारी के लिए विख्यात है। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत कुल 10 चक्र खेले गए, जिसमें प्रत्येक स्तर पर खिलाड़ियों की बुद्धिमत्ता, तत्परता और मानसिक सहनशक्ति की कड़ी परीक्षा हुई। प्रज्ञानंद ने इस पूरी यात्रा के दौरान अत्यंत संतुलित और परिपक्व खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने न केवल पारंपरिक बाजियों में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की, बल्कि समय की भारी कमी वाली परिस्थितियों में भी अपने नियंत्रण को खोने नहीं दिया। जब यह प्रतियोगिता अपने अंतिम चरणों में पहुंच रही थी, तब अंक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए विभिन्न देशों के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला बेहद कड़ा और अनिश्चित हो गया था। ऐसी स्थिति में अंतिम दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर के खिलाफ प्रज्ञानंद की इस निर्णायक जीत ने उन्हें प्रतियोगिता की अंतिम तालिका में सबसे उच्च स्थान पर पहुंचा दिया और उन्हें इस वर्ष का निर्विवाद विजेता बना दिया। यह विजय इसलिए भी अत्यंत विशेष मानी जा रही है क्योंकि इस प्रतियोगिता में विश्व के कई पूर्व और वर्तमान सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे थे, जो वर्षों से इस बौद्धिक खेल पर अपना आधिपत्य जमाए हुए हैं। ऐसे स्थापित दिग्गजों के बीच रहकर 10 चक्रों की लंबी अवधि तक अपने प्रदर्शन के स्तर को लगातार उत्कृष्ट बनाए रखना और अंततः शीर्ष स्थान हासिल करना उनकी असाधारण मानसिक क्षमता को प्रदर्शित करता है।

प्रज्ञानंद की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे उनकी वर्षों की कठिन साधना, निरंतर अभ्यास और शतरंज के प्रति अटूट समर्पण की भावना छिपी है। बहुत ही कम आयु में उन्होंने शतरंज की दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली थी, जब वे केवल 10 वर्ष की आयु में अंतरराष्ट्रीय मास्टर बने थे और उसके बाद केवल 12 वर्ष की आयु में उन्होंने ग्रैंडमास्टर जैसी सर्वोच्च उपाधि प्राप्त कर ली थी। उनके इस शुरुआती सफर ने ही दुनिया भर के खेल विश्लेषकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया था। समय के साथ उनके खेल में अत्यधिक गहराई और परिपक्वता आती गई, और उन्होंने अपनी रक्षात्मक तथा आक्रामक शैलियों के बीच एक बेहतरीन सामंजस्य स्थापित करना सीख लिया। नार्वे की इस ऐतिहासिक धरती पर, जहां सामान्यतः स्थानीय यूरोपीय खिलाड़ियों और दुनिया के अन्य चुनिंदा मस्तिष्कों का ही वर्चस्व रहता आया है, वहां एक भारतीय युवा का इस प्रकार उभरना और पूरी प्रतियोगिता के रुख को अपने नियंत्रण में ले लेना उनकी असाधारण नैसर्गिक प्रतिभा का सबसे बड़ा प्रमाण है। इस जीत के साथ ही प्रज्ञानंद की वैश्विक वरीयता और उनके अंतरराष्ट्रीय अंकों में भी ऐतिहासिक सुधार दर्ज किया गया है, जो उन्हें आने वाले समय में विश्व चैंपियनशिप के सबसे मजबूत दावेदारों में से एक बनाता है।

यह गौरवशाली क्षण केवल प्रज्ञानंद की व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय शतरंज के उस स्वर्णिम युग का जीवंत प्रतीक है जिसकी मजबूत नींव देश के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने कई दशक पहले रखी थी। आज भारत के पास प्रज्ञानंद, डी गुकेश और अर्जुन एरीगैसी जैसे युवा खिलाड़ियों की एक ऐसी सशक्त पीढ़ी मौजूद है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली हर बड़ी प्रतियोगिता में देश के तिरंगे का मान बढ़ा रही है। इन युवाओं ने सामूहिक रूप से यह साबित कर दिया है कि भारतीय शतरंज अब केवल एक या दो दिग्गजों के व्यक्तिगत प्रदर्शन के भरोसे नहीं है, बल्कि देश में अब उच्च स्तरीय प्रतिभाओं की एक पूरी श्रृंखला तैयार हो चुकी है जो आने वाले कई दशकों तक विश्व स्तर पर अपना प्रभुत्व बनाए रखेगी। नार्वे शतरंज 2026 का यह पुरस्कार भारत की इसी सामूहिक बौद्धिक शक्ति और युवा ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है। खेल के वैश्विक विश्लेषकों का मानना है कि प्रज्ञानंद की इस अप्रत्याशित जीत से देश के लाखों बच्चों और युवाओं को एक नई प्रेरणा मिलेगी, जो इस विधा में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। इसके प्रभाव से विद्यालय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक शतरंज के प्रति लोगों का दृष्टिकोण पूरी तरह बदलेगा और इस खेल को भविष्य में अधिक सामाजिक समर्थन तथा संसाधन प्राप्त हो सकेंगे।

यदि इस प्रतियोगिता के तकनीकी और रणनीतिक पहलुओं का सूक्ष्म विश्लेषण करें, तो यह स्पष्ट होता है कि प्रज्ञानंद ने इस बार अपनी खेल योजना में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए थे।

कौड़ी का सवाल और करोड़ों का कारोबार

सत्यम तिवारी सनी

लोकतंत्र में पत्रकारिता का सबसे बड़ा दायित्व सत्ता से सवाल पूछना, जनता की आवाज़ बनना और सच को सामने लाना होता है। लेकिन जब पत्रकारिता का केंद्र जनसरोकारों से हटकर केवल दृश्यता, लोकप्रियता और टीआरपी बन जाए, तब सवालों की गंभीरता भी मनोरंजन का हिस्सा बनकर रह जाती है। आज का मीडिया परिदृश्य इसी चिंता को जन्म देता है। टीवी स्टूडियो की चमक, ऊंची आवाज़ में होने वाली बहसें और सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले क्लिप्स अक्सर यह भ्रम पैदा करते हैं कि पत्रकारिता पहले से अधिक प्रभावशाली हो गई है। जबकि सच्चाई यह है कि इस चमक के पीछे कई बार पत्रकारिता का मूल उद्देश्य धुंधला पड़ता दिखाई देता है। पिछले कुछ वर्षों में समाचार माध्यमों का स्वरूप तेजी से बदला है। तकनीक ने सूचना को अधिक सुलभ बनाया है, लेकिन इसी के साथ खबरों की प्रस्तुति में भी बड़ा परिवर्तन आया है। अब खबरों की गुणवत्ता से अधिक उनकी प्रस्तुति, बहस की तीव्रता और सोशल मीडिया पर उनकी पहुंच को महत्व दिया जाने लगा है। परिणाम यह हुआ कि कई बार गंभीर राष्ट्रीय मुद्दे भी सतही बहसों और सनसनीखेज शीर्षकों के बीच दब जाते हैं। पत्रकारिता का उद्देश्य जहां तथ्यों के आधार पर समाज को जागरूक करना होना चाहिए था, वहीं कई मंचों पर वह दर्शकों का ध्यान खींचने की प्रतियोगिता बनती जा रही है।

यह प्रवृत्ति सबसे अधिक तब दिखाई देती है जब राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर चर्चा होती है। सीमा सुरक्षा, आतंकवाद, शिक्षा, बेरोजगारी, आर्थिक चुनौतियां या सामाजिक समस्याएं जैसे विषय गहन विश्लेषण की मांग करते हैं। लेकिन अक्सर इन मुद्दों को भी इस तरह प्रस्तुत किया जाता है कि बहस का केंद्र समस्या नहीं, बल्कि शोर बन जाता है। दर्शकों को जानकारी कम और उत्तेजना अधिक मिलती है। सवालों की गंभीरता खो जाती है और चर्चा का उद्देश्य समाधान खोजने के बजाय विवाद पैदा करना रह जाता है।

पत्रकारिता की शक्ति हमेशा उसके सवालों में रही है। इतिहास गवाह है कि अनेक महत्वपूर्ण खुलासे, सामाजिक बदलाव और नीतिगत सुधार पत्रकारों द्वारा पूछे गए कठिन सवालों के कारण ही संभव हुए। सत्ता चाहे किसी भी विचारधारा की रही हो, लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका उसके कामकाज की निगरानी करना और जनता के हितों की रक्षा करना है। लेकिन जब पत्रकार सत्ता से सवाल पूछने के बजाय उसकी भाषा बोलने लगें या विपक्ष और आलोचकों को ही बहस का स्थायी निशाना बना लें, तब लोकतांत्रिक संतुलन कमजोर होने लगता है।

आज एक और चिंता यह है कि पत्रकारिता का बड़ा हिस्सा व्यक्तित्व-केंद्रित हो गया है। खबर से अधिक महत्व एंकर की छवि को मिलने लगा है। कई बार ऐसा लगता है कि समाचार कार्यक्रम किसी मुद्दे पर चर्चा के लिए नहीं, बल्कि किसी विशेष चेहरे की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए बनाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया है। कुछ सेकंड की क्लिप, तीखी टिप्पणी या विवादित बयान लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं, जबकि तथ्य आधारित रिपोर्टिंग उतना ध्यान नहीं खींच पाती। इस स्थिति ने पत्रकारिता को सूचना के माध्यम से अधिक प्रदर्शन के माध्यम में बदलने का खतरा पैदा कर दिया है।

हालांकि इस पूरी तस्वीर का एक सकारात्मक पक्ष भी है। डिजिटल युग ने स्वतंत्र पत्रकारों, शोधकर्ताओं और जागरूक नागरिकों को भी अपनी बात रखने का अवसर दिया है। कई ऐसे युवा सामने आए हैं जिन्होंने तथ्यों, दस्तावेजों और गहन अध्ययन के आधार पर महत्वपूर्ण मुद्दों को उजागर किया है। यह दिखाता है कि समाज में सत्य और जवाबदेही की मांग अभी भी जीवित है। जनता आज भी गंभीर पत्रकारिता को महत्व देती है, बशर्ते उसे निष्पक्ष और विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

पत्रकारिता का संकट केवल मीडिया संस्थानों का संकट नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र के स्वास्थ्य से जुड़ा प्रश्न है। यदि समाचार माध्यम केवल मनोरंजन, ध्रुवीकरण और प्रचार का साधन बन जाएं, तो सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक को होता है। उसे सही जानकारी नहीं मिलती, उसकी वास्तविक समस्याएं चर्चा से बाहर हो जाती हैं और लोकतांत्रिक विमर्श कमजोर पड़ने लगता है।

इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता अपने मूल मूल्यों की ओर लौटे। खबर को खबर की तरह प्रस्तुत किया जाए, बहस को तथ्यों पर आधारित बनाया जाए और सत्ता से लेकर विपक्ष तक सभी से समान रूप से सवाल पूछे जाएं। मीडिया संस्थानों को यह समझना होगा कि उनकी विश्वसनीयता ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। टीआरपी और लोकप्रियता क्षणिक हो सकती है, लेकिन विश्वास खो जाने पर उसे दोबारा प्राप्त करना अत्यंत कठिन होता है। लोकतंत्र में पत्रकारिता की कीमत कभी दो कौड़ी नहीं हो सकती। उसका मूल्य करोड़ों रुपये की टीआरपी से भी अधिक है, क्योंकि वह नागरिकों के सूचना के अधिकार, लोकतांत्रिक जवाबदेही और सामाजिक चेतना की आधारशिला है। इसलिए समय की मांग है कि पत्रकारिता शोर से ऊपर उठकर फिर से सच, सरोकार और जिम्मेदारी की राह पर लौटे। यही उसकी असली ताकत है और यही उसकी सबसे बड़ी पहचान भी।

जब नियम जलते हैं, तब इंसान मरते हैं

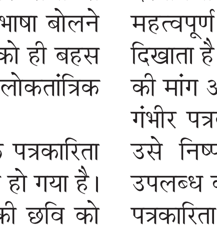

बिनय यादव

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में लगी भीषण आग ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर हमारे शहरों में सुरक्षा नियमों का पालन कितना गंभीरता से किया जाता है। इस हादसे में दो लोगों की जान चली गई। वहीं बिहार के मुजफ्फरपुर सहित देश के विभिन्न हिस्सों से भी आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं को केवल दुर्भाग्य या दुर्घटना कहकर टाल देना वास्तविकता से आंखें मूंदने जैसा होगा। अधिकांश मामलों में ऐसी त्रासदियों के पीछे किसी न किसी स्तर पर लापरवाही, नियमों की अनदेखी और जवाबदेही का अभाव छिपा होता है। आग लगना कभी-कभी आकस्मिक घटना हो सकती है, लेकिन जब किसी इमारत में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती है, आवश्यक व्यवस्थाओं का अभाव होता है और चेतावनियों को नजरअंदाज किया जाता है, तब ऐसी घटनाएं दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक और संस्थागत विफलता का उदाहरण बन जाती हैं। मालवीय नगर की घटना भी कई गंभीर सवाल छोड़ गई है। यदि संबंधित होटल के पास आवश्यक अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं था, तो वह संचालित कैसे हो रहा था? यदि भवन में सुरक्षा संबंधी कमियां थीं, तो संबंधित विभागों ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की? इन प्रश्नों के उत्तर केवल जांच रिपोर्टों में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी तय करने की ठोस प्रक्रिया में मिलने चाहिए।

देश के लगभग हर शहरों में ऐसी इमारतें बड़ी संख्या में मौजूद हैं, जहां नियमों को कागजों तक सीमित कर दिया गया है। कई होटल, रेस्तरां, कोचिंग संस्थान, अस्पताल, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और आवासीय भवन सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए संचालित हो रहे हैं। आपातकालीन निकास मार्ग या तो बंद मिलते हैं या उनका उपयोग किसी अन्य कार्य के लिए किया जाता है। अग्निशमन उपकरण या तो उपलब्ध नहीं होते या फिर वर्षों तक उनकी जांच नहीं होती। परिणामस्वरूप जब कोई हादसा होता है, तब लोगों के पास बचने का अवसर तक नहीं बचता।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि ऐसे मामलों में अक्सर केवल भवन मालिकों को दोषी ठहराकर व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी से बच निकलती है। जबकि सच्चाई यह है कि प्रशासनिक निगरानी की विफलता भी उतनी ही बड़ी वजह होती है। यदि संबंधित विभाग नियमित निरीक्षण करें, सुरक्षा मानकों की सख्ती से जांच करें और नियमों के उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई करें, तो अनेक दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। लेकिन अक्सर देखने में आता है कि कार्रवाई किसी बड़े हादसे के बाद ही शुरू होती है। जब तक जनहानि नहीं होती, तब तक व्यवस्था की नींद नहीं खुलती।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमजोरी का परिणाम नहीं है, बल्कि समाज की सामूहिक उदासीनता को भी दर्शाती है। हम अक्सर किसी भवन में प्रवेश करते समय यह देखने की आवश्यकता नहीं समझते कि वहां आपातकालीन निकास कहां है या सुरक्षा उपकरण मौजूद हैं या नहीं। सुरक्षा को लेकर यह लापरवाह रवैया भी जोखिम को बढ़ाता है। नागरिकों में जागरूकता और सतर्कता बढ़ाना भी उतना ही आवश्यक है जितना नियमों का कठोर पालन।

हर बड़े हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, रिपोर्ट तैयार होती है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के आश्वासन दिए जाते हैं। लेकिन कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है और हालात फिर पहले जैसे हो जाते हैं। यही कारण है कि आग लगने की घटनाएं बार-बार दोहराई जाती हैं। जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी और नियमों के उल्लंघन को गंभीर अपराध मानकर कठोर दंड नहीं दिया जाएगा, तब तक ऐसी त्रासदियां रुकने वाली नहीं हैं।

आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, स्थानीय प्रशासन और नागरिक समाज मिलकर सुरक्षा को प्राथमिकता दें। विशेष रूप से उन भवनों की नियमित जांच होनी चाहिए जहां बड़ी संख्या में लोग एकत्र होते हैं। अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र, आपातकालीन निकास, अग्निशमन उपकरण और सुरक्षा प्रशिक्षण जैसी व्यवस्थाओं को केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि अनिवार्यता माना जाए। साथ ही नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसकी इमारतों की ऊंचाई से नहीं, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की सुरक्षा से होती है।

यश ने अलीबाग में खरीदी 24 करोड़ रुपये की संपत्ति

कन्नड़ सुपरस्टार यश और उनकी पत्नी राधिका पंडित ने महाराष्ट्र के अलीबाग में एक आलीशान संपत्ति खरीदी है। अलीबाग वैसे भी बॉलीवुड और खेल जगत की मशहूर हस्तियों के बीच वेकेशन होम के लिए काफी पॉपुलर है।

संपत्ति और उसकी कीमत

यश और राधिका ने यह जमीन 24 करोड़ रुपये में खरीदी है। उ यह डील 18 मई, 2026 को अलीबाग के सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में रजिस्टर हुई थी।

जमीन की खासियत

यह संपत्ति रायगढ़ जिले के अलीबाग तालुका के कामथ गांव में है। यश ने पास-पास स्थित दो कृषि भूमि के टुकड़े खरीदे हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल लगभग 5,289 वर्ग मीटर है। यह जमीन सीधे समुद्र तट से जुड़ी है। इसके पश्चिम में समुद्र है, पूर्व में गांव की सड़क है और उत्तर में एक संकरी गली है, जो सीधे बीच तक जाती है। इस जमीन पर एक रहने के लिए घर भी बना हुआ है।

अलीबाग क्यों है खास?

मुंबई के पास स्थित तटीय शहर अलीबाग आजकल अमीर बिजनेसमैन और मशहूर हस्तियों का पसंदीदा ठिकाना बन चुका है। यश के अलावा यहां कई और दिग्गजों के घर हैं।

शाहरुख खान-अलीबाग में शाहरुख का एक मशहूर सी-फेसिंग बंगला है, जिसका नाम 'डेजा वू फार्म्स' है। उनकी बेटी सुहाना खान ने भी यहां हाल ही में 12.91 करोड़ रुपये की संपत्ति खरीदी है।दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह- किहिम बीच के पास दीपिका और रणबीर का एक आलीशान 5BHK विला है, जिसकी कीमत 22 करोड़ रुपये से ज्यादा है।विराट कोहली और अनुष्का शर्मा- अलीबाग के जिराद में विराट और अनुष्का का 8 एकड़ का एक बड़ा एस्टेट है, जिसमें शानदार 4BHK विला बना हुआ है।

इन सभी के अलावा यहां पर अमिताभ बच्चन, कार्तिक आर्यन और कृति सेनन जैसे बड़े सितारों ने भी अलीबाग में निवेश किया हुआ है।

बॉबी देओल ने फिर चौंकाया, अनुराग ने कई सवाल उठाए : बंदर मूवी कहाँ चूक गयी?

मूवी रिव्यू :बंदर
कलाकार : बॉबी देओल , सान्या मल्होत्रा , सपना पब्बी , सबा आजाद और इंद्रजीत सुकुमारन
लेखक: सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी
निर्देशक :अनुराग कश्यप
निर्माता :अनुराग कश्यप , निखिल द्विवेदी , शिवी पंडित और गौरी पंडित

कानूनी मामले में उलझा हुआ एक शख्स और उसकी कहानी पर बनी फिल्म 'बंदर'। सबसे पहले तो मन में यह सवाल आता है कि फिल्म का नाम 'बंदर' क्यों है? इसलिए कि कानून इस शख्स को बंदर की तरह नचाता है? या इसलिए कि यह शख्स अपने ही सर्कस का बंदर हैं? क्या है यह कहानी? कैसा है अभिनय और कैसी यह फिल्म? आइए जान लेते हैं।

कहानी

कभी किसी जमाने में टीवी पर सुपरस्टार रहा समीर मेहरा (बॉबी देओल) आज अपना करियर और जिंदगी वापस ठीक करने की कोशिश कर रहा है। उसकी एक पार्टनर भी है खुशी (सबा आजाद) जिसके साथ उनका रिश्ता ठीक ठाक चल रहा है। कहानी में मोड़ तब आता है जब समर की एक्स गर्लफ्रेंड गायत्री (सपना पब्बी) उसकी लाइफ में वापस लौटती है और समीर पर रेप का आरोप लगाती है। इसके बाद शुरू होता है बंदर नाच। फिल्म सिर्फ एक लीगल ड्रामा ही नहीं बल्कि समाज की क्रूर सच्चाई भी पेश करती है। अब आगे समीर क्या करेगा? खुद को कैसे बचाएगा? और क्या वो वाकई बेगुनाह है? यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी।

अभिनय

यह कहना गलत नहीं होगा कि फिल्म का पूरा भार बॉबी देआल के कंधों पर है। बॉबी अपने 2.0 वर्जन में बेहतर निकलकर भी आए हैं। रोमांस, इमोशंस, लाचारी समेत सभी भावों को वो सादगी से पेश करते हैं। यह उनके करियर की सबसे इंटेंस और पावरफुल परफॉर्मेंस है। सपना पब्बी को भी क्रेडिट दिया जाना चाहिए। उन्होंने बॉबी का बढ़िया साथ दिया और जैसी किरदार की मांग थी वैसा रोल किया। उनका किरदार अंत तक आपको परेशान रखता है। सबा आजाद का काम ठीक है। सान्या मल्होत्रा ने भी अपना काम बखूबी किया है। बाकी स्टारकास्ट दमदार है।

निर्देशन

अनुराग कश्यप हमेशा इसी तरह की डार्क फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। वो इस फिल्म के जरिए सिस्टम की कई कमियों पर भी बात करते हैं। कई सवाल भी उठाते हैं। हालांकि, बीच में वो थोड़ा भटकते हैं और अंत में थोड़ा निराश भी करते हैं पर कुल मिलाकर फिल्म में कुछ नया देखने को मिलता है। 'पेद्दी' और 'है जवानी तो इश्क होना है' जैसी बे सिर-पैर की फिल्मों के बीच अनुराग कम से कम लॉजिक की बात तो करते हैं। अनुराग का काम ज्यादातर बिना फिल्टर वाला होता है यहां भी वही काम इस फिल्म को रियलिस्टिक और मजेदार बनाता है।

खूबियां

बॉबी की एक्टिंग और फिल्म का रियलिस्टिक होना की इसकी बड़ी ताकत है।

कमियां

फर्स्ट हाफ थोड़ा स्लो है। फिल्म बिल्कुल आराम नहीं करने देती। क्लाइमैक्स, पूरी फिल्म के मुकाबले थोड़ा निराश करता है।

म्यूजिक

गाने औसत हैं। एक ही गाना जुबाना पर चढ़ता है। बैकग्राउंड म्यूजिक ठीक ठाक है।

देखें या नहीं?

बॉबी का नया रूप और कानून व्यवस्था पर तंज देखना चाहते हैं तो यह फिल्म देख सकते हैं।

अमिताभ बच्चन ने बताई जीवन में समस्याओं की अहमियत, बोले-हमेशा तुरंत समाधान जरूरी नहीं

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया के माध्यम से जीवन की अनिश्चितताओं और उनसे मिलने वाली सीख पर विचार साझा किए हैं। उन्होंने अपने फैंस को सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी है। उनका कहना है कि समस्याओं का तुरंत समाधान करना हमेशा जरूरी नहीं होता, क्योंकि चुनौतियां व्यक्ति को अनुभव, समझ और सीख प्रदान करती हैं, जो आगे चलकर उसे अधिक परिपक्व और सक्षम बनाती हैं। अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि समस्याएं जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं और उनसे घबराने के बजाय उन्हें समझने की कोशिश करनी चाहिए। उनका कहना है कि हर दिन इंसान को कुछ न कुछ नया सिखाता है। अमिताभ ने कहा, ₹जब कोई समस्या मन को परेशान करती है, तो उससे उस समस्या का पूर्ण ज्ञान और अनुभव प्राप्त होता है और बदले में समझदार बनने का ज्ञान मिलता है। सीखने के लिए समस्या का होना जरूरी नहीं है, लेकिन अगर अगली बार ऐसी समस्या आती है, तो न केवल उसके समाधान के लिए, बल्कि उससे जुड़ी संभावनाओं और चुनौतियों से निपटने के लिए भी तैयार रहना चाहिए।अभिनेता ने कहा, जीवन में ये अनिश्चितताएं और चुनौतियां ही जीवन को जीने योग्य बनाती हैं। सकारात्मकता के आवश्यक आत्मविश्वास के साथ ठीक है, बहुत ज्ञान बांट दिया... तो चलिए।

अमिताभ बच्चन यानी बिग बी को आखिरी बार टी. जे. ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेट्टैयान' में देखा गया था। इस फिल्म में रजनीकांत, फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह, दुशारा विजयन, रोहिणी, राव रमेश, अभिरामी और रमेश तिलक ने अभिनय किया है।

फिलहाल अमिताभ बच्चन फिल्म निर्माता नाग अश्विन की फिल्म कल्कि 2898 ईस्वी में काम कर रहे हैं। इस फिल्म में कमल हासन और प्रभास भी हैं। खबरों के मुताबिक, अमिताभ, नितेश तिवारी की आगामी भव्य फिल्म रामायणः भाग 1 में भी नजर आएंगे, जिसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और सनी देओल भी हैं। बताया जा रहा है कि वे इस फिल्म में जटायु का किरदार निभाएंगे।

2 जून को बिग बी ने अपने उन प्रशंसकों को धन्यवाद दिया, जो हर रविवार को उनके घर 'जलसा' के बाहर इकट्ठा होते हैं। उन्होंने उनके अटूट प्यार और समर्थन को समर्पित एक कविता लिखी। उन्होंने सबसे पहले रविवार को अपने घर के बाहर जमा हुए प्रशंसकों की कुछ तस्वीरें साझा कीं।

तरबूज़ में ज़हर, मिलावटी दूध और तड़पते बच्चे—काजल अग्रवाल की फ़िल्म हलचल मचायेगी

साउथ सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' का टीजर रिलीज हो गया है और ये कई खौफनाक सवालों के जवाब देता है। 'द इंडिया स्टोरी' का दमदार और सोचने पर मजबूर कर देने वाला प्रोमो रिलीज कर दिया गया है। 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही यह फिल्म आज देश के करोड़ों लोगों को प्रभावित करने वाले एक गंभीर लेकिन अक्सर नजरअंदाज किए जाने वाले मुद्दे, खाद्य मिलावट पर प्रकाश डालती है। गंभीर विषय पर आधारित इस फिल्म में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े लीड रोल में नजर आएंगे।

टीजर की शुरुआत तरबूज में इंजेक्शन लगाने से होती है, जो हालिया घटना के बारे में हिंट देता है जिसमें तरबूज खाकर पूरा परिवार मौत के घाट उतर गया। फिर दूध में मिलावट और कोरोना काल की झलक भी दिखी। लेकिन काजल और श्रेयस में से कोई भी नहीं दिखा।

फिल्म असली घटनाओं पर बेस्ड

गौरतलब है कि फिल्म का यह प्रोमो हमारे घरों तक पहुंचने वाले खाने की गुणवत्ता और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। रासायनिक पदार्थों से तैयार की गई सब्जियों और फलों से लेकर दूषित डेयरी उत्पादों और मिलावटी खाद्य सामग्री तक, 'द इंडिया स्टोरी' दिखाती है कि कैसे मुनाफे की दौड़ में लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। दमदार विजुअल्स और प्रभावशाली कहानी के जरिए फिल्म यह उजागर करती है कि खाद्य मिलावट किस तरह गंभीर बीमारियों, लंबे समय तक रहने वाली स्वास्थ्य समस्याओं और यहां तक कि मौतों का कारण बन सकती है।

'द इंडिया स्टोरी' की कहानी

हाल ही में रिलीज किया गया यह प्रोमो दर्शकों को ऐसी कहानी की झलक देता है, जो असहज सच्चाइयों को सामने लाती है, व्यवस्था पर सवाल उठाती है और लोगों को यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर वे रोज क्या खा रहे हैं? काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े के दमदार अभिनय से सजी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक चेतावनी है, जो समाज को प्रभावित कर रहे इस बढ़ते संकट पर रोशनी डालती है।

'द इंडिया स्टोरी' की कास्ट

फिल्म के सह-निर्माता सुमित बागडे, अनीता जाधव, विनायक सैदानी, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी हैं। टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भागवत, संगीतकार मंगेश धकड़े, संपादक आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आज़मी और साउंड डिज़ाइनर अनमोल भावे शामिल हैं। फिल्म में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े लीड रोल्स में हैं। 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई, 2026 को हिंदी, तमिल और तेलुगू में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह जी स्टूडियोज द्वारा पूरी दुनिया में रिलीज की जा रही है।

अक्षय कुमार ने राजपाल यादव के साथ की ऐसी हरकत कि डर गए कॉमेडियन

अक्षय कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इसी महीने रिलीज होने वाली है। इस बीच अभिनेता ने फिल्म के सेट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में फिल्म के कई दूसरे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है।

वीडियो में क्या है?

अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि राजपाल यादव विग लगाकर एक जगह खड़े हैं। पीछे से अक्षय कुमार एक घोड़े को लाते हैं और वह राजपाल यादव के बाल खाने लगता है। राजपाल यादव जैसे ही पीछे मुड़ते हैं तो वह डर जाते हैं। इसके बाद वह हंसने लगते हैं। यह नजारा देखकर वहीं पास में खड़े परेश रावल भी हंसने लगते हैं।

मजेदार है वीडियो का कैप्शन

वीडियो शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा 'यह मजेदार था। मैं राजपाल यादव को अपने घोड़े की ताकत दिखा रहा था। वेलकम टू द जंगल के बारे में आप जितना सोचते हैं, वह उससे ज्यादा जंगली है। यह 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।'

इस पोस्ट पर विन्दु दारा सिंह समेत कई दूसरे यूजर्स ने कमेंट किए हैं। विन्दु दारा सिंह ने लिखा 'वेलकम टू द जंगल में खूब प्रैंक है।' एक दूसरे यूजर ने लिखा 'अक्षय सर हमेशा मजाक करते हैं।' एक और यूजर ने लिखा 'अक्षय पाजी मतलब मस्ती'। एक और यूजर ने लिखा 'अक्की कॉमेडियन हैं।' एक और यूजर ने अक्षय कुमार को प्रैंक का खिलाड़ी बताया है। आपको बता दें कि फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय कुमार के अलावा रवीना टंडन, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, लारा दत्ता, राजपाल यादव समेत कई अन्य कलाकार शामिल हैं।

'पेद्दी' ने पहले दिन कमाए 100 करोड़, राम चरण की पत्नी उपासना ने ऐसे मनाया जश्न, देखकर रह जाएंगे दंग

तेलुगु सुपरस्टार राम चरण की नई फिल्म 'पेद्दी' 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शकों और समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया के बाद भी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। फिल्म ने अपने पहले ही दिन दुनिया भर में 112.49 करोड़ रुपये की शानदार कमाई कर ली है। भारत में इसने पहले दिन करीब 69 करोड़ रुपये कमाए।

पत्नी उपासना ने प्रशंसकों के साथ मनाया जश्न

फिल्म 'पेद्दी' की इस बड़ी कामयाबी से राम चरण का परिवार और फैंस बेहद खुश हैं। राम चरण की पत्नी और बिजनेसवुमन उपासना कोनिडेला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। उपासना ने 'पेद्दी' की सफलता पर फैंस के साथ मिलकर 'पेद्दी ब्लॉकबस्टर' लिखा हुआ एक बड़ा केक काटा, जिस पर पांच सितारे बने हुए हैं।

बच्चों को खिलाया केक

इस दौरान उपासना गुलाबी कुर्ते में बेहद सादे और खूबसूरत लुक में दिखीं। उपासना ने वहां मौजूद बच्चों और फैंस को खुद अपने हाथों से केक खिलाया। इसके साथ ही राम चरण के फैंस ने पटाखे फोड़कर और तालियां बजाकर खुशी जताई।इससे पहले उपासना का एक और वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह हैदराबाद के एक थिएटर में आम दर्शकों के साथ फिल्म देख रही थीं और राम चरण के सीन आने पर खुशी से कागज के टुकड़े हवा में उड़ा रही थीं। फैंस को उनका यह अंदाज बेहद पसंद आया था।

क्या है 'पेद्दी' की कहानी?

पेद्दी' मूवी एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। फिल्म में राम चरण ने 'पेद्दी' नाम के एक बेहद प्रतिभाशाली क्रिकेटर का किरदार निभाया है, जो विजयनगरम के एक छोटे से पिछड़े गांव का रहने वाला है। कई बड़ी टीमें उसे अपनी तरफ से खिलाना चाहती हैं, लेकिन पेद्दी का मकसद क्रिकेट के जरिए अपने गांव को दुनिया भर में पहचान और सम्मान दिलाना है। इसी सफर में उसे कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

पेद्दी' की स्टार कास्ट

पेद्दी' में राम चरण और जान्हवी कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई है। राम और जान्हवी के अलावा इस फिल्म में शिव राजकुमार, जगपति बाबू, दिव्येंदु और बोमन ईरानी जैसे बड़े कलाकार भी हैं। इस फिल्म को वृद्धि सिनेमाज, आईवी एंटरटेनमेंट, मैत्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स ने मिलकर बनाया है।

जब एक्ट्रेस रंभा फ़िल्म इंडस्ट्री में मशहूर हुईं तो लोगों ने उन्हें 'साउथ की दिव्या भारती' का नाम दिया

90 के दशक का दौर भारतीय सिनेमा के लिए बेहद खास था। इसी समय कई नई और खूबसूरत अभिनेत्रियों ने इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई, जिन्होंने अपनी मासूमियत से दर्शकों का दिल जीत लिया। इन्हीं में से एक नाम था एक्ट्रेस रंभा का, जिन्हें लेकर उस समय फिल्मी दुनिया में एक दिलचस्प तुलना बहुत चर्चा में रही। कई दर्शक और फिल्म समीक्षक उन्हें 'साउथ की दिव्या भारती' कहकर बुलाते थे। यह तुलना उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और करियर के शुरुआती दौर की तेजी को देखकर होती थी।

रंभा का जन्म 5 जून 1976 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में हुआ था। उनका असली नाम विजयलक्ष्मी है। उनको बचपन से ही अभिनय और डांस में रुचि थी। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में फिल्मों में कदम रखा।

साल 1992 में आई मलयालम फिल्म 'सरगम' से उन्होंने डेब्यू किया। उस समय उनकी उम्र महज 16 साल थी। पहली ही फिल्म में उन्हें दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और उनका चेहरा धीरे-धीरे साउथ सिनेमा में पहचान बनाने लगा। इसके बाद उन्होंने तेलुगु और तमिल फिल्मों में तेजी से काम करना शुरू किया और बहुत कम समय में वह एक लोकप्रिय चेहरा बन गईं।

यहीं से उनकी तुलना दिव्या भारती से शुरू हुई। दिव्या भारती ने भी बहुत कम उम्र में फिल्म इंडस्ट्री में तेजी से पहचान बनाई थी और अपने छोटे से करियर में ही सुपरस्टार जैसी लोकप्रियता हासिल कर ली थी। रंभा के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। उनकी मासूमियत, बड़ी आंखें और कैमरे के सामने दमदार अभिनय ने दर्शकों को आकर्षित किया। साथ ही उनकी फिल्मों की तेज रफ्तार और लगातार हिट प्रोजेक्ट्स ने उन्हें उस समय की सबसे चर्चित नई एक्ट्रेस बना दिया। इसी वजह से मीडिया ने उन्हें 'साउथ की दिव्या भारती' कहना शुरू कर दिया।

रंभा ने जल्द ही बॉलीवुड का रुख किया और 1995 में फिल्म 'जल्लाद' से हिंदी फिल्मों में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने सलमान खान के साथ 'जुड़वा' और 'बंधन', गोविंदा के साथ कॉमेडी फिल्मों और अक्षय कुमार, अजय देवगन जैसे सितारों के साथ कई फिल्मों में काम किया। उनकी कॉमिक टाइमिंग और ग्लैमरस रोल्स ने उन्हें 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। खासकर 'जुड़वा' में उनका किरदार आज भी याद किया जाता है।

अपने पूरे करियर में रंभा ने 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया, जिनमें तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, हिंदी, भोजपुरी और बंगाली फिल्में शामिल हैं। उन्हें कई फिल्मों के लिए नामांकन भी मिले और उन्होंने टीवी शोज में जज के रूप में भी काम किया। धीरे-धीरे उन्होंने साउथ और बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्री में अपनी मजबूत पहचान बना ली।

साल 2010 में रंभा ने कनाडा के बिजनेसमैन इंद्र कुमार पद्मनाथन से शादी कर ली और फिल्मों से दूरी बना ली। इसके बाद वह पारिवारिक जीवन में व्यस्त हो गईं और अपने बच्चों की परवरिश में समय देने लगीं। हालांकि वह समय-समय पर टीवी शो और सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं।

आखिर कॉकरोच जनता पार्टी धर्मेंद्र प्रधान के पीछे क्यों पड़ी ?

आगे का रोडमैप, सरकार कैसे निपटेगी, सवालों में पूरी कहानी

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी के पहले जमीनी प्रोटेस्ट की इकलौती मांग है-धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो! नीट पेपर लीक को 5 हफ्ते और सीबीएसई मार्किंग में गड़बड़ी को 3 हफ्ते हो गए। विपक्षी पार्टियां भी लगातार शिक्षामंत्री को हटाने की मांग कर रही हैं। लेकिन क्या धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा होगा? फिलहाल ऐसा होता नहीं दिख रहा। 2015 की बात है। विवाद शुरू हुआ कि विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और राजस्थान की सीएम वसुंधरा राजे ने लंदन में रह रहे भगोड़े ललित मोदी की वहां से पुर्तगाल जाने में मदद की है। सुषमा और वसुंधरा के इस्तीफे की मांग जोर-शोर से उठ रही थी।

तब 24 जून 2015 को केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने एक बयान दिया- 'नहीं... नहीं इसमें (मोदी सरकार में) मंत्रियों के त्यागपत्र नहीं होते हैं भैया। यूपीए सरकार नहीं है, ये एनडीए सरकार है।' राजनाथ का यही बयान बीजेपी सरकार का अघोषित नियम बना हुआ है। मोदी सरकार में किसी मंत्री के इस्तीफा न देने का इतिहास रहा है। सिर्फ एमजे अकबर का मामला छोड़ दें तो। 2018 में #MeeToo मामले में एम.जे. अकबर ने विदेश राज्यमंत्री के पद से इस्तीफा दिया था। नवंबर 2021 में भी विपक्ष ने गड़बड़ी, भ्रष्टाचार जैसे आरोपों का सामना कर रहे बीजेपी नेताओं के इस्तीफे की मांग की। वरना संसद नहीं चलने देने की धमकी दी। तब भी मोदी सरकार ने विपक्ष को संदेश भिजवा दिया कि ऐसा कुछ नहीं होगा। 'यूपीए के दौर में अशोक चह्वाण से शुरू होकर कई लोगों को इस्तीफा देना पड़ा था। बाद में यूपीए सरकार ऐसे दबावों को संभाल नहीं पाई। मोदी सरकार उसी से सबक लेती दिखती है। इनकी रणनीति और विश्वास है कि हमें जो करना है, हम वो करेंगे।' अगर सरकार ने धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा ले लिया, तो ये मैसेज जा सकता है कि सरकार से गलती हुई है। लेकिन मोदी सरकार में ऐसा होना मुश्किल है। सरकार किसी तरह से ये नहीं दिखाना चाहती है कि उसने किसी दबाव या आरोप के चलते अपने मंत्री का इस्तीफा लिया।

धर्मेंद्र प्रधान की 'डिलीवरी लीडर' वाली छवि

मई 2014 में मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से ही धर्मेंद्र प्रधान केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हैं। पहले उन्होंने पेट्रोलियम, कौशल विकास और इस्पात मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली। 2021 से शिक्षा मंत्री हैं। मई 2016 में पीएम मोदी ने गरीब महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन देने के लिए फ्लैगशिप स्कीम 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' लॉन्च की। इसकी पूरी जिम्मेदारी पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पास थी। तब इसके मंत्री थे- धर्मेंद्र प्रधान। आज इसके तहत 10.55 करोड़ से ज्यादा कनेक्शन बांटे जा चुके हैं। सबसे लंबे वक्त, यानी 7 साल तक पेट्रोलियम मंत्री रहे प्रधान की छवि उज्ज्वला योजना के चलते एक 'डिलीवरी लीडर' के तौर पर बनी। 2020 में 'नई शिक्षा नीति' भी धर्मेंद्र प्रधान की निगरानी में बनी। ये भी पीएम मोदी का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट था। धर्मेंद्र प्रधान को पीएमओ और बीजेपी की टॉप लीडरशिप का भरोसेमंद माना जाता है। प्रधान की एक और खासियत है कि वे मीडिया की चकाचौंध से दूर रहते हैं। उनकी छवि बेहद गंभीर, लो-प्रोफाइल और बेतुकी बातों से दूर रहने वाले नेता की है। सरकार के साथ-साथ प्रधान ने संगठन में भी काम किया। उन्होंने उत्तराखंड (2017), कर्नाटक (2018), उत्तर प्रदेश (2022), ओडिशा (2024), बिहार (2025) जैसे विधानसभा चुनावों में अहम जिम्मेदारियां संभाली।

सरकार ये नैरेटिव बना रही है कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की जगह, सिस्टम को सुधार रहे हैं। इसके लिए कई कदम उठाए गए हैं...। नीट 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई, राजस्थान एसओजी और राज्यों की पुलिस जांच कर रही है। अब तक 13 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसमें एनटीए की पेपर-सेटिंग कमेटी से जुड़े दो एक्सपर्ट भी हैं- पुणे में बायोलॉजी की लेक्चरर मनीषा गुरुनाथ मंधारे और केमिस्ट्री के प्रोफेसर पी. वी. कुलकर्णी।

एनटीए ने 3 मई को हुए एग्जाम में कैंसिल कर दिया है और 21 जून को फिर से एग्जाम कराने वाली है। शिक्षा मंत्रालय के अलावा पीएमओ और रक्षा मंत्रालय भी रि-एग्जाम की निगरानी कर रहे हैं। 21 जून को दोबारा होने वाले एग्जाम क्वेश्चन पेपर की सेटिंग से लेकर छपाई, ट्रांसपोर्टेशन और डिलीवरी की प्रक्रिया में सेना और वायुसेना को शामिल किया जाएगा। एनटीए को दुरुस्त करने के लिए सरकार ने 2 जॉइंट सेक्रेटरी- अनुजा बापट और रुचिरा विज, 2 नए जॉइंट डायरेक्टर- आकाश जैन और आदित्य राजेंद्र भोजगढिया को एजेंसी में नियुक्त किया है। 28 मई को धर्मेंद्र प्रधान ने खुद इस गड़बड़ी की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने माना कि 17 लाख छात्रों की लगभग 98 लाख कॉपियों को स्कैन करने में गंभीर खामियां रहीं। सीबीएसई के पोर्टल की सुरक्षा खामियों को दूर करने के लिए आईआईटी मद्रास और कानपुर के डायरेक्टर और उनकी टीम काम कर रही है। ओएसएम के टेंडर प्रोसेस की गड़बड़ियों की तह तक जाने के लिए जांच कमेटी बनाई गई है। कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन की अध्यक्ष एस राधा चौहान को इस कमेटी की कमान सौंपी गई है। ये एक महीने में रिपोर्ट देगी। 7 जुलाई 2021 से धर्मेंद्र प्रधान शिक्षा मंत्री हैं। राहुल गांधी का कहना है कोई एग्जाम ईमानदारी से नहीं हुआ। 1 करोड़ बच्चों पर असर पड़ा है। पूरी शिक्षा व्यवस्था बर्बाद कर दी है। अभिजीत दीपके ने कहा- 'शिक्षामंत्री को इस्तीफा देना चाहिए, अब तक 5 स्टूडेंट सुसाइड कर चुके हैं।'

5 मई 2024 को करीब 24 लाख से ज्यादा बच्चों ने नीट-यूजी 2024 का एग्जाम दिया। 4 जून को नतीजे आए, तो 67 स्टूडेंट्स को 720 में से पूरे 720 अंक मिले। इनमें 6 बच्चे हरियाणा के झज्जर के एक ही सेंटर के थे। बच्चों और टीचर्स ने गड़बड़ी और पेपर लीक का आरोप लगाया। सीबीआई ने जांच की और पेपर लीक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि कोचिंग नेटवर्क से लेकर बिचौलियों तक ने पेपर लीक कराया। रिक्रूटमेंट एग्जाम की जिम्मेदारी एनटीए से ले ली गई। तय हुआ कि अब एनटीए सिर्फ नीट जैसे एंट्रेंस एग्जाम करवाएगा। 3 मई 2026 को 22.79 लाख छात्रों ने नीट-यूजी 2026 का ऑफलाइन एग्जाम दिया। 7 मई को खबर आई कि क्वेश्चन-पेपर सोशल मीडिया पर एग्जाम से पहले ही लीक हो चुका था। कुल 17.68 लाख छात्रों ने 2026 की सीबीएसई 12th बोर्ड के एग्जाम दिए। रिजल्ट आया तो, पिछली बार के 88.39% के मुकाबले 85.2% स्टूडेंट्स ही पास हुए। 22% यानी 4 लाख से ज्यादा छात्रों ने कॉपी दोबारा जांचने यानी री-इवैल्यूएशन के लिए अप्लाई किया। कई स्टूडेंट्स ने मार्किंग में गड़बड़ी के चलते कम नंबर आने की शिकायत की।

दरअसल, सीबीएसई ने पहली बार ऑन-स्क्रीन मार्किंग, ओएसएम नाम की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया। तर्क दिया कि इससे चेकिंग ज्यादा तेज और सटीक होती है और डेटा एंट्री की गड़बड़ियों में कमी आती है। सीबीएसई ने ओएसएम के जरिए कॉपी जांचने का ठेका 'कोएम्प्ट एडुटेक' नाम की हैदराबाद बेस्ड कंपनी को दिया था, जो तेलंगाना, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों मे डिजिटल इवैल्यूएशन का काम करती है। 2019 में इसका नाम 'ग्लोबरेना टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड' था। तब इसपर तेलंगाना में 12th बोर्ड एग्जाम में गड़बड़ी के आरोप लगे थे। वहां 9.74 लाख में से 3 लाख से ज्यादा बच्चे फेल हो गए थे। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि 'कोएम्प्ट एडुटेक' को ठेका देने के लिए नियमों में ढील दी गई और टीसीएस जैसी बेहतर कंपनियों को दरकिनार किया गया। ये भी आरोप लगा कि 'कोएम्प्ट एडुटेक' के डायरेक्टर राधाकृष्णन जयरामन अमेरिका में पढ़ाई के लिए गई धर्मेंद्र प्रधान की बेटी निमिषा प्रधान के लोकल गार्डियन थे।

30 मई को सीयूईटी यूजी की पहली शिफ्ट में तकनीकी गड़बड़ी के चलते कई सेंटर्स पर एग्जाम ढाई घंटे देर से शुरू हुआ। एग्जाम में तकनीकी सपोर्ट का जिम्मा टीसीएस का था। छात्रों को तकनीकी गड़बड़ी के बारे में नहीं बताया गया। करीब 3,765 छात्र ऐसे थे, जिन्होंने बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन तो पूरा किया था, लेकिन एग्जाम नहीं दे सके। एनटीए ने गलती मानी और कहा कि इन छात्रों को दोबारा परीक्षा का मौका मिलेगा। इसके अलावा 13 जनवरी 2026 को शिक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन, यानी यूजीसी ने यूनिवर्सिटीज में कथित जातीय भेदभाव को लेकर विवादित नियम नोटिफाई किए थे।

सुशासन तिहार में अफसरों की क्लास

कर्मचारी बोले-सब रीलबाजी, सीएम से लेकर सांसद-विधायक ने मंच से फटकारा

> कहीं सस्पेंशन तो कहीं बैठक से निकाला

रायपुर, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 1 मई से शुरू हुए सुशासन तिहार का मकसद लोगों की शिकायतें सुनना और उनका समय पर समाधान करना था। लेकिन इस बार यह अभियान सिर्फ आवेदन लेने और समाधान शिविर लगाने तक सीमित नहीं रहा।

पूरे अभियान के दौरान कई ऐसे मौके आए जब मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक अधिकारियों पर नाराज होते दिखाई दिए। कहीं अधिकारियों को मंच से फटकार लगाई गई, कहीं बैठक से बाहर भेज दिया गया, तो कहीं सस्पेंशन के आदेश तक जारी हो गए। करीब एक महीने के अंदर अलग-अलग जिलों से ऐसे कई मामलों के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इसका छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन ने विरोध किया है और आंदोलन की चेतावनी दी है। फेडरेशन ने ये भी आरोप लगाया कि ये सब सोशल मीडिया पर रील्स के लिए किया जा रहा है। आइए तारीखवार जानते हैं कि सुशासन तिहार के दौरान कब, कहां और किस जनप्रतिनिधि ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए, जिसका अब कर्मचारी संगठन विरोध कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारी को बैठक से बाहर भेजा

सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बलरामपुर जिले के दौरे पर थे। समीक्षा बैठक के दौरान लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के एक अधिकारी से सड़क मरम्मत कार्यों की जानकारी मांगी गई। अधिकारी ना तो जानकारी दे पाए और न ही सवालों का संतोषजनक जवाब दे सके। इस पर मुख्यमंत्री नाराज हो गए। उन्होंने अधिकारी से कहा कि पहले सही जानकारी लेकर आएं और उसके बाद बैठक में शामिल हों। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अधिकारी को बैठक से बाहर जाना पड़ा। इस घटना के बाद बैठक में मौजूद अधिकारियों के बीच सन्नाटा छा गया।

बैठक में मौजूद अधिकारियों के लिए यह साफ संदेश था कि अधूरी जानकारी और लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय पर पूरा किया जाए।

जिसका केस लड़ रहा था, उसी ने वकील को मार-डाला

आंखों में मिर्च झोंकी, पत्थर से सिर कुचला, पत्नी से अफेयर के शक में हत्या

बिलासपुर, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में अफेयर के शक में वकील की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। घात लगाकर बैठे आरोपी ने वकील की आंखों में मिर्च पाउडर झोंका, फिर पत्थर से ताबड़तोड़ हमला किया। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग निकला। दरअसल, निखिल गोस्वामी (27) एक अपराधी प्रवृत्ति के युवक भोला मानिकपुरी (28) का केस लड़ रहा था। इसी दौरान भोला की पत्नी से उसका अफेयर हो गया। इसी शक में भोला ने वकील को मार डाला। रात को वकील अपने दोस्त के साथ किसी काम से बाहर निकला था। हमले के बाद उसका दोस्त मौके से भाग निकला। फिलहाल पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और उसके ठिकानों पर दबिश दे रही है। वहीं, इस वारदात के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है।

इबोला को लेकर छत्तीसगढ़ अलर्ट

क्वारंटाइन किए गए लोगों में नहीं मिले संक्रमण के लक्षण : स्वास्थ्य मंत्री

रायपुर, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इबोला वायरस संक्रमण की आशंका को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि राज्य सरकार पिछले एक महीने से संभावित खतरे को देखते हुए सभी स्तरों पर तैयारियों में जुटी हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल प्रदेश में इबोला संक्रमण का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि दुर्ग जिले में एहतियातन तीन विदेशी नागरिकों को आइसोलेशन और क्वारंटाइन में रखा गया है। ये तीनों अफ्रीकी देशों के नागरिक हैं और निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत 21 दिनों तक निगरानी में रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब तक की जांच में किसी भी व्यक्ति में इबोला वायरस की पुष्टि नहीं हुई है और न ही उनमें संक्रमण से जुड़े कोई लक्षण पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई के लिए सभी व्यवस्थाएं तैयार हैं।

कर्नाटक की राजनीति पर भी साधा निशाना

कर्नाटक में मंत्री रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए श्याम बिहारी जायसवाल ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल केवल सत्ता हासिल करने के उद्देश्य से चुनाव लड़ते हैं और उनके पास कोई स्पष्ट विचारधारा या सिद्धांत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी पार्टियों का मुख्य उद्देश्य सत्ता के लाभ प्राप्त करना होता है, जबकि जनहित और देशहित उनके एजेंडे में प्राथमिकता नहीं रखते।

सीएम हेल्पलाइन से बढ़ेगा जनता का भरोसा

राज्य में शुरू की जा रही सीएम हेल्पलाइन को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह पहल आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि कई बार लोगों की समस्याएं उच्च स्तर तक नहीं पहुंच पातीं, लेकिन हेल्पलाइन व्यवस्था से नागरिक सीधे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इस व्यवस्था से शिकायतों की निगरानी बेहतर होगी और लोगों का सरकार पर भरोसा भी मजबूत होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीएम हेल्पलाइन शासन और जनता के बीच संवाद को और अधिक प्रभावी बनाएगी।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल ऑफिस में लगी भीषण आग

बाल-बाल बचे कर्मचारी, जलकर खाक हुए जरूरी दस्तावेज

रायपुर, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के व्यस्ततम कारोबारी इलाके बॉम्बे मार्केट से एक बड़ी और डराने वाली खबर सामने आई है। यहां स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में शनिवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। बैंक परिसर के भीतर से अचानक धुएं का काला गुबार उठता देख आसपास के दुकानदारों, कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया और पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना सुबह करीब 9 बजे की है, जब जोनल कार्यालय के भीतर से पहले हल्का धुआं निकलना शुरू हुआ। देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में आग की लपटों ने रौद्र रूप धारण कर लिया। गनीमत यह रही कि शनिवार होने के बावजूद जो कर्मचारी सुबह के वक्त दफ्तर में मौजूद थे, उन्हें समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस सूझबूझ के चलते एक बड़ा हादसा टल गया और किसी भी प्रकार की जनहानि या किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

झारखंड राज्यसभा चुनाव में बड़ा दांव

झामुमो ने बैद्यनाथ राम को बनाया उम्मीदवार, सियासी हलचल तेज

मुजफ्फरपुर, 6 जून (एजेंसियां)। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने अपने उम्मीदवार के नाम की आधिकारिक घोषणा कर दी है। पार्टी ने अपने केंद्रीय उपाध्यक्ष बैद्यनाथ राम को राज्यसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है।

पार्टी कार्यालय में हुई आधिकारिक घोषणा

शनिवार को रांची स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने इसकी औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्टी पूरी ताकत के साथ बैद्यनाथ राम की जीत सुनिश्चित करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि बैद्यनाथ राम आगामी 8 जून को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित राज्य सरकार के कई मंत्री और वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

अनुभवी नेता के रूप में बैद्यनाथ राम

बैद्यनाथ राम झारखंड की राजनीति का एक अनुभवी चेहरा माने जाते हैं। वे राज्य सरकार में कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वे पूर्व में हेमंत सोरेन सरकार में शिक्षा मंत्री रह चुके हैं। इससे पहले वे भारतीय जनता पार्टी में भी सक्रिय रहे हैं और भाजपा शासनकाल में अर्जुन मुंडा सरकार के दौरान शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे अहम विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। झामुमो द्वारा बैद्यनाथ राम को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद राज्यसभा चुनाव का राजनीतिक समीकरण और अधिक दिलचस्प हो गया है। अब सभी की नजरें नामांकन प्रक्रिया और आगामी चुनावी रणनीतियों पर टिकी हैं।

काठमांडू कलिंग साहित्यिक महोत्सव में बी.पी. आचार्य की काव्य पुस्तक का विमोचन

काठमांडू, 6 जून (एजेंसियां)। काठमांडू कलिंग साहित्यिक महोत्सव के चौथे संस्करण के उद्घाटन के अवसर पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी बी.पी. आचार्य द्वारा संपादित कविता संग्रह 'पोएम्स अक्रॉस टाइम' का औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय पाठकों के लिए विमोचन किया गया। यह विमोचन नेपाल की पूर्व प्रधानमंत्री सुशीला कार्की द्वारा संपन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर प्रतिष्ठित ओड़िया लेखिका एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता डॉ. प्रतिभा राय सहित नेपाल और भारत के कई प्रमुख लेखक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अनूठे काव्य संग्रह में स्वयं बिभू आचार्य, उनके दिवंगत बड़े भाई डॉ. डी.पी. आचार्य और उनके भतीजे अंशुमन (जो एक अनिवासी भारतीय/एनआरआई हैं) की कविताएं संकलित हैं। कई दशकों और विभिन्न भौगोलिक परिवेशों में फैली ये कविताएं एक ही परिवार की तीन अलग-अलग पीढ़ियों की रचनात्मक अभिव्यक्तियों की गहरी और अनूठी झलक प्रस्तुत करती हैं।

हाईकोर्ट बोला-जहां निवास वहां केस की सुनवाई

भरण-पोषण केस में डॉक्टर पति की याचिका खारिज
फैमिली कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को दी थी चुनौती

बिलासपुर, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट जस्टिस बीडी गुरु ने पत्नी और दो नाबालिग बेटियों के भरण-पोषण मामले में फैमिली कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर अहम फैसला सुनाते हुए डॉक्टर पति की तरफ से दायर पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि पत्नी वर्तमान में बिलासपुर में निवास कर रही है, तो वह बिलासपुर फैमिली कोर्ट में भरण-पोषण की याचिका पेश कर सकती है। हाईकोर्ट ने कहा कि, केवल स्थायी पता सारंगढ़ होने के आधार पर बिलासपुर फैमिली कोर्ट के क्षेत्राधिकार को चुनौती नहीं दी जा सकती। दरअसल, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में रहने वाले एक डॉक्टर और उनकी पत्नी की शादी 16 मई 2019 को हुई थी। दंपत्ति की दो बेटियां हैं। पत्नी ने बिलासपुर के फैमिली कोर्ट में बीएनएसएस की धारा 144 के तहत भरण-पोषण का आवेदन दायर करते हुए आरोप लगाया था कि, शादी के बाद उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। पत्नी ने यह भी आरोप लगाया कि पति का अपनी भाभी के साथ अवैध संबंध है। इस संबंध में उसने 29 दिसंबर 2022 को सारंगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद उसी दिन पति ने उसे और दोनों बच्चियों को घर से निकाल दिया। पत्नी ने अदालत को बताया कि उसके पास आय का कोई स्रोत नहीं है और दोनों बच्चियां उसके साथ रहती हैं। वहीं पति पेशे से डॉक्टर हैं और कृषि भूमि से भी आय अर्जित करते हैं। इसलिए उसने अपने लिए एक लाख रुपए और दोनों बेटियों के लिए 20-20 हजार रुपए प्रतिमाह, कुल 1.40 लाख रुपए मासिक भरण-पोषण की मांग की।

अडानी के अमेरिकी दोस्त ने सरकारी दिग्गज को बेचे दो कंपनियों के शेयर, ऐसे बनाया तगड़ा मुनाफा

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। एसबीआई म्यूचुअल फंड ने ओपन मार्केट ट्रांज़ैक्शन के जरिए यूएस की जीक्यूजी पार्टनर्स से अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में हिस्सेदारी खरीदी.

यह सौदा 5,747 करोड़ रुपए की बताई जा रही है. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ब्लॉक डील डेटा के अनुसार, एसबीआई म्यूचुअल फंड ने अडानी ग्रुप की मुख्य कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में 1,64,39,984 शेयर खरीदे, जो लगभग 1.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं. इसके अलावा, एसबीआई एमएफ ने अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में भी 63,65,796 शेयर खरीदे, जो 0.52 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं. ये शेयर 1,504.80 रुपए से 2,913.40 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर खरीदे गए, जिससे कुल ट्रांज़ैक्शन वैल्यू 5,747.55 करोड़ रुपए हो गई.

वहीं, राजीव जैन की जीक्यूजी पार्टनर्स ने अपनी सहयोगी कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स इमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी फंड के ज़रिए अडानी ग्रुप की इन दो कंपनियों में उतने ही शेयर बेचे. यह हिस्सेदारी खरीद पिछले महीने एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा अडानी की मुख्य कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में 1,435 करोड़ रुपए में 0.45 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के बाद हुई है. एनएसई पर अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 2.36 प्रतिशत बढ़कर 3,043 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुए, जबकि अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर 3.87 प्रतिशत चढ़कर 1,578.80 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुए.

2023 में किया था मोटा निवेश

यह हिस्सेदारी बिक्री अडानी ग्रुप के शेयरों में पिछले एक साल में आई जबरदस्त तेजी के बाद हो रही है. इस दौरान ग्रुप की कई कंपनियों ने 2023 में अमेरिकी शॉर्ट–सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों के बाद आई अस्थिरता से तेजी से उबरकर वापसी की. उस घटना के बाद, जीक्यूजी अडानी ग्रुप का समर्थन करने वाले शुरुआती बड़े इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स में से एक बनकर उभरा था. 2023 से शुरू करके, फंड मैनेजर ने अडानी की कई कंपनियों में अरबों डॉलर का निवेश किया, जिससे ऐसे समय में इन्वेस्टर्स का भरोसा बहाल करने में मदद मिली जब ग्रुप में विदेशी इंस्टीट्यूशनल भागीदारी कमज़ोर पड़ गई थी.

तेल-गैस संकट के बीच अंडमान से भारत के लिए आई बडी खुशखबरी

मिला नेचुरल गैस का खजाना; हरदीप सिंह पुरी का एलान

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। वर्तमान समय में दुनिया ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। भारत में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। तेल-गैस की कीमतों में उछाल के बीच भारत के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने घोषणा की है कि अंडमान सागर में एक नए स्थान पर प्राकृतिक गैस के भंडार का पता चला है। इस खोज को भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यह खोज ऑयल इंडिया लिमिटेड द्वारा अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित श्री विजयपुरम-3 नामक खोजी कुएं में की गई है। यह कुआं करीब 355 मीटर गहरे समुद्री क्षेत्र में खोदा गया था। शुरुआती परीक्षणों में यहां प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि हुई है।

पेट्रोलियम मंत्री ने दी जानकारी

हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि यह भारत के समुद्री तेल और गैस अन्वेषण कार्यक्रम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि करीब 1,900 मीटर से अधिक गहराई में किए गए परीक्षणों के दौरान लगातार गैस फ्लेयरिंग देखी गई, जिससे प्राकृतिक गैस की उपस्थिति प्रमाणित हुई।

अंडमान बेसिन से लगातार मिल रही सफलता

यह खोज इसलिए भी खास है क्योंकि मौजूदा अभियान के तहत अंडमान बेसिन में खोदे गए तीन खोजी कुओं में से दो में अब तक हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी मिल चुकी है। इससे यह उम्मीद और मजबूत हुई है कि अंडमान क्षेत्र में तेल और गैस के बड़े भंडार छिपे हो सकते हैं। इससे पहले वर्ष 2025 में श्री विजयपुरम-2 कुएं में भी प्राकृतिक गैस मिलने की पुष्टि हुई थी। वहां मिली गैस में लगभग 87 प्रतिशत मीथेन पाया गया था। उस सफलता के बाद ही इस क्षेत्र में अन्वेषण गतिविधियों को और तेज किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि अंडमान बेसिन की भूगर्भीय संरचना म्यांमार और इंडोनेशिया के उन क्षेत्रों से मिलती-जुलती है, जहां बड़े पैमाने पर तेल और गैस के भंडार मौजूद हैं।

ऐसे में नई खोजें इस क्षेत्र की संभावनाओं को और बढ़ा रही हैं।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगा बल

भारत अपनी तेल और गैस जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है। ऐसे में घरेलू स्तर पर प्राकृतिक गैस और तेल के नए स्रोत मिलने से आयात पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा भी मजबूत होगी।ऑयल इंडिया अब इस गैस भंडार का विस्तृत अध्ययन करेगी। कंपनी गैस के नमूने एकत्र कर उसकी गुणवत्ता, संरचना और ऊर्जा क्षमता का परीक्षण करेगी। साथ ही वैज्ञानिक यह भी पता लगाएंगे कि यह गैस किस प्रकार बनी और इसका व्यावसायिक उपयोग किस स्तर तक संभव है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि अंडमान क्षेत्र में आगे भी कई नए खोजी कुएं खोदे जाएंगे।

आधी भी नहीं बची बिटकॉइन की कीमत

8 महीने में बड़ी गिरावट, निवेशक धड़ाधड़ निकाल रहे पैसा

नई दिल्ली,6 जून (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार 60,000 डॉलर के स्तर से नीचे गिर गया। इसके साथ ही बिटकॉइन में जारी गिरावट और तेज हो गई है। अक्टूबर में 1.26 लाख डॉलर से अधिक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद से यानी 8 महीने में यह अपनी कीमत का आधे से ज्यादा हिस्सा गंवा चुका है। शनिवार सुबह बिटकॉइन में करीब 7 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई और इसकी कीमत 59,101 डॉलर तक पहुंच गई। बाद में यह 59,743.21 डॉलर के आसपास कारोबार करता देखा गया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, बिटकॉइन पर दबाव का एक बड़ा कारण तरलता में बदलाव है, खासकर संस्थागत निवेशकों की ओर से निवेश कम किया जाना।

कहां निवेश कर रहे लोग?

निवेशकों की पूंजी अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रक्षा, ऊर्जा और बुनियादी ढांचा जैसे क्षेत्रों की ओर बढ़ रही है, जिससे क्रिप्टोकरेंसी बाजार से पूंजी निकल रही है। विश्लेषकों का कहना है कि सोने और एआई से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में बढ़ती दिलचस्पी ने भी क्रिप्टोकरेंसी की मांग को प्रभावित किया है। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं को लेकर निवेशकों के बदले हुए नजरिए का भी क्रिप्टो बाजार पर असर पड़ा है।

क्या लौटेगा निवेशकों का भरोसा?

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अब निवेशकों की नजर इस बात पर रहेगी कि क्या बिटकॉइन 60,000 से 62,000 डॉलर के महत्वपूर्ण समर्थन स्तर को बनाए रख पाता है या नहीं। अगर यह स्तर बना रहता है तो बाजार में निवेशकों का भरोसा फिर से लौट सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश प्रवाह, संस्थागत भागीदारी, वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम और भू-राजनीतिक परिस्थितियां निकट भविष्य में बिटकॉइन की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे।

ट्रंप के चुनाव जीतने के बाद आई थी तेजी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा चुनाव जीतने के बाद बिटकॉइन निवेशकों की पहली पसंद बन गया था और इसकी कीमत रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई थी।

5.1% महंगाई का नया लक्ष्य और 'पॉलिमर नोट' की तैयारी में आरबीआई

समझिए आम आदमी के लिए मायने

मुंबई,6 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर सजंय मल्होत्रा ने एमपीसी के फैसलों की घोषणा करने के बाद अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वैश्विक संकट से केवल भारत ही प्रभावित नहीं हुआ है, बल्कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित हैं, लेकिन हम तुलनात्मक रूप से अच्छी स्थिति में हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिनों तक चले आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति बैठक यानी एमपीसी के फैसलों का एलान शुकवार को किया। उन्होंने बताया कि मौद्रिक नीति समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया है। बुधवार से चल रही एमपीसी की तीन दिवसीय गहन चर्चा के बाद यह महत्वपूर्ण घोषणा की गई। गवर्नर ने कहा, 'पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव और इसके कारण महंगाई और आर्थिक विकास में तनाव के बाद भी भारत अन्य देशों की तुलना में अच्छी स्थिति में हैं।'

अन्य देशों की तुलना में भारत अच्छी स्थिति में है: आरबीआई गवर्नर

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर सजंय मल्होत्रा ने एमपीसी के फैसलों की घोषणा करने के बाद अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वैश्विक संकट से केवल भारत ही प्रभावित नहीं हुआ है, बल्कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित हैं, लेकिन हम तुलनात्मक रूप से अच्छी स्थिति में हैं। भारत की व्यापक आर्थिक स्थिति स्थिर और स्वस्थ्य बनी हुई है। गवर्नर ने कहा हमारे बैंक मजबूत हैं और कंपनियों की बैलेंस शीट भी स्वस्थ्य है,साथ ही हमारे पास पर्यात विदेशी मुद्रा

भंडार है। बाहरी स्थितियां भले ही चिंताजनक बनी हुईं है, लेकिन घरेलू स्तर पर हम पहले से कही अधिक मजबूत हैं। महंगाई पर

बोलते हुए उन्होंने कहा कि, यदि महंगाई व्यापक और लगातार बनी रहती है तो आरबीआई इस पर कार्रवाई करेगा। फिलहाल केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति अनुमानों को भी पहले के 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है।

डॉलर का प्रवाह उचित और स्वस्थ्य रहने की उम्मीद

गवर्नर सजंय मल्होत्रा ने डॉलर के प्रवाह पर बोलते हुए कहा यह डॉलर का प्रवाह उचित और स्वस्थ्य रहने की उम्मीद है। हम किसी विशेष संख्या को लक्षित नहीं कर रहे हैं। हमले ईसीबी और आज घोषित किए गए उपायों के माध्यम से उचित मात्रा में डॉलर के प्रवाह की उम्मीद कर रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि बाहरी स्थितियों को देखते हुए हमने कच्चे तेल की कीमत का अनुमान 85 डॉलर प्रति बैरल से बदलकर 95 डॉलर प्रति डॉलर कर दिया गया है। वहीं उन्होंने सोने के मुद्रीकरण के लिए कोई भी प्रस्तावित योजना नहीं हैं। फिलहाल आरबीआई इस पर विचार नहीं कर रहा है। जबकि प्लास्टिक या पॉलीमार के नोट लाने की संभावना पर बोलते हुए गवर्नर ने कहा, फिलहाल यह प्रस्तावित योजना है। जो भी खबरें आ रही हैं, वे अनुमानित हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	वृष	मे
चंद्र	कुंभ	मे
मंगल	मेष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	मिथुन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
वृष	04-18 बजे
मिथुन	06-18 बजे
कर्क	08-30 बजे
सिंह	10-43 बजे
कन्या	12-49 बजे
तुला	14-54 बजे
वृश्चिक	17-05 बजे
धनु	19-17 बजे
मकर	21-24 बजे
कुंभ	23-14 बजे
मीन	00-53 बजे
मेष	02-29 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-44
सूर्यास्त. 18-44
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष रविवार 07 June 2026
तिथि - सप्तमी 03- 24 रात्रि तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - धनिष्ठा 07-55 तक उप शतभिषा
योग. - वैधृति 10-01 तक उप विष्कुंभ
करण - विष्टी(भद्रा)15-08 तक उप बव
विशेष: पंचक
भद्रा 15-08 तक

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 17-10 से 18-48 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 05-45 - 07-20 अशुभ	शुभ। 18-39 - 20-10 शुभ
चंचल 07-20 - 08-59 शुभ	अमृत 20-10 - 21-32 शुभ
लाभ 08-59 - 10-37 शुभ	चंचल 21-30 - 22-53 शुभ
अमृत 10-37 - 12-15 शुभ	रोग 22-53 - 00-15 अशुभ
काल 12-15 - 13-53 अशुभ	काल 00-15 - 01-37 अशुभ
शुभ 13-53 - 15-32 शुभ	लाभ 01-37 - 02-59 शुभ
रोग 15-32 - 17-10 अशुभ	उत्पात 02-59 - 04-21 अशुभ
उत्पात 17-10 - 18-39 अशुभ	शुभ 04-21 - 05-45- शुभ

होर्मुज संकट ने बदला भारत का ऑयल मैप

अब वेनेजुएला से भर–भरकर आएंगे तेल के टैंकर, रूस को झटका

नई दिल्ली,6 जून (एजेंसियां)। पिछले तीन वर्षों से भारत तेल आयात में रूस पर काफी निर्भर रहा है। यूक्रेन युद्ध के बाद रियायती दरों पर मिलने वाले रूसी कच्चे तेल ने भारत के आयात बास्केट को पूरी तरह बदल दिया और मॉस्को नई दिल्ली का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया। लेकिन हाल के दिनों में पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में अस्थिरता, प्रतिबंधों को लेकर अनिश्चितता और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर पैदा हुए संकट ने भारत को अपनी ऊर्जा रणनीति पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। यही वजह है कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की भारत यात्रा के बाद नई दिल्ली और वेनेजुएला के बीच दीर्घकालिक ऊर्जा समझौतों को लेकर बातचीत तेज हो गई है। यह चर्चा सिर्फ अधिक तेल खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के ऊर्जा मानचित्र को बदलने, आपूर्तिकर्ताओं में विविधता लाने और संवेदनशील समुद्री मार्गों पर निर्भरता कम करने की एक रणनीतिक कोशिश है।भारत अपनी जरूरत का लगभग 90 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है, जो देश की सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरियों में से एक है।पहले भारत का अधिकांश तेल मध्य पूर्व (इराक, सऊदी अरब और यूएई) से आता था। साल 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते रूसी तेल सस्ता हुआ। ऐसे में भारतीय रिफाइनरियों ने रिकॉर्ड खरीदारी कर रूस को अपना नंबर वन सप्लायर बना दिया। ईरान और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली सप्लाई गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। इस संकट से पहले भारत का लगभग 40 प्रतिशत कच्चा तेल इसी मार्ग से आता था। इसी चोकपॉइंट के बंद होने से भारत को अब नए विकल्प तलाशने पड़ रहे हैं।

वेनेजुएला बना दूसरा सबसे बड़ा आयातक

रॉयटर्स के मुताबिक मई महीने में भारत वेनेजुएला के कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन गया, जिसने प्रतिदिन लगभग 4,27,000 बैरल तेल खरीदा। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, जबकि भारत के पास इसकी भारी और लगातार बढ़ती मांग है।

बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, यह एक बड़ी गलतफहमी है।

वेनेजुएला को रूस के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि विविधता के एक साधन के रूप में देखा जा रहा है। रूसी तेल आज भी भारतीय रिफाइनरियों के अनुकूल है और आर्थिक रूप से बेहद किफायती है।

अगर 10% का मिला हाइक, तो 12 लाख से 50 लाख तक की सैलरी पर ये होगा असर

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। नौकरीपेशा लोगों के लिए सैलरी बढ़ना हमेशा खुशखबरी होती है, लेकिन हर बढ़ी हुई रकम सीधे जेब में नहीं पहुंचती. नई टैक्स व्यवस्था में आय बढ़ने के साथ टैक्स देनदारी भी बढ़ जाती है, जिससे सैलरी हाइक का एक हिस्सा टैक्स में चला जाता है. खासकर 12 लाख रुपये से 50 लाख रुपये सालाना कमाने वाले कर्मचारियों के लिए 10% वेतन बढ़ोतरी का वास्तविक फायदा अलग-अलग हो सकता है. आइए समझते हैं कि सैलरी बढ़ने के बाद हाथ में कितनी अतिरिक्त रकम बचती है.किसी कर्मचारी की सैलरी बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि उसकी पूरी अतिरिक्त आय उसके बैंक खाते में पहुंच जाएगी. आय बढ़ने के साथ टैक्स स्लैब के अनुसार टैक्स भी बढ़ता है. इसके अलावा बेसिक सैलरी से जुड़ी कुछ कटौतियां, जैसे कर्मचारी भविष्य निधि भी बढ़ सकती हैं. इसका असर टेक-होम सैलरी पर पड़ता है. नई टैक्स व्यवस्था के तहत वेतनभोगी कर्मचारियों को 75,000 रुपये का स्टैंडर्ड डिडक्शन मिलता है, लेकिन इसके बावजूद आय बढ़ने पर टैक्स देनदारी भी बढ़ जाती है.

12 लाख रुपये सैलरी वालों पर सबसे ज्यादा असर

यदि किसी कर्मचारी की सालाना सैलरी 12 लाख रुपये है और उसे 10% की बढ़ोतरी मिलती है, तो उसकी आय 1.2 लाख रुपये बढ़ जाएगी. हालांकि बढ़ी हुई आय पर टैक्स देनदारी भी बढ़ेगी. मार्जिनल रिलीफ का लाभ मिलने के बाद भी लगभग 46,800 रुपये अतिरिक्त टैक्स देना पड़ सकता है. ऐसे में कर्मचारी के हाथ में वास्तविक फायदा करीब 73,200 रुपये ही रह जाता है.16 लाख रुपये सालाना कमाने वाले कर्मचारी को 10% हाइक के बाद 1.6 लाख रुपये अतिरिक्त मिलेंगे. लेकिन टैक्स कटने के बाद उसके पास करीब 1.31 लाख रुपये का वास्तविक लाभ बचेगा. वहीं 20 लाख रुपये की सैलरी वाले कर्मचारी को 2 लाख रुपये की बढ़ोतरी पर लगभग 1.52 लाख रुपये का पोस्ट-टैक्स फायदा मिलेगा.

अगर किसी कर्मचारी की सालाना आय 24 लाख रुपये है, तो 2.4 लाख रुपये की बढ़ी हुई सैलरी में से टैक्स कटने के बाद लगभग 1.69 लाख रुपये का फायदा ही हाथ में आएगा.जैसे-जैसे आय बढ़ती है, टैक्स का असर भी अधिक दिखाई देता है.

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आत्मविश्वास आपके दिन का नेतृत्व करता है क्योंकि आप अपने काम में गहराई और उद्देश्य पाते हैं। आप आविष्कारशील विचारों के साथ सफल होने के लिए प्रेरित हैं, हालांकि सतर्क रहने से छोटी-मोटी दुर्घटनाओं से बचने में मदद मिलती है। आपकी ईमानदारी महत्वपूर्ण सफलताओं को जन्म दे सकती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है , लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज आप खर्चीले साबित हो सकते है ! आपकी अवचेतन अवस्था आध्यात्मिक संदेशो के द्वारा निर्देशित हो सकती है जिस में आप फस सकते हो , सुझाव व उपायों में कोई खराबी नहीं है ,परन्तु अपनी बचत को खाली कर के नहीं । तथ्यात्मक यह सब अच्छा नहीं होगा, बस धैर्य रखने की जरुरत है और चीजे धीरे-धीरे ठीक होनी शुरू हो जाएंगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज रचनात्मक अवसर अंतहीन लगते हैं, लेकिन कल्पना में खो जाना आसान है। अपनी योजनाओं को ट्रैक पर रखने के लिए ज़मीन पर बने रहें। करीबी संबंधों में भावनात्मक बदलाव हो सकते हैं, जिससे काम पर ध्यान केंद्रित करने में बाधा आ सकती है। अपने विचारों को व्यावहारिक रखें और अति प्रतिबद्धता से बचें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपने हाल ही में जो कड़ी मेहनत की है , उसकी हर दिशा से सराहना होगी । आपको एक बोनस या एक लंबे समय से वेतन वृद्धि की चाह थी वो पूरी हो सकती है । आपको एक अच्छे वित्तीय अवसर की पेशकश भी की जा सकती है , जिसकी अपेक्षा आपको नहीं थी । हालाँकि ये एक बहुत बड़ा नहीं है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है ताकि आप अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सके ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)
आपका करियर आपको संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। कार्यों में सटीकता पर ध्यान दें। बेहतर सहयोग के लिए अपने संबंधों का विस्तार करें। हालाँकि, लाभहीन सट्टेबाज़ी से बचें, जो नुकसान का कारण बन सकती है। भावनाओं की समृद्धि को अपनाएँ, इसे विस्तृत इशारों पर नियंत्रण के साथ संतुलित करें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप संवेदनशील और खुश दोनों महसूस कर सकते हैं। एक सुरक्षात्मक मूड आपको दूसरों से जुड़ने में मदद करता है, जबकि स्थिर ऊर्जा आपको स्थिर रखती है। आप अपनी भावनाओं को आसानी से व्यक्त करने की संभावना रखते हैं, और परिचित दिनचर्या आराम देती है। हल्का-फुल्का पढ़ना या रचनात्मक गतिविधियाँ आपका उत्साह बढ़ा सकती हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपका काम और पढ़ाई अच्छी तरह से चलने की संभावना है, आपमें प्रबल ऊर्जा और एकाग्रता रहेगी। स्पष्ट सोच आपको अच्छे निर्णय लेने में मदद करती है, और आप खुद के साथ तालमेल महसूस करते हैं। चुनौतियों का सामना करने और अपने लक्ष्यों पर विश्वास के साथ आगे बढ़ने का यह एक बढ़िया समय है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

उपभोक्ताओं को राहत: सरकार ने खाद्य तेलों के लिए मानक पैकेजिंग आकार किए अनिवार्य

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। उपभोक्ता मामले विभाग ने खाद्य तेलों के लिए मानक पैकेजिंग आकार निर्धारित किए हैं। यह कदम उपभोक्ताओं को विभिन्न ब्रांडों की कीमतों की तुलना करने में मदद करेगा। इससे वे सोच-समझकर खरीदारी के निर्णय ले पाएंगे। विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी ढांचे के तहत यह प्रावधान किया है।

विभाग ने खाद्य तेलों और वसा की शुद्ध मात्रा के लिए प्रक्रिया में संशोधन किया है। मानक पैक आकार निर्धारित करने के लिए भी बदलाव किए गए हैं। निर्माताओं, पैकर्स और आयातकों को तीन महीने का संक्रमण काल मिलेगा। उन्हें इस अवधि में नए नियमों का पालन करना होगा। यह निर्णय प्रमुख खाद्य तेल उद्योग संघों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। ये संघ देश के लगभग 90 फीसदी खाद्य तेल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाजार में पारदर्शिता लाना है। पहले गैर-मानक पैकों के कारण उपभोक्ताओं को भ्रम होता था। अब वे आसानी से उत्पादों की तुलना कर पाएंगे।

नए मानक और नियम

संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया में नौ मानक पैक आकार निर्धारित किए गए हैं। इनमें 200 मिलीलीटर/ग्राम, 500 मिलीलीटर/ग्राम, 1 लीटर/किलोग्राम, 2 लीटर/किलोग्राम, 3 लीटर/किलोग्राम, 4 लीटर/किलोग्राम, 5 लीटर/किलोग्राम, 15 लीटर/किलोग्राम और 20 लीटर/किलोग्राम शामिल हैं। ये आकार प्रमुख खाद्य तेलों जैसे पाम, सोयाबीन, सूरजमुखी, सरसों, मूंगफली, तिल, राइस ब्रान, बिनौला और मक्के के तेल पर लागू होंगे। मिश्रित खाद्य तेलों पर भी ये नियम प्रभावी होंगे। यदि मात्रा आयतन में दर्शाई जाती है, तो समतुल्य वजन भी बताना होगा। यह लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के अनुसार होगा। ये प्रावधान घरेलू स्तर पर निर्मित और आयातित दोनों तरह के खाद्य तेलों पर लागू होंगे। 200 मिलीलीटर या 200 ग्राम से कम के पैकेज को इस मानक पैक आकार की आवश्यकता से छूट दी गई है। छोटे खाद्य तेलों को भी इस नियम से बाहर रखा गया है। यह किफायती छोटे पैक की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। विभाग ने कहा कि जो कारोबार समय सीमा से पहले मानक पैक आकार अपनाना चाहते हैं, वे तुरंत ऐसा कर सकते हैं। भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ के अध्यक्ष सुधाकर देसाई ने इस कदम का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम खुदरा अलमारियों पर संरचनात्मक स्थिरता बहाल करेगा। इससे सभी को समान अवसर मिलेंगे।

ईरान संकट, कमजोर मानसून भारत पर महंगाई आधारित मंदी का खतरा, नुवामा की रिपोर्ट में चेतावनी

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। भू-राजनीतिक तनाव और ईरान संकट से तेल आपूर्ति में संभावित बाधा भारत के लिए महंगाई आधारित मंदी का जोखिम बढ़ा सकती है। नुवामा नामक वित्तीय सेवा फर्म ने अपनी सकल घरेलू उत्पाद विश्लेषण रिपोर्ट में यह चेतावनी दी है। यह तब हुआ है जब देश की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2026 को उम्मीद से बेहतर वृद्धि के साथ समाप्त किया। वित्तीय सेवा फर्म ने आगाह किया कि वित्त वर्ष 2027 अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मार्च तिमाही में स्वस्थ आर्थिक गतिविधि के बावजूद यह आशंका जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से इनपुट लागत ऊंची रह सकती है। इससे परिवारों की वास्तविक आय पर भी असर पड़ेगा। अर्थव्यवस्था पहले से ही मुद्रास्फीति के दौर में है। एक लंबा आपूर्ति झटका, खासकर कमजोर मानसून के साथ, मुद्रास्फीतिजनित मंदी का जोखिम बढ़ाता है।

'महिलाओं को बनाया आत्मनिर्भर'

मुख्यमंत्री भजनलाल बोले- मोदी सरकार ने बदली गांवों की तस्वीर

भीलवाड़ा, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राजस्थान की डबल इंजन सरकार गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश में विकास और सुशासन की नई राजनीति की शुरुआत हुई, जिसका सबसे अधिक लाभ गांव, गरीब और महिलाओं को मिला है।

मुख्यमंत्री भीलवाड़ा जिले के खारी का लाम्बा गांव में आयोजित ग्राम विकास चौपाल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, जनधन खाते, हर घर जल, शौचालय निर्माण और मातृ सुरक्षा जैसी योजनाओं को जमीन पर उतारा है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के कारण महिलाओं का सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ा है तथा वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार भी महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि मेधावी छात्राओं को स्कूटी योजना का लाभ सीधे उनके बैंक खातों में राशि जमा करके दिया जाएगा। इसके अलावा मा-वाउचर योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत प्रति लीटर 5 रुपये के अनुदान से हजारों ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। भजनलाल शर्मा ने कहा कि लखपति दीदी योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक क्रांति ला रही है। राज्य सरकार ने इस योजना के तहत ऋण सीमा बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये कर दी है और ब्याज दर घटाकर मात्र 1.5 प्रतिशत कर दी है। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। ग्राम विकास चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को करोड़ों रुपये की सहायता राशि, प्रशासनिक स्वीकृतियां और विभिन्न किट वितरित कीं। राजीविका महिला स्वयं सहायता समूहों को एक करोड़ दस लाख रुपये से अधिक की राशि प्रदान की गई। वहीं उमंग सीएलएफ को 20 लाख रुपये तथा अन्य स्वयं सहायता समूहों को भी वित्तीय सहायता दी गई। इसके अलावा कृषक सहकारी दुर्घटना योजना के तहत 10 लाख रुपये की सहायता राशि भी वितरित की गई।

कार्यक्रम का सबसे प्रभावशाली हिस्सा महिलाओं की सफलता की कहानियां रहीं। राजीविका से जुड़ी सोनू कंवर, मोना देवी, दिव्या शर्मा, हीना बानो और बसंती गुर्जर ने मंच से अपने अनुभव साझा किए। महिलाओं ने बताया कि किस तरह सरकारी योजनाओं और स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर उनका जीवन बदल गया। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं कभी घर से बाहर निकलने में संकोच करती थीं, वे आज हजारों महिलाओं को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भरता की मिसाल बन रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार की योजनाओं का उद्देश्य केवल सहायता देना नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए सरकार अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का काम कर रही है।

महंत देवानंद महाराज की हत्या

मठ के भीतर लहूलुहान हालत में मिला शव

कोटा, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में कोटा जिले से एक बेहद चौंकाने वाली और दर्दनाक खबर सामने आई है। कोटा के बोरखेड़ा थाना इलाके में स्थित चंद्रेसल गांव के एक सुप्रसिद्ध धार्मिक मठ के महंत देवानंद महाराज की बीती रात अज्ञात हमलावरों द्वारा धारदार हथियार से हमला कर निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद से ही न केवल चंद्रेसल गांव बल्कि पूरे कोटा संभाग के धार्मिक और सामाजिक संगठनों में गहरा रोष फैल गया है। पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, महंत देवानंद महाराज रोजाना की तरह मठ परिसर के भीतर अपने कक्ष में विश्राम कर रहे थे। इसी दौरान रात के सन्नाटे का फायदा उठाकर अज्ञात हमलावर मठ के भीतर दाखिल हुए और उन्होंने सीधे महंत के शरीर पर चाकू और अन्य धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया। हमले के बाद जब महंत ने मदद के लिए गुहार लगाई, तो आवाज सुनकर

आसपास के लोग और सेवादार तुरंत मौके की तरफ दौड़े, जिन्हें देखकर हमलावर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। जानकारी में ये भी सामने आया है कि अज्ञात हमलावरों ने इस वारदात को अंजाम देने से पहले मठ में रह रहे एक अन्य महंत के कक्ष को बाहर से बंद कर दिया था।

जब मठ के सेवादार और स्थानीय ग्रामीण महंत देवानंद महाराज के कक्ष के भीतर पहुंचे, तो वहां का नजारा बेहद खौफनाक था। महंत जमीन पर पूरी तरह से लहूलुहान अवस्था में पड़े हुए थे और उनके शरीर से अत्यधिक खून बह चुका था। ग्रामीणों ने बिना एक पल गंवाए इस पूरी घटना की जानकारी तुरंत स्थानीय बोरखेड़ा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बोरखेड़ा थाना अधिकारी तुरंत चंद्रेसल गांव स्थित मठ परिसर पहुंचे।

पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से गंभीर रूप से घायल महंत को तुरंत कोटा के सबसे बड़े महाराव भीमसिंह अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में तैनात सीनियर डॉक्टरों की टीम ने तुरंत महंत का इलाज शुरू करने का प्रयास किया, लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव होने और घाव गहरे होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक जांच के बाद ही मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए महंत के शव को अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। इस सनसनीखेज हत्याकांड को अंजाम दिए जाने के बाद पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हत्या के वास्तविक कारणों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। चंद्रेसल गांव का यह मठ काफी पुराना है और महंत देवानंद महाराज लंबे समय से यहां की धार्मिक व्यवस्थाएं संभाल रहे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, उनका स्वभाव बेहद शांत था और सामान्य तौर पर उनका किसी से कोई सीधा विवाद नहीं देखा गया था।

बोरखेड़ा थाना पुलिस और कोटा पुलिस की विशेष विंग इस मामले की हर संभावित एंगल से बारीकी से तफ्तीश कर रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह वारदात किसी पुरानी व्यक्तिगत रंजिश का नतीजा है, या फिर इसके पीछे मठ की कीमती जमीन और संपत्ति से जुड़ा कोई विवाद शामिल है। इसके अलावा, पुलिस इस बिंदु पर भी काम कर रही है कि कहीं देर रात चोरी या डकैती के इरादे से आए बदमाशों ने विरोध करने पर तो महंत पर हमला नहीं कर दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जब तक मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, तब तक किसी भी एक नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

कहीं आंधी-बारिश तो कहीं लौटेगी लू

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में जून के पहले सप्ताह में अच्छी बारिश देखने को मिली है। प्री मानसून में अच्छी बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज हुई है। पिछले कई दिनों से पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार रहने के बाद अब प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में आंधी, तेज बारिश और वज्रपात (बिजली गिरने) का दौर शुरू हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के कई जिलों के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, एक नए पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती परिसंचरण तंत्र के सक्रिय होने से जयपुर, सीकर, अजमेर, अलवर, टोंक, कोटा, भीलवाड़ा, झुंझुनूं और नागौर सहित कई जिलों में अगले 48 से 72 घंटों तक मौसम खराब रह सकता है। पूर्वी राजस्थान में आंधी-बारिश और तापमान में भारी गिरावट बनी रहेगी। इस नए वेदर सिस्टम का सबसे ज्यादा असर पूर्वी राजस्थान में ही देखने को मिल रहा है।

'मानेसर कांड' पर अशोक गहलोत बोले- 'बीजेपी ने हमारे विधायकों को 10-10 करोड़ एडवांस दिए थे, फिर वापस नहीं लिए'

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में वर्ष 2020 के मानेसर सियासी संकट को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। जयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान गहलोत ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार गिराने के लिए बड़े पैमाने पर विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि हर विधायक के लिए 35 करोड़ रुपये तक की डील तय की गई थी और कई विधायकों को 10-10 करोड़ रुपये एडवांस भी दिए गए थे, जिन्हें बाद में वापस तक नहीं लिया गया।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए पूरी ताकत झोंक दी गई थी, लेकिन आखिरकार भाजपा की रणनीति सफल नहीं हो सकी। उन्होंने दावा किया कि उस दौर में राजनीतिक घटनाक्रम इतने गंभीर थे कि लोकतंत्र को कमजोर करने की

कोशिशें खुलकर सामने आई थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि कांग्रेस ने एकजुटता दिखाते हुए राजस्थान सरकार को बचा लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा नेतृत्व पर सीधे निशाना साधते हुए कहा कि सरकार गिराने के प्रयासों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की भूमिका रही। गहलोत ने आरोप लगाया कि मानेसर में ठहरे कांग्रेस विधायकों की बैठकें धर्मेंद्र प्रधान के आवास पर होती थीं और वहां लगातार राजनीतिक रणनीति बनाई जा रही थी। उन्होंने कहा कि उस समय जो कुछ हुआ, वह किसी बड़े सियासी षड्यंत्र से कम नहीं था।

गहलोत ने दावा किया कि भाजपा ने विधायकों को लाने के लिए दो हवाई जहाज तक भेजे थे, लेकिन उसमें से एक खाली गया था। जिसके बाद उन्हें यह एहसास हो गया कि राजनीतिक समीकरण उलटे भी पड़ सकते हैं और कहीं उनके अपने विधायक ही प्रभावित न हो जाएं। उन्होंने कहा कि इसी डर के कारण पूरी योजना आगे नहीं बढ़ सकी। गहलोत ने आरोप लगाया कि भाजपा की राजनीति का एक बड़ा हिस्सा हॉर्स ट्रेडिंग पर आधारित है और विभिन्न राज्यों में सरकारें गिराने के लिए इसी तरह के तरीके अपनाए जाते रहे हैं।

अशोक गहलोत ने पश्चिम बंगाल के हालात का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भी जो राजनीतिक गतिविधियां चल रही हैं, उन्हें वे इसी परिप्रेक्ष्य में देखते हैं। उनके अनुसार देश में डर और दबाव की राजनीति का माहौल बनता जा रहा है, जिस पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए।

राजनीति के बदलते स्वरूप पर चिंता जताते हुए गहलोत ने कहा कि आज कई नेता खुद को बड़ा दिखाने के लिए दूसरों को छोटा साबित करने में लगे हैं। जबकि राजनीति में आगे बढ़ने का सही रास्ता जनता के बीच जाकर काम करना है। उन्होंने नेताओं से गांवों, गरीबों, दलित बस्तियों और जरूरतमंद लोगों के बीच समय बिताने की अपील की।

अपने राजनीतिक जीवन का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि उन्हें सार्वजनिक जीवन में बहुत अवसर मिले और वे अपने सफर से संतुष्ट हैं। वहीं राज्य सरकार पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को सिर्फ शुभकामनाएं ही नहीं, बल्कि विपक्ष के सुझाव और आलोचना भी स्वीकार करनी चाहिए। लोकतंत्र में स्वस्थ आलोचना सरकार को बेहतर बनाने का काम करती है।

अलवर कोर्ट थप्पड़ कांड: पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा पर पुलिस जांच शुरू, कोर्ट परिसर की घटना ने पकड़ा तूल

अलवर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में कोर्ट परिसर में धर्म परिवर्तन के आरोपी की पेशी के दौरान हुए थप्पड़ कांड ने राजनीतिक और कानूनी हलकों में हलचल मचा दी है। मामले में पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा द्वारा आरोपी को कथित तौर पर थप्पड़ मारने का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

घटना कोर्ट परिसर में उस समय हुई, जब धर्म परिवर्तन से जुड़े मामले में आरोपी को पेशी के लिए लाया गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग भी मौके पर मौजूद थे। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा आरोपी के पास पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान आरोपी को थप्पड़ मारने का आरोप लगाया गया है। वीडियो सामने आने के बाद यह मामला तेजी से चर्चा में आ गया।

घटना को लेकर विभिन्न

राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और वायरल वीडियो की भी पड़ताल की जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान सभी तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा और कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद कोर्ट परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। कानूनी जानकारों का कहना है कि न्यायिक प्रक्रिया के दौरान किसी भी आरोपी के साथ इस प्रकार की घटना गंभीर विषय है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

धर्म परिवर्तन से जुड़े मामले में आरोपी को अदालत में पेश करने के लिए लाया गया था। इसी दौरान पूर्व विधायक की मौजूदगी में यह घटनाक्रम हुआ। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों के बीच भी चर्चा शुरू हो गई।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति क्या थी और क्या किसी प्रकार का अपराध बनता है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। विभिन्न दलों के नेताओं ने घटना पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ लोगों ने इसे अनुचित बताया है, जबकि समर्थक इसे भावनात्मक प्रतिक्रिया बता रहे हैं।

रिश्वतखोर महिला पटवारी एसीबी के जाल में फंसी

10 हजार लेने के बाद मांगी दूसरी किश्त; फिर हुई ट्रैप

अलवर, 6 जून (एजेंसियां)। प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच एक महिला पटवारी का लालच उस समय भारी पड़ गया, जब पहली किश्त के रूप में 10 हजार रुपये लेने के बाद भी उसने रिश्वत की दूसरी किश्त की मांग कर दी। शिकायत मिलने पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने जाल बिछाया और महिला पटवारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। परिवादी का राजस्व विभाग से जुड़ा एक काम लंबित था। आरोप है कि काम को आगे बढ़ाने और आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी करने के बदले महिला पटवारी ने रिश्वत की मांग की थी। परिवादी ने बताया कि पटवारी पहले ही 10 हजार रुपये ले चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद उसने शेष राशि की मांग जारी रखी।

परिवादी रिश्वत की लगातार मांग

से परेशान हो गया और उसने इसकी शिकायत एसीबी से कर दी। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई। जैसे ही महिला पटवारी ने दूसरी किश्त की राशि लेने की कोशिश की, एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि पूरी कार्रवाई नियमानुसार की गई। रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई है और आरोपी महिला पटवारी से पूछताछ की जा रही है।

टीम यह भी जांच कर रही है कि क्या इस मामले में कोई अन्य कर्मचारी या अधिकारी भी शामिल है। गिरफ्तारी के बाद एसीबी आरोपी के कार्यालय रिकॉर्ड, लेन-देन और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है। आवश्यकता पड़ने पर उसकी संपत्ति और आय के स्रोतों की भी पड़ताल की जा सकती है। एसीबी ने कहा है कि सरकारी कर्मचारियों द्वारा रिश्वत मांगने की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी काम के बदले अवैध राशि मांगता है तो उसकी सूचना तुरंत एसीबी को दें।

इस पूरे मामले में सबसे दिलचस्प बात यह रही कि पहली किश्त मिलने के बाद भी महिला पटवारी का लालच खत्म नहीं हुआ। दूसरी बार रिश्वत मांगना ही उसके लिए मुसीबत बन गया और आखिरकार वह एसीबी के जाल में फंस गई।

किसानों का एलान, पानी नहीं खोला तो 28 जून को रोकेंगे रेल

सवाई माधोपुर, 6 जून (एजेंसियां)। हाईकोर्ट की ओर से आदेश देने के बाद भी पांचना बांध से कमाण्ड क्षेत्र में पानी नहीं छोड़ने से गुस्साए किसानों की खण्डीप में विशाल किसान महापंचायत हुई। इस दौरान निर्णय किया गया कि अगर 27 जून तक पांचना बांध से कमाण्ड क्षेत्र की नहरों में पानी नहीं खोला गया तो 28 जून को रेल रोकी जाएगी। वहीं ऐलान किया गया कि वे कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना को ही ज्ञापन देंगे। इस दौरान 27 जून तक अनिश्चित कालीन धरना दिया जाएगा। इसके तहत हर गांव रोज धरना देगा। महापंचायत में बड़ी संख्या में किसान एवं कमांड एरिया क्षेत्र के ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गंगापुर विधायक रामकेश मीणा, करौली के पूर्व विधायक लाखन सिंह मीणा तथा टोडाभीम विधायक घनश्याम महर सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

महापंचायत को संबोधित करते हुए उपनेता प्रतिपक्ष व विधायक रामकेश मीणा ने कहा कि किसानों की लड़ाई सरकार से है। सरकार को न्यायालय के आदेशों की पालना करते हुए नहरों में पानी छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। विधायक रामकेश मीणा ने कहा कि हम कोई कलक्टर-एसपी को ज्ञापन नहीं देंगे, जब तक कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा मौके पर नहीं पहुंचते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

महापंचायत के सभापति बटुआ पटेल कटकड एवं उप सभापति तेज सिंह सरपंच श्यारौली रहे। उन्होंने किसानों से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि कृषि मंत्री के आने के बाद उनके निर्देशों के अनुसार आगे की रणनीति तय की जाएगी। विधायक मीणा ने कहा कि 27 तारीख तक धरना यही पर जारी रहेगा। मैं किसानों के बीच रहूंगा। 27 तारीख तक अगर नहरों में पानी नहीं खोला गया तो 28 तारीख को रेलवे ट्रैक जाम कर सरकार का ध्यान किसानों की समस्या की ओर आकर्षित किया जाएगा। महापंचायत के दौरान किसानों ने नहरों में शीघ्र पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की। वक्ताओं ने कहा कि यदि किसानों की मांगों पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना स्थल पर किसानों के लिए भोजन एवं अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं तथा आंदोलन को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया। वहीं गुर्जर आंदोलन 2007 में मृत हंसराज मीणा बगलाई की मूर्ति बनाने की विधायक रामकेश मीणा ने घोषणा की।

पांचना बांध का यह पूरा विवाद मुख्य रूप से 'कमांड क्षेत्र' और 'डूब/गैर-कमांड क्षेत्र' के किसानों के बीच आपसी हितों के टकराव से जुड़ा हुआ है। करौली में स्थित यह बांध अपनी विशेष भौगोलिक बनावट और मिट्टी के निर्माण के कारण पूरे उत्तर भारत में प्रसिद्ध है।

ड्रग कूरियर की आलीशान कोठी और लग्जरी कार फ्रीज, 7 दिन में दूसरी बड़ी कार्रवाई

प्रतापगढ़, 6 जून (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस प्रकरण के आरोपी की करीब 70 लाख रुपए मूल्य की अवैध संपत्ति को फ्रीज की है। एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 एफ 1 के तहत वर्ष 2026 में यह जिले की सातवीं बड़ी कार्रवाई है। प्रतापगढ़ पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने बताया कि अरनोद थाना क्षेत्र के फरेडी गांव निवासी नारायणलाल मीणा एनडीपीएस एक्ट के मामले में गिरफ्तार आरोपी है। पुलिस की जांच के दौरान सामने आया कि वह लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में कूरियर के रूप में कार्य कर रहा था और अवैध कारोबार से अर्जित धन से संपत्तियां खड़ी की थीं। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी ने नशे के कारोबार से कमाए गए धन से फरेडी गांव में करीब 60 लाख रुपए की लागत से एक आलीशान मकान बनवाया था। इसके अलावा उसके पास एक जीप भी है। दोनों संपत्तियों का कुल अनुमानित मूल्य करीब 70 लाख रुपए आंका गया है। एसपी ने बताया कि जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अरनोद थानाधिकारी शिवलाल मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी के मकान और वाहन पर फ्रीजिंग बोर्ड लगाया। थाना प्रभारी शिवलाल मीणा ने बताया कि 21 फरवरी 2026 को अरनोद थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान नारायणलाल मीणा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 किलो 708 ग्राम ब्राउन शुगर तथा 1 किलो 723 ग्राम ब्राउन शुगर में मिलाए जाने वाले रसायन बरामद किए थे। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। बाद की जांच में पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त रहा है और इसी अवैध कारोबार से उसने संपत्ति अर्जित की है।

रकम दोगुनी करने के नाम पर 11 लाख की ठगी

सूटकेस खोला तो निकले ईंट-पत्थर

अलवर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के खैरथल जिले में अंधविश्वास, तंत्र-मंत्र और धन को कई गुना बढ़ाने के लालच में एक व्यक्ति अपने ही समधी की ठगी का शिकार हो गया. यहां पतलिया गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपने रिश्तेदार पर तांत्रिक क्रियाओं और दैवीय शक्तियों का भय दिखाकर 11 लाख 68 हजार रुपए ठगने का आरोप लगाया है. फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. आरोपी पर पहले भी 32 लाख रुपए ठगी के आरोप लगे थे. उसके बाद अब इस घटना के बाद से आरोपी फरार है. पीड़ित जनक कुमार शर्मा ने पुलिस क़ो बताया कि उनकी पुत्री सलोनी का विवाह खैरथल के दांतला चौक निवासी परिवार में हुआ था. शादी के कुछ समय बाद दामाद के पिता राजेंद्र प्रसाद ने स्वयं को दैवीय शक्तियों का जानकार बताते हुए दावा किया कि वो एक मौलवी के माध्यम से रकम को दोगुना-चौगुना करवा सकता है.

फिर इबोला की आहट, युगांडा की युवती को आइसोलेशन वार्ड में भर्ती

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में इबोला संक्रमण का एक संदिग्ध मामला सामने आने से चिकित्सा महकमे में हड़कंप मच गया है। संयुक्त अरब अमीरात (के शारजाह से जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंची एक 19 वर्षीय युगांडा की युवती में इबोला से मिलते-जुलते लक्षण पाए गए हैं। राजस्थान में इस खतरनाक बीमारी का यह पहला संदिग्ध मामला है।

स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, युवती एयर अरबिया की फ्लाइट से

शारजाह से जयपुर पहुंची थी। एयरपोर्ट पर रूटीन थर्मल और मेडिकल स्क्रीनिंग के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों को उसमें संदिग्ध लक्षण दिखे। एहतियात के तौर पर युवती को तुरंत राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसे विशेष रूप से तैयार आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है। अभी तक युवती में इबोला संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। मरीज की ट्रेवल हिस्ट्री और शुरुआती लक्षणों को देखते हुए इसे केवल एक संदिग्ध मामला मानकर इलाज और निगरानी की जा रही है। एहतियात के तौर पर मानक आइसोलेशन, निगरानी और कांटेक्ट-ट्रेसिंग (संपर्क में आए लोगों की पहचान) से जुड़े सभी प्रोटोकॉल एक्टिव कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि युवती ने पिछले करीब एक महीने से पेट दर्द और भूख न लगने की शिकायत की है।

ज्वैलरी शॉप से 8 किलो चांदी के बर्तन-जेवरात चोरी

टार्च की रोशनी में दिया वारदात को अंजाम

पुष्कर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले में पुष्कर के बड़ी बस्ती शिव चौक सब्जी मंडी के पास स्थित एक ज्वैलरी शॉप में शुक्रवार के मध्य रात्रि बाद नकाब पहने युवक ने तीसरी मंजिल से प्रवेश किया तथा लॉकर के पास रखे करीब 8 किलो चांदी के जेवरात व बर्तन चोरी करके भाग गया। चोरी की वारदात करने से पहले दुकान में लगे सीसीटीवी तोड़ दिए गए। चोर ने करीब आधे घंटे तक टार्च की रोशनी में इत्मीनान से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। प्रथमदृष्टया पूर्व नियोजित रैकी करके घटना करने का अंदेशा लगाया जा रहा है। ज्वैलरी शॉप के मालिक दीपक सोनी ने बताया कि सीसीटीवी कैमरा में रिकॉर्ड जानकारी के अनुसार युवक पड़ोस की छत पर बने तीन शेड से दुकान के तीसरी मंजिल पर लगी जाली काटकर अंदर घुसा तथा सीढ़ियों से उतरा और सतह मंजिल पर दुकान में लॉकर के ऊपर रखे काले बैग में रखे करीब 8 किलो चांदी के आभूषण बर्तन व सामान चुरा ले गया। दीपक ने पत्रिका को बताया कि शनिवार को प्रातः करीब साढे नो बजे रोजमर्रा की तरह दुकान खोली तो आलमारी का सामान बिखरा मिला। तब चोरी का पता लगा। दीपक ने बताया सीसीटीवी में रिकार्ड के अनुसार पड़ोसी के लगे टीन शेड से शुक्रवार की रात करीब एक बजे बाद चेहरे पर नकाब तथा हाथों में दास्ताने पहना एक अज्ञात युवक दुकान की तीसरी मंजिल पर लगी लोहे की जाली तोड़कर अंदर घुसा तथा लोहे के सरिए से खिड़की तोड़ता हुए सीढ़ियां उतरकर दुकान की सतह मंजिल तक आ गया।

तेलंगाना में सेमीकंडक्टर निवेश को बढ़ावा
श्रीधर बाबू ने मलेशियाई कंपनियों को दिया आमंत्रण

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू ने कहा है कि तेलंगाना भारत में सेमीकंडक्टर निवेश के एक प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। उन्होंने मलेशियाई उद्योगों को राज्य के सेमीकंडक्टर तथा उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं का अध्ययन करने और भागीदारी के लिए आमंत्रित किया। यह बयान उन्होंने शनिवार को सचिवालय में पेनांग, मलेशिया के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक के दौरान दिया, जिसका नेतृत्व पेनांग के उपमुख्यमंत्री वाईबी जगदीप सिंह देव ने किया। बैठक में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार तथा मानव संसाधन विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर श्रीधर बाबू ने कहा कि हैदराबाद चिप डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और उन्नत तकनीकों का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। उन्होंने सेमीकंडक्टर, जीवन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, एयरोस्पेस, रक्षा और परिशुद्ध इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों का उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार की वैश्विक निवेश आकर्षित करने की पहलों की जानकारी भी दी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि तेलंगाना नवाचार, आर्थिक विकास और औद्योगिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए सहयोगात्मक संबंधों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने कहा कि पेनांग की सेमीकंडक्टर असेंबली, परीक्षण और पैकेजिंग में विशेषज्ञता तेलंगाना के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मजबूत करने और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ने में सहायक हो सकती है। पेनांग के उपमुख्यमंत्री जगदीप सिंह देव ने कहा कि उनका क्षेत्र तेलंगाना के साथ सहयोग को और मजबूत करने तथा पारस्परिक लाभकारी साझेदारी के अवसर तलाशने के लिए उत्सुक है। दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक रोडमैप तैयार करने पर सहमति व्यक्त की।

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwayIndia
www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु टेंडर्स की ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01, निविदा सं. & दि. -सी _ एसजी_36 _606, दि.04-06-2026, बंद करने की तिथि: 26-06-2026
कार्य विवरण: शेड्यूल -ए-किमी 202/33-35 के एसकेजेडआर यार्ड पर लिमिटेड सबवे बीआऱ. नं.217ए के प्रस्तावित निर्माण कार्य स्थल पर सिग्नल्लिंग केबुल्स की शिफ्टिंग हेतु सिग्नल्लिंग & दूरसंचार व्यवस्थाएं। शेड्यूल -बी-1. किमी 107.40 हेतु एनएचएआई एन्टि-क्रैश बैरियर/डब्ल्यू-बीम स्टील फेन्सिन्ग का इस्तेमाल करने के द्वारा, बीपीक्यू-एएसएएफ सेक्शन के दृष्टिगत गति 130 किमी प्रति घंटा तथा इससे ज्यादा हेतु ट्रैक के चहुं तरफ सेफ्टी फेन्सिंग का प्रावधान से संबंधित सिग्नलिंग व दूरसंचार व्यवस्थाएं। 2. किमी 114.22 हेतु एनएचएआई एन्टि-क्रैश बैरियर/डब्ल्यू-बीम स्टील फेन्सिन्ग का इस्तेमाल करने के द्वारा, एएसएएफ-पीटीकेपी सेक्शन के दृष्टिगत गति 130 किमी प्रति घंटा तथा इससे ज्यादा हेतु ट्रैक के चहुं तरफ सेफ्टी फेन्सिंग का प्रावधान से संबंधित सिग्नलिंग व दूरसंचार व्यवस्थाएं। 3. किमी 50.34 हेतु एनएचएआई एन्टि-क्रैश बैरियर/डब्ल्यू-बीम स्टील फेन्सिन्ग का इस्तेमाल करने के द्वारा, पीटीकेपी-केजेडजे सेक्शन के दृष्टिगत गति 130 किमी प्रति घंटा तथा इससे ज्यादा हेतु ट्रैक के चहुं तरफ सेफ्टी फेन्सिंग के प्रावधान से संबंधित सिग्नलिंग व दूरसंचार व्यवस्थाएं। 4. किमी 105.68 हेतु एनएचएआई एन्टि-क्रैश बैरियर/डब्ल्यू-बीम स्टील फेन्सिन्ग का इस्तेमाल करने के द्वारा, केजेडजे-एमएलएमजी सेक्शन के दृष्टिगत गति 130 किमी प्रति घंटा तथा इससे ज्यादा हेतु ट्रैक के चहुं तरफ सेफ्टी फेन्सिंग के प्रावधान से संबंधित सिग्नलिंग व दूरसंचार व्यवस्थाएं।
5. किमी 116.78 हेतु एनएचएआई एन्टि-क्रैश बैरियर/डब्ल्यू-बीम स्टील फेन्सिन्ग का इस्तेमाल करने के द्वारा, एमएलएमजी-केआई सेक्शन के दृष्टिगत गति 130 किमी प्रति घंटा तथा इससे ज्यादा हेतु ट्रैक के चहुं तरफ सेफ्टी फेन्सिंग के प्रावधान से संबंधित सिग्नलिंग व दूरसंचार व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु. 2,65,01,970.68 बोली सुरक्षा/अग्रधन रु.530000.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं।
वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.-10/2026, दि.05-06-2026
भण्डारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर प्रदर्शित की गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं तथा अपने आफर्स आनलाइन में प्रस्तुत करें। उक्त वेबसाइट पर निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी देख सकते हैं। मैन्युएल रुप से प्रस्तुत आफर्स या प्रस्ताव अमान्य होंगे। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की निर्धारित तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे तक है। सभी स्वदेशी प्रस्ताव, अग्रधन को आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध **वेबसाइट: www.ireps.gov.in** द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा संख्या	संक्षिप्त कार्य विवरण
31261200	एग्र स्प्रिन्ग का एक कोच सेट
76261005	मैन्युएल मेटल आर्क वेल्डिंग इलेक्ट्रोड साइज 4.00X350एमएम
एलवाय265085ए	सर्वेइंग रेल रोड जियोमेट्री माडल ट्रैक स्कैन हेतु ट्रैक मीजरिंग सिस्टम
54255016	डेस्कटाप पीसी i3 की आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन & कमीशनींग।
54265003	ग्राउण्ड कनेक्शन 220एमएम हेतु सेफ्टी नट्स का सेट
93261031	कामप्रेग प्लाइवूड स्लैट साइज 12X1220X2850एमएम
81261419	लिक्वीफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी)
33261616बी	टीपीइ स्प्रिंग पैड
33261138	गैन्गवे ब्रिज माउंटिंग बोल्ट
38262361	बीएलसी हेतु लोड सेन्सिंग डिवाइस वीटीए
एलएच 257456ए	एफआरपी मोडूलर शौचालय की आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन
एलएच265782	बोगी फ्रेम एस्सेम्बली
66266272	टीएम हेतु ड्यूट्ज मेक स्पेयर्स का प्रापण
33261092	प्राइमरी वेर्टिकल डैम्पर
38265015	कान्सन्ट कान्टैक्ट साइड बेयरर
38262185	कैसनब 22एचएस हेतु स्नब्बर स्प्रिन्स
38262191	एयर ब्रेक होस कपलिंग सपोर्ट
66266285	टीएम हेतु हास्कों मेक स्पेयर्स का प्रापण
60266003	टी-9841 के प्रति 1 इन 8.5 टी/ओ पीएससी स्लीपस
38262294	डी.वी. केइओ हेतु पीओएच किट
66265845	टीएम हेतु स्पेयर्स का प्रोक्योरमेंट

टिप्पणी: निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां– क्रम सं. 01 दि.12-06-2026, क्रम सं. 02 दि.23-06-2026, क्रम सं. 03 दि.24-06-2026, क्रम सं. 04 दि.25-06-2026, क्रम सं. 05 से 09 दि.29-06-2026, क्रम सं. 10 दि.30-06-2026, क्रम सं. 11 दि.01-07-2026, क्रम सं.12 से 16 दि.02-07-2026, क्रम सं.17 दि.03-07-2026, क्रम सं.18 से 20 दि.07-07-2026, क्रम सं.21 दि.13-07-2026

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना सं.05/2026 दि.01-05-2026 निविदा सं. 6026पीटी018 की निर्धारित तिथि 01-06-2026 के स्थान पर निर्धारित तिथि 15-06-2026 पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.07/2026 दि.15-05-2026 निविदा सं. 67255011ए की निर्धारित तिथि 05-06-2026 के स्थान पर निर्धारित तिथि 18-06-2026 पढा जाना चाहिए।

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी हैं।

विस्तृत विवरण हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट पर जाएं।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.– एलजीडी/एल/06/2026-27/ओटी, दि.04-06-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीईई/एलजीडीएस द्वारा निविदा सं एलजीडी/एल/06/2026-27/ओटी के प्रति ई-टेंडर- बंद करने की तिथि 02-07-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

बोलीदाता या बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युअल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों को यह अनुमति दी गयी है कि, इस निविदा से संबंधित अग्रधन (बोली सुरक्षा) को ई-पेमेन्ट गेटवे द्वारा नकद रुप में जमा कर सकते हैं या किसी भी अनुसूचित भारतीय वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारण्टी बान्ड के रुप में भी प्रस्तुत कर सकते हैं या इसे निविदा दस्तावेजो में विवरित सूचनानुसार भी जमा कर सकते है। तत्संबंधित बैंक गारण्टी बान्ड अनुलग्नक -VIA नुसार होना चाहिए तथा यह बान्ड बोली वैधता अवधि से परे, 60 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। मूल बैंक गारण्टी बान्ड को, बोली प्रस्तुति की समयसीमा की 5 कार्यालयीन दिनों के भीतर, व्यक्तिगत रुप में, निविदा दस्तावेज में निर्देशानुसार नामित पदाधिकारी के सुपुर्द करना चाहिए। ई-टेंडरिंग पोर्टल (आईआरईपीएस) पर बिड सहित बी.जी. की स्कैन की गई प्रति की अप्रस्तुति तथा/ या निर्धारित अवधि के भीतर ओरिजीनल बी.जी. की अप्रस्तुति पर बोली (बिड) को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

क्रम सं.01, निविदा सं.- एलजीडी/एल/06/2026-27/ओटी कार्य विवरण: कैरेज वर्कशाप, लालागुडा पर तीन वर्षो की अवधि हेतु 310/700/1400 एचपी ट्रैक्शन आल्टरनेटर्स की सर्विसिंग/ओवरहालिंग एवं छिटपुट मरम्मतों पर ध्यान देना तथा ओवालिटी मशीनींग एवं ग्रून कट्टिंग तथा ट्रैक्शन मोटर आर्माचूर की कम्युटेटर्स की डायनामिक बैलेंसिंग कार्य।
विज्ञापित मूल्य रु. 48,91,399.72 (रु. अडतालीस लाख इक्यानवे हजार तीन सौ निन्यानवे तथा बहात्तर पैसे मात्र) बोली सुरक्षा मूल्य रु.97,800.00 कार्य पूरा करने की अवधि: स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से लेकर 36 महिने, बंद करने की तिथि: 02-07-2026 के 15.00 बजे

वेबसाइट विवरण:
www.ireps.gov.in
निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुद्धिपत्र हेतु कृपया **वेबसाइट:**https://www.ireps.gov.in देखें।
उप मुख्य बिजली अभियंता, सीडब्ल्यूएस, लालागुडा, सिकंदराबाद
A415

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स:
https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

हैदराबाद अब एक अंतर्राष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री का विकास, कृषि और कल्याण योजनाओं पर जोर

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का ने कोहेड़ा में आयोजित जनसभा में राज्य सरकार की विकास योजनाओं, कृषि नीतियों और कल्याणकारी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि रंगारेड्डी जिला लंबे समय से हैदराबाद को फल, सब्जियां और दूध उपलब्ध कराता रहा है, लेकिन तेजी से बढ़ते शहरीकरण और रियल एस्टेट विस्तार के कारण कृषि भूमि पर दबाव बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद अब एक अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित हो चुका है, जिसकी आबादी लगभग एक करोड़ तीस लाख के आसपास है और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि सरकार 240 एकड़ क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित फल एवं कृषि बाजार विकसित कर रही है, जिससे शहर की आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी और किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा। सीएम ने कहा कि यह परियोजना अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के बाद शहर की एक बड़ी पहचान बनेगी। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार सब्जियों और फलों की आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई कदम उठा रही है और राज्य में उत्पादन विविधता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। अपने संबोधन में उन्होंने भारत फ्यूचर सिटी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परियोजना राज्य के औद्योगिक विकास का भविष्य तय करेगी। उन्होंने दावा किया कि दुनिया की शीर्ष 500 कंपनियों को यहां आकर्षित करने की योजना है, जिससे रोजगार और निवेश दोनों बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप लगाया और कहा कि क्षेत्रीय रिंग रोड, एयरपोर्ट परियोजनाएं और सिंचाई योजनाएं राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर विरोध के बावजूद विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाएगी। कृषि क्षेत्र पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों को समर्थन मूल्य, बोनस और रिकॉर्ड स्तर पर धान खरीद सुनिश्चित की है। साथ ही उन्होंने बताया कि कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाखों राशन कार्ड जारी किए गए हैं, गरीबों को मुफ्त बिजली और बस यात्रा की सुविधा दी जा रही है तथा इंदिरम्मा आवास योजना के तहत लाखों घर स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों को आधुनिक बनाने के लिए 12 क्लस्टरों में इंटीग्रेटेड कॉम्प्लेक्स बनाए जा रहे हैं, जिससे नागरिक सेवाएं और अधिक पारदर्शी और सुगम होंगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी विकास परियोजनाओं को लेकर सहयोग न मिलने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य अपने संसाधनों के बल पर आगे बढ़ रहा है। अंत में उन्होंने कहा कि सरकार विकास और कल्याण दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ रही है और आने वाले वर्षों में तेलंगाना को एक मजबूत आर्थिक और औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित किया जाएगा।

हाइड्रा नामकरण में सख्ती और डर का संदेश : रेवंत रेड्डी

बेंगलुरू/हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को बेंगलुरू में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक और राजनीतिक मुद्दों पर बयान दिया। मुख्यमंत्री ने हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड एसेट प्रोटेक्शन एजेंसी (हाइड्रा) के गठन को लेकर कहा कि इसका नाम जानबूझकर ऐसा रखा गया है जिससे अवैध निर्माण करने वालों और झीलों पर अतिक्रमण करने वालों में भय उत्पन्न हो। उन्होंने स्वीकार किया कि इस नामकरण में सख्ती और डर का संदेश देने के उद्देश्य से ऐतिहासिक प्रेरणा भी ली गई है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार छात्रों में नशे की समस्या से निपटने के लिए 'ईगल फोर्स' का गठन कर रही है, जिसका उद्देश्य नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना और इसे पूरी तरह समाप्त करना है।

मनुष्य जीवन मिला है जो बार-बार नहीं मिलता

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गिरिराज मंदिर कोठी के निकट विशा मोड़ गौ भुजा समाज वाड़ी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में परम पावन पुरुषोत्तम मास अधिक मास के उपलक्ष्य में व्यासपीठ पर पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने कथामृत का रसपान कर रहे भगवत भक्तों को बताया कि यशोदा शब्द का अर्थ है जो औरों को यश दे। नंद शब्द का अर्थ है जो औरों को आनंद दे। माता यशोदा एवं नंद बाबा के घर बालकृष्ण लालजी का प्राकट्य हुआ हैं। प्राकट्योत्सव नंदमहोत्सव मनाया जा रहा है। सारा गांव नंद बाबा के व यशोदा माँ के घर बधाई देते हैं एवं दोनों को आशीर्वाद देते हैं। नंद बाबा सभी के प्रिय हैं नंद बाबा चाहते हैं सारा गांव खुशी में रहे, सुखी रहे और सभी आनंद में रहे। वे सबका ध्यान रखते हैं जो सबको आनंद देने वाले हैं। नंद जिनको सभी का आशीर्वाद प्राप्त होता है उन्हीं के घर ठाकुर जी पधारते हैं। सारे ब्रजवासी आनंद मना रहे हैं जिस प्रकार दीपावली मनाई जाती है उससे भी अधिक सभी में उत्साह है, आनंद है। सारा गोकुल आज नाच रहा है। मांगलिक गीत गाए जा रहे हैं। ब्राह्मणगण स्वस्तिवाचन कर रहे हैं। घर-घर मिठाइयां बंट रही हैं। गायों को सजाया गया है। नंद भवन में बंधनवार बांधे गए हैं। आज अखिलांड ब्रह्मांड नायक राजाधिराज पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान का प्राकट्योत्सव मनाया जा रहा है। नंद महोत्सव मनाया जा रहा है जीवमात्र को सदैव यश न लेते हुए परमात्मा व परिवार को देना चाहिए। बिना उनके साथ के हम कुछ भी नहीं कर सकते। जीवमात्र को चाहिए कि जीवन में ऐसे-ऐसे कार्य करें जिससे लोगों को आनंद आए। मनुष्य जीवन मिला है जो बार-बार नहीं मिलता। इसलिए देश, धर्म, समाज, वंश, कुटुंब एवं परिवार के लिए कुछ ऐसा कर जाएं जिसे लोग जीवनभर याद रखें। जरूरी नहीं कि केवल धन से ही किया जाए। तन से मन से वचन से भी किया जा सकता है। आपके जीवन में जो भी प्राप्त होता है अर्थ रूप में उसमें से सदा थोड़ा-थोड़ा वंश, कुटुंब परिवार व समाज की सेवा के लिए अवश्य निकालना चाहिए।

हमारी पहचान ही हमारे वंश, कुटुंब परिवार व समाज से है और हमारे इष्ट मित्रों से है। बिना दिखावे के सदैव सहयोग करते रहो सबका भला सोचोगे और करोगे तो कन्हैया की कृपा से हमारा भी भला होगा और हमारा जीवन सफल सार्थक और धन्य बनेगा। सदैव समाज को एकजुट बनाए रखने में मदद करते रहे। मनसा वाचा कर्मणा या धन के द्वारा समाजजनों को हमारे द्वारा किसी प्रकार से मन को कष्ट हो ऐसा कार्य न करे। हमारे लिए प्रभु सेवा, वंश, कुटुंब, समाज सेवा, देश सेवा को प्रमुख स्थान देना चाहिए। इसी में कल्याण है। ईश्वर कृपा सदैव बनी रहती है।

केंद्रीय विद्यालय निर्माण की मांग तेज

मदनूर, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानिक युवकों ने शनिवार को पुराना बस स्थानक बिचकुंडा देगलुर मार्ग पर केंद्रीय विद्यालय निर्माण की मांग करते हुए घंटों तक आंदोलन किया। उन्होंने बताया की मदनूर मंडल केंद्र के लिय 2019 में केंद्रीय विद्यालय मंजूरी मिली थी लेकिन आज तक केंद्रीय विद्यालय निर्माण के लिये कोई उचित कदम उठाया नहीं गया। 2022 में में युवकों ने केंद्रीय विद्यालय निर्माण की मांग को लेकर पुलिस स्टेशन के बगल में भूख हड़ताल किये जाने के बाद स्थानिक नेताओं ने मदनूर में जल्द ही केंद्रीय विद्यालय प्रारंभ करने का आश्वासन देकर भूख हड़ताल समाप्त कराया था। उसके बाद से आज तक केंद्रीय विद्यालय प्रारंभ के लिय कोई कदम नहीं उठाए गए। तहसीलदार एम डी मुजीप को प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सरकार केंद्रीय विद्यालय निर्माण कार्य जल्दी प्रारंभ नहीं किया तो एक बार फिर भूख हड़ताल किया ज्यायगा।

तिलक ब्रिज-शकूरबस्ती रेल खंड का रेल मंत्री ने किया निरीक्षण

शकूरबस्ती डिपो में हाइड्रोजन ट्रेन व आधुनिक रखरखाव सुविधाओं का लिया जायजा

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उत्तर रेलवे के तिलक ब्रिज से शकूरबस्ती रेल खंड का व्यापक और विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न केवल रेल संचालन और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की, बल्कि भविष्य की तकनीकों और पर्यावरण अनुकूल रेल व्यवस्था की तैयारियों का भी गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति, संरचनात्मक सुधारों और यात्री सुविधाओं को लेकर विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं और रेल सेवाओं में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जाए।

इसके बाद रेल मंत्री शकूरबस्ती स्थित रेल डिपो पहुंचे, जहां उन्होंने अत्याधुनिक रखरखाव सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संकोचनीय ओवरहेड विद्युत प्रणाली का अवलोकन किया, जो शेड के भीतर ट्रेनों और इंजनों के सुरक्षित तथा तेज रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके साथ ही उन्होंने पहिया निरीक्षण गड्ढे और पहिया उठाने की आधुनिक व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तकनीक का अधिकतम उपयोग करते हुए रखरखाव कार्यों की दक्षता और सुरक्षा मानकों को और मजबूत किया जाए।

निरीक्षण का मुख्य आकर्षण हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन का अवलोकन रहा। रेल मंत्री ने इस पर्यावरण अनुकूल तकनीक की प्रगति और उपयोगिता की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह पहल भारतीय रेल को स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन प्रणाली की दिशा में आगे ले जाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे भविष्य में प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आएगी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रेल मंत्री ने डिपो परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम में भी भाग लिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को राष्ट्रीय जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि भारतीय रेल लगातार हरित ऊर्जा और विद्युतिकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

उन्होंने बताया कि रेल नेटवर्क का शत-प्रतिशत विद्युतिकरण देश को शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे की यह पहल केवल तकनीकी विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। निरीक्षण के दौरान उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, दिल्ली मंडल के रेल प्रबंधक तथा रेलवे बोर्ड एवं उत्तर रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में कार्यपालक स्तर के कार्मिकों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में हिंदी के संवैधानिक, प्रशासनिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा हिंदी में कार्य करने के लिए उपलब्ध आधुनिक तकनीकी साधनों की जानकारी भी प्रदान की गई।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में हिंदी अनुभाग के डॉ. विकास कुमार आज़ाद, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक ने हिंदी के राजभाषा स्वरूप से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम एवं नियमों की विस्तृत जानकारी दी। द्वितीय सत्र में अतिथि वक्ता के रूप में एनएमडीसी के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) रुद्रनाथ मिश्र ने भाषाओं की समृद्ध परंपरा, भाषा और राष्ट्र निर्माण के संबंध तथा स्वतंत्र भारत में हिंदी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

तृतीय सत्र में दक्षिण मध्य रेलवे की वरिष्ठ हिंदी अनुवादक डॉ. रानी गीतेश काटे ने प्रभावी संप्रेषण में भाषा की भूमिका, हिंदी के मानकीकरण की आवश्यकता तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के योगदान पर विस्तृत विचार व्यक्त किए। कार्यशाला के सफल आयोजन में डाक अनुभाग के जयपाल एवं नरेंद्र गांधी की सक्रिय भूमिका रही।

पित्ती ट्रस्ट अग्रवाल सेवा दल द्वारा दमा रोगियों की सुविधा हेतु चार दिवसीय सेवा शिविर का शुभारंभ

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नुमाईश मैदान में बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा दमा रोग के निवारण हेतु निःशुल्क वितरित मछली प्रसाद लेने के लिए देश के विभिन्न स्थानों से हैदराबाद आने वाले दमा रोगियों एवं उनके परिवारजनों के भोजन आदि की व्यवस्था एवं सुविधा हेतु बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा नुमाईश मैदान में स्थापित एक विशाल चार दिवसीय शिविर का शुभारंभ आज 6 जून को सम्पन्न हुआ।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बत्तिनी गौड़ परिवार के सदस्यों के साथ ट्रस्ट के चेयरमैन शरद बी. पित्ती के साथ हुई बैठक में चर्चा के बाद पिछले कई वर्षों की तरह ही इस वर्ष भी चार दिवसीय शिविर लगाने का निर्णय लिया गया। इस विशाल चार दिवसीय शिविर का शुभारभ 6 जून तथा समापन 9 जून को होगा। इस शिविर में आपातकालीन चिकित्सा, ऑक्सीजन सिलेंडर, जरूरत की दवाई, व्हील चेयर तथा रोगियों को आवश्यकता पड़ने पर आपातकाल एम्बुलेंस की सेवा उपलब्ध रहेगी। इस वर्ष 2 लाख से अधिक लोगों के मछली प्रसाद ग्रहण करने की संभावना हैं। देश के दूर दराज से मछली प्रसाद लेने के लिए दो तीन दिन पहले ही वितरण स्थल पर लोग हजारों की संख्या में पहुंच जाते हैं। दमा रोगियों तथा उनके परिजनों की सुविधा हेतु इस विशाल चार दिवसीय सेवा शिविर द्वारा 6 जून से 9 जून तक उपमा, पोहा, इडली, बड़ा, छांछ, पूरी सब्जी, सांभर चांवल, बिस्कुट, चाय, पेय जल आदि का वितरण निरंतर जारी रहेगा। मछली प्रसाद के विवरण तथा परहेज आदि की सम्पूर्ण जानकारी देने के लिए कर पत्रों का वितरण भी किया जाएगा। परहेज के भोजन में प्रयोग में आने वाली खाद्य सामग्री की प्रदर्शनी भी शिविर में लगाई जाएगी।

शिविर में शरद बी पित्ती, अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजित गुप्ता, कैलाश केडिया, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, दीपक गुप्ता, निखिल रानासरिया, उर्मिला अग्रवाल, पित्ती इंजीनियरिंग के कर्मचारी, समाज सेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव आदि अपनी सेवाए प्रदान करेंगे।

क्षेत्रीय व्यापार सम्मेलन का आयोजन

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए क्षेत्रीय व्यापार सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य हैदराबाद भर के हिंदू व्यापारियों की सहायता और उन्हें बढ़ावा देना था। यह सम्मेलन होटल एसवीएम ग्रैंड में आयोजित किया गया था और इसके मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा थे।

एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे, क्षेत्रीय प्रमुख किरण वेमुला, अर्का की अध्यक्ष पल्लवी अकुंडी और ऊर्जा की अध्यक्ष उमा कार्तिक ने सम्मेलन का संचालन किया। साथ ही, फनबोला का बैनर लॉन्च किया गया। इस अवसर पर मनीषा मेहता और लवीना सचदेव द्वारा तंबोला प्रस्तुति दी गई।

एससीसीएल के कोयला भंडार में गिरावट

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एससीसीएल ने जानकारी दी है कि 4 जून 2026 तक उसके विभिन्न खनन क्षेत्रों और कोयला हैंडलिंग प्लांटों में कोयला भंडार घटकर 2.651 मिलियन टन (26.51 लाख टन) रह गया है। यह आंकड़ा पिछले एक दशक में सबसे कम स्तर पर पहुंचने वाला बताया गया है। कंपनी द्वारा शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि खदानों से उत्पादित कोयला नियमित रूप से रेल और सड़क मार्ग के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे मौजूदा मांग की पूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। एससीसीएल ने स्पष्ट किया कि कोयला भंडारण का यह प्रबंधन सामान्य परिचालन प्रक्रिया का हिस्सा है। आमतौर पर नवंबर से मई के बीच उत्पादन अधिक होने के कारण स्टॉक बढ़ता है, जिसे बाद में थर्मल पावर संयंत्रों और अन्य उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने में उपयोग किया जाता है, विशेषकर मानसून अवधि के दौरान जब उत्पादन प्रभावित हो सकता है। कंपनी के अनुसार यह व्यवस्था वर्षों से जारी है। वर्ष 2015-16 में कोयला भंडार 70 लाख टन तथा 2016-17 में 74 लाख टन तक पहुंचा था। वहीं 2014 से 2024 के बीच औसतन भंडार लगभग 50 लाख टन रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम में चुने गए सबसे युवा क्रिकेटर

15 साल, 71 दिन की उम्र में हुआ सिलेक्शन; श्रेयस टी-20 के नए कप्तान

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 15 साल, 71 दिन के वैभव को जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ-साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए चुना गया है। एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले टी-20 फॉर्मेट में ही होते हैं।

श्रेयस अय्यर टी-20 फॉर्मेट में भारत ने नए कप्तान बनाए गए हैं। वर्ल्ड कप जीतने वाले सूर्यकुमार यादव से कप्तानी छीन ली गई है। उन्हें टीम से भी बाहर कर दिया गया है। तिलक वर्मा टी-20 टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं।

टीम में पहली बार सिलेक्शन होने के दिन सबसे कम उम्र के मामले में वैभव ने शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले शेफाली पुरुष और महिला क्रिकेट मिलाकर भारतीय टीम के लिए चुनी जाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी थीं। शेफाली जब पहली बार चुनी गई थी तब वह 15 साल, 220 दिन की थी। वहीं, पुरुष क्रिकेटर्स में यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन 16 साल, 194 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुने गए थे।

शेफाली ने 15 साल 239 दिन की उम्र में भारत के लिए पहला मैच खेल लिया था। वहीं, सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया था। वैभव को अगर इंग्लैंड-आयरलैंड टूर या एशियन गेम्स में एक भी मैच खलने का मौका मिल जाता है तो वे शेफाली और सचिन दोनों को पीछे छोड़कर भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन जाएंगे। सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में सबसे

ज्यादा 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप जीता। वैभव ने मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर, सुपर स्ट्राइकर और सबसे ज्यादा छक्के लगाने का अवॉर्ड भी जीता। इस सीजन उन्होंने 36 गेंद पर शतक लगाया था, जबकि तीन बार 90 से 100 के बीच में आउट हुए थे।

श्रेयस ने भारत के लिए अपना आखिरी टी-20 मैच दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में खेला था। इसके बाद इसी साल जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्हें इंजरी रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किया गया था, लेकिन प्लेइंग-11 में खेलने का मौका नहीं मिला। अब लगभग ढाई साल बाद उनकी नेशनल टीम में वापसी हो रही है। श्रेयस ने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के लिए 168.81 के स्ट्राइक रेट से 498 रन बनाए। इस सीजन उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल का अपना पहला शतक भी लगाया था। वे साल 2025 में पंजाब को फाइनल तक ले गए थे, जहां उन्होंने 604 रन बनाए थे। इससे पहले उन्होंने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब जिताया था और 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में पहुंचाया था। 35 साल के सूर्या का हालिया फॉर्म खराब रहा है। इस वजह से भी उनकी टीम में जगह नहीं बन पाई हैं। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 9 पारियों में 136.72 के स्ट्राइक रेट से 242 रन बनाए। इसके अलावा IPL की 13 पारियों में भी 20.76 की खराब औसत से 270 रन ही बना सके थे। वे सिर्फ 2 बार ही 50 रन के आंकड़े तक पहुंच सके। वेस्टइंडीज में 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने टी-20 से संन्यास ले लिया था। इसके बाद सूर्यकुमार यादव को भारत की कप्तानी सौंपी गई थी। सूर्या की कप्तानी में भारत ने इसी साल 8 मार्च को टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। भारत अपने टाइटल को डिफेंड करने और लगातार दो टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतने वाला दुनिया का पहला देश भी बना।

सूर्या की कप्तानी में भारत ने 52 टी-20 मैच खेले। इसमें 42 जीते, 8 हार और 2 मैच नो रिजल्ट रहा। उनका जीत प्रतिशत 80.76% है। सूर्यकुमार की अगुआई में भारत ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप, 2025 एशिया कप अपने नाम किया था। यह पहली बार नहीं है, जब आईसीसी ट्रॉफी जीतने के बाद किसी भारतीय कप्तान को हटाया गया हो। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इसके बाद उन्हें उसी साल अक्टूबर में वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था। उनकी जगह शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया।

प्रज्ञानानंदा नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

फाइनल राउंड में जर्मनी के विन्सेंट को हराया; वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को दो बार मात दी

ओस्लो, 6 जून (एजेंसियां)। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने इतिहास रचते हुए नॉर्वे चेस 2026 का खिताब जीत लिया है। 20 साल के प्रज्ञानानंदा इस टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

फाइनल राउंड में उन्होंने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। टूर्नामेंट के आखिरी दिन प्रज्ञानानंदा 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे।

उन्होंने क्लासिकल मुकाबला जीतकर 3 अंक हासिल किए और कुल 18 अंकों के साथ खिताब अपने नाम कर लिया।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट को सबसे ज्यादा 7 बार मैग्नस कार्लसन ने जीता। 2025 में भी वही चैंपियन थे। टूर्नामेंट के आखिरी राउंड में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो 15.5 अंकों के साथ टॉप पर थे। लेकिन उनका मुकाबला ड्रॉ रहा और फैसला आर्मागेडन टाईब्रेकर में गया।

इससे प्रज्ञानानंदा के लिए खिताब जीतने का रास्ता खुल गया। वेस्ली सो ने टाईब्रेकर तो जीत लिया, लेकिन उन्हें केवल 1.5 अंक मिले। इस तरह उनके कुल 17 अंक हुए, जो प्रज्ञानानंदा से एक कम थे। फ्रांस के अलीरजा फिरोजा 15.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। आखिरी दौर में मैग्नस कार्लसन ने गुकेश को हराया, लेकिन वह भी खिताब नहीं जीत सके। कार्लसन 13 अंकों के साथ 5वें स्थान पर रहे।

इस टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में प्रज्ञानानंदा का प्रदर्शन साधारण रहा, लेकिन बाद के मुकाबलों में उन्होंने शानदार वापसी की।

उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक वर्ल्ड नंबर-1 और सात बार के नॉर्वे चेस चैंपियन मैग्नस कार्लसन को दो बार

क्लासिकल मुकाबलों में हराना रहा। प्रज्ञानानंदा भारत के दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन को दो बार हराया। इससे पहले 2007 में विश्वनाथन आनंद ने लिनारेस इंटरनेशनल टूर्नामेंट में कार्लसन को लगातार दो मुकाबलों में शिकस्त दी थी। प्रज्ञानानंदा ने वह कर दिखाया जो भारतीय शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद भी नहीं कर पाए थे। मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश भी अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीत सके हैं। 2013 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में पहली बार किसी भारतीय ने खिताब जीता है। प्रज्ञानानंदा दूसरी बार नॉर्वे चेस में खेल रहे थे। गुकेश 8 अंकों के साथ छठे (आखरी) स्थान पर रहे। वहीं, महिलाओं में कजाकिस्तान की बिबिसारा आसाउबायेवा 16.5 अंक के साथ विजेता रही। जबकि चीन की झू जिनेर दूसरे और यूक्रेन की अन्नामुजीचुक 15 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रही। जबकि भारत की दिव्या देशमुख पांचवे और कोनेरु हम्पी छठे स्थान पर रही।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट हर साल होने वाले दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और रोमांचक चेस टूर्नामेंट्स में से एक है। इस साल यह टूर्नामेंट 25 मई से 5 जून 2026 तक पहली बार नॉर्वे की राजधानी, ओस्लो में आयोजित किया गया था।

इसमें ओपन और महिला कैटेगरी, दोनों में केवल 6-6 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जो आपस में दो-दो बार भिड़े। अगर दो खिलाड़ियों के बीच क्लासिकल मैच ड्रॉ होता है तो फैसला सडन-डेथ (अर्मागेडन) गेम से किया जाता है। इसमें सफेद मोहरों वाले खिलाड़ी को ज्यादा समय मिलता है, लेकिन उसे हर हाल में जीतना होता है। मुकाबला ड्रॉ होने पर काले मोहरों वाले खिलाड़ी को विजेता मानकर एक्स्ट्रा पॉइंट दिया जाता है। इससे हर दौर में नतीजा निकलना तय होता है।

रैपिड, ब्लिट्ज और क्लासिकल ये चेस के फॉर्मेट हैं। क्लासिकल गेम यानी खिलाड़ी को 90 मिनट के अंदर शुरुआती 40 चालें चलनी होती हैं। एक गेम जीतने पर एक अंक मिलता हैं, जबकि ड्रॉ की स्थिति में प्रत्येक खिलाड़ी को आधा अंक दिया जाता है। 2 क्लासिकल गेम के बाद ज्यादा अंक वाले प्लेयर को विजेता घोषित कर दिया जाता है। 2 क्लासिकल गेम के बाद भी बराबर अंक होने पर विजेता का फैसला रैपिड राउंड से होता है। रैपिड राउंड में 15-15 मिनट के चार गेम होते हैं। इसमें भी हर गेम जीतने पर एक अंक और बराबरी की स्थिति में आधा अंक दिया जाता है। रैपिड राउंड से भी अगर चैंपियन का फैसला नहीं होता है, तो ब्लिट्ज चेस खेला जाता है। ब्लिट्ज फॉर्मेट में 3-3 मिनट का गेम होता है। जो खिलाड़ी इसमें जीत हासिल कर लेता है उसे चैंपियन घोषित कर दिया जाता है।

मंगोलिया में भारतीय पहलवानों का दमदार प्रदर्शन

मनीषा और नेहा ने जीते गोल्ड

उलानबटार, 6 जून (एजेंसियां)। मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में आयोजित उलानबटार ओपन रैंकिंग सीरीज में भारतीय पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक चार स्वर्ण और दो कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। महिला वर्ग में मनीषा और नेहा ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया, जबकि ग्रीको-रोमन शैली में भी भारतीय पहलवानों ने दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक हासिल किया।

57 किलोग्राम भार वर्ग में मनीषा ने डीपीआर कोरिया (उत्तर कोरिया) की सिम सोन को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, 59 किलोग्राम वर्ग में नेहा ने डीपीआर कोरिया की प्योल होंग

को 5-3 से मात देकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसके अलावा, 50 किलोग्राम वर्ग में नीलम ने कजाखस्तान की माराल तंगिरबेर्गेनोवा को 10-0 के तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर कांस्य पदक जीता।

ग्रीको-रोमन में भी भारत का जलवा

ग्रीको-रोमन स्पर्धा में भारत ने दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता।

सुनील ने 87 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में अजाद सालिदीनोव को 4-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

नितेश ने 97 किलोग्राम वर्ग में नुरासिल अमानाली को 13-9 से शिकस्त देकर गोल्ड अपने नाम किया।

सुमित ने 60 किलोग्राम वर्ग में अपने ही साथी पहलवान साहिल को 5-0 से हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

पदक तालिका में भारत की मजबूत स्थिति

भारतीय दल अब तक कुल छह पदक (चार स्वर्ण और दो कांस्य) जीत चुका है और पदक तालिका में मजबूत स्थिति में बना हुआ है। ग्रीको-रोमन टीम ने अपना अभियान समाप्त कर लिया है, जबकि महिला वर्ग के शेष मुकाबले और पुरुष फ्रीस्टाइल स्पर्धाएं शनिवार से शुरू होंगी।

भारतीय पहलवानों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, 'मनीषा और नेहा का प्रदर्शन तथा ग्रीको-रोमन पहलवानों द्वारा जीते गए तीन पदक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिस्पर्धी ताकत को दर्शाते हैं। डीपीआर कोरिया और कजाखस्तान जैसे मजबूत देशों के खिलाफ स्वर्ण पदक जीतना हमारी तैयारियों की गुणवत्ता को साबित करता है। यह सफलता टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों के लिए टीम का मनोबल बढ़ाएगी।'

फीफा विश्व कप के लिए अमेरिका जा सकेगी ईरान की फुटबॉल टीम, खिलाड़ियों को मिला वीजा

वाशिंगटन, 6 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के दो अधिकारियों ने बताया कि ईरान की विश्व कप फुटबॉल टीम के सदस्यों को अमेरिका का वीजा मिल गया है। इससे वे इस महीने लॉस एंजिलिस के पास होने वाले अपने शुरुआती दो मैच से पूर्व मैक्सिको के तिजुआना में बने अपने ट्रेनिंग बेस से अमेरिका आ सकेंगे। इस्राइल और अमेरिका के साथ ईरान के युद्ध के कारण विश्व कप में टीम की भागीदारी को लेकर मुश्किलें पैदा हो गई थीं। वीजा प्रक्रिया में दिक्कतों की वजह से ईरान को अपना ट्रेनिंग बेस एरिजोना के टक्सन से हटाकर कैलिफोर्निया की सीमा से लगे मैक्सिको के तिजुआना में ले जाना पड़ा था।

एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ईरान की टीम के सभी खिलाड़ियों के वीजा मंजूर हो गए हैं और उन्हें वीजा मिलने की प्रक्रिया चल रही है। दूसरे अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों, कोच, ट्रेनर और कुछ सहयोगी स्टाफ के लिए वीजा जारी कर दिए गए हैं। दूसरा अधिकारी यह नहीं बता सका कि क्या ईरान के किसी आवेदक का वीजा अस्वीकार किया गया है। अधिकारी ने कहा कि ईरान की टीम को यात्रा के लिए पासपोर्ट शनिवार तक मिल सकते हैं। तिजुआना के लिए रवाना होने से पहले टीम तुर्किये के अंताल्या में ट्रेनिंग शिविर में विश्व कप की तैयारी कर रही थी। टीम ने बताया कि उसे अंकारा में मैक्सिको के दूतावास से पहले ही वीजा मिल चुका है। तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैराक ने ईरानी टीम को वीजा की प्रक्रिया शुरू करने के लिए अंकारा में अमेरिकी दूतावास की तारीफ की। बैराक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, खेल सीमाओं से परे होते हैं और हम दुनिया भर से आने वाले खिलाड़ियों और प्रशंसकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक है।

भारत ने पाकिस्तान को अंडर-18 हॉकी एशिया कप में हराया

आखिरी 15 मिनट में 3 गोल कर सेमीफाइनल जीता

टोक्यो, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय अंडर-18 मेंस हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 5-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में भारत का सामना शनिवार को जापान से होगा।

जापान के काकामिगाहारा में हुए मैच के तीसरे क्वार्टर के बाद भारतीय टीम 2-3 से पीछे चल रही थी। इसके बाद आखिरी 15 मिनट में भारत ने अटैकिंग गेम खेला और पाकिस्तान पर लगातार 3 गोल दागकर मैच का रुख बदल दिया।

भारत की इस जीत के स्टार खिलाड़ी आशीष तानी पुर्ति रहे। उन्होंने मैच में 4 गोल किए। इसमें से 3 गोल उन्होंने मैच के आखिरी क्वार्टर में दागे। आशीष ने अपनी हैट्रिक भी पूरी की।

पहले क्वार्टर में के 12वें मिनट में भारतीय टीम को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। आशीष ने इसे गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

पाकिस्तान ने दूसरे क्वार्टर में वापसी की और 16वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। हालांकि, भारतीय गोलकीपर आयुष रजक ने इसे रोक दिया।

पाकिस्तान ने दूसरे क्वार्टर में 27वें मिनट में गोल दाग दिया। अदील ने हाफ-टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

मैच के 35वें मिनट में शाहरुख अली ने गोल कर भारत को फिर से 2-1 से आगे कर दिया। ठीक दो मिनट बाद पाकिस्तान के मुहम्मद फरहान असलम ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर के 42वें मिनट में उजैर अहमद कुरैशी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर पाकिस्तान को मैच में पहली बार 3-2 से आगे कर दिया।

चौथे क्वार्टर में भारत ने बराबरी के लिए अटैकिंग गेम खेला। 46वें मिनट में पाकिस्तान के मुजम्मिल सईद को ग्रीन कार्ड मिला। भारत ने तुरंत इसका फायदा उठाया और लगातार पेनल्टी कॉर्नर्स हासिल किए। 49वें मिनट में मिले दूसरे पेनल्टी कॉर्नर पर आशीष ने गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। 53वें मिनट में आशीष ने एक और गोल दागकर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को 4-3 की बढ़त दिला दी। मैच खत्म होने से 4 मिनट पहले भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर आशीष ने मैच का अपना चौथा गोल करते हुए लीड को 5-3 कर दिया।

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दिन 368 रन बनाए

राहुल-गिल के शतक, सुदर्शन-पंत की हाफ सेंचुरी; सलीम को 2 विकेट

न्यू चंडीगढ़, 6 जून (एजेंसियां)। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन 3 विकेट खोकर 368 रन बनाए हैं। मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। शनिवार को दिन का खेल खत्म होने तक शुभमन गिल और ऋषभ पंत नाबाद लौटे। कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 103 रन की पारी खेली। केएल राहुल 100 रन बनाकर आउट हुए। ऋषभ पंत 50 रन बनाकर नाबाद रहे। साई सुदर्शन ने 81 रन की पारी खेली।

केएल राहुल ने बतौर ओपनर 11वां शतक लगाया है। वे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय ओपनर्स की सूची में चौथे स्थान पर हैं। सुनील गावस्कर 33 शतक

के साथ पहले नंबर पर हैं।

भारत ने इस मैच में 6 लेफ्टी बैटर्स उतरे हैं। यह तीसरा मौका है, जब भारतीय टीम की टेस्ट प्लेइंग इलेवन में इतने लेफ्टी हैं।

मानव सुथार डेब्यू कर रहे हैं। उन्हें कुलदीप यादव ने डेब्यू कैप दी। वहीं, विकेटकीपर ऋषभ पंत 50वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं।

न्यू चंडीगढ़ स्थित मुल्लांपुर का महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम भारत का 31वां टेस्ट वेन्यू बना है। पिछले साल गुवाहाटी टेस्ट वेन्यू बना था।

15 साल बाद टीम इंडिया अपने घरेलू मैदान पर अश्विन-जडेजा के बिना टेस्ट खेल रही है। नवंबर 2010 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऐसा हुआ था। टीम ने उसके बाद 69 टेस्ट मैच खेले हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-XI

भारतः केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, मानव सुथार, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

अफगानिस्तान- सेदीकुल्लाह अटल, रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), अब्दुल मलिक, रहमत शाह, हश्मतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अफसर जजई, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, नांगेयालिया खारोटे, जियाउर रहमत शरीफी और मोहम्मद सलीम सफी।

लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन गिरे 17 विकेट : इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को दिया 254 रनों का टारगेट; 36 रन पर कीवियों के 3 विकेट गिरे

लंदन, 6 जून (एजेंसियां)। लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जा रहा टेस्ट मैच गेंदबाजों के नाम रहा। पहले दिन 16 विकेट गिरने के बाद दूसरे दिन भी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए और दिनभर में 17 विकेट गिरे। इंग्लैंड दूसरी पारी में एक समय मजबूत स्थिति में थी, लेकिन 11 गेंदों में 4 विकेट गंवाकर लड़खड़ा गई। इसके बावजूद टीम ने न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 254 रनों का लक्ष्य रखा। इससे पहले इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर समेटकर 27 रन की बढ़त हासिल की। इसके बाद उसकी दूसरी पारी 226 रन पर सिमट गई, जिससे न्यूजीलैंड को जीत के लिए 254 रन का लक्ष्य मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत भी खराब रही। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम 36 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी थी। अब उसे जीत के लिए तीसरे दिन 218 रन और बनाने हैं, जबकि इंग्लैंड को 7 विकेट की जरूरत है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने टेस्ट कमबैक पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 साल में अपना पहला फाइव विकेट हॉल पूरा किया। पहले दिन 61 रन पर

6 विकेट गंवाने के बाद न्यूजीलैंड की पहली पारी को इंग्लैंड ने दूसरे दिन सुबह के पहले घंटे में समेट दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स पिछले दिन के स्कोर में बिना कोई रन जोड़े जोश टंग की सुबह की पहली गेंद पर बोल्ड हो गए। टंग ने अगले ओवर में नाथन स्मिथ को भी आउट किया। इसके बाद गस एटकिंसन ने विल ओ'रूर्के को स्लिप में कैच कराया और रॉबिन्सन ने मैट हेनरी को बोल्ड कर पारी का अंत किया।

इंग्लैंड के लिए डेब्यू कर रहे ओपनर एमिलियो गे ने दूसरी पारी में शानदार खेल दिखाया। पहली पारी में 14 गेंदों में आउट होने वाले गे ने बेन डकेट के साथ 52 रनों की साझेदारी की। उन्होंने 84 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो 2016 में कीटन जेनिंग्स के बाद किसी इंग्लिश ओपनर का डेब्यू पर पहला अर्धशतक है। एमिलियो ने नाथन स्मिथ के एक ओवर में 16 रन बटोरे। हालांकि, न्यूजीलैंड को खराब फील्डिंग का खामियाजा भुगतना पड़ा। रचिन रवींद्र और डेवोन कॉनवे ने लगातार दूसरे दिन कैच छोड़े, जबकि डेरिल मिचेल और टॉम लैथम ने तालमेल की कमी से एक कैच टपका दिया। इंग्लैंड की दूसरी पारी एक समय 2 विकेट पर 126 रन बनाकर मजबूत स्थिति में थी, लेकिन एमिलियो गे (57) के आउट होते ही टीम बिखर गई। इंग्लैंड ने 11 गेंदों में 4 प्रमुख विकेट गंवाए और स्कोर 126/2 से 127/6 हो गया। हैरी ब्रूक और जो रूट एलबीडब्ल्यू हुए, जबकि कप्तान बेन स्टोक्स बिना खाता खोले नाथन स्मिथ की गेंद पर बोल्ड हो गए। नाथन स्मिथ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए लगातार दूसरी पारी में 6 विकेट हासिल किए।

श्रीलंका के रुमेश ने नीरज चोपड़ा का रिकॉर्ड तोड़ा

92.67 मीटर दूर भाला फेंका

रोम, 6 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश पाथिरागे ने नीरज चोपड़ा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वे एशिया में सबसे दूर जैवलिन फेंकने वाले दूसरे प्लेयर भी बन गए। 23 साल के रुमेश ने रोम डायमंड लीग में 92.67 मीटर का थ्रो किया। यह 2026 में किसी भी प्लेयर का पहला 90+ थ्रो था।

नीरज ने दोहा डायमंड लीग में पिछले साल 90.23 का थ्रो किया था। पहले नंबर पर पाकिस्तान के अरशद नदीम है। उन्होंने पेरिस ओलिंपिक 2024 में 92.67 मीटर का थ्रो किया था।

रुमेश का थ्रो ऑल टाइम सबसे लंबे थ्रो की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गया। एशिया में अब उनसे आगे केवल पाकिस्तान के अरशद नदीम हैं। ताइवान के चाओ-त्सुन चेंग 91.36 मीटर के साथ तीसरे और भारत के नीरज चोपड़ा चौथे स्थान पर हैं।

रोम डायमंड लीग में रुमेश ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन केशोर्न वॉलकॉट, पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, पूर्व ओलंपिक चैंपियन थॉमस रोहलर और पूर्व ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट याकुब वाडलेज्च जैसे खिलाड़ियों के बीच मुकाबला किया। उन्होंने पहले प्रयास में 84.49 मीटर का थ्रो किया और दूसरे प्रयास में 92.67 मीटर तक भाला फेंक दिया। इसके बाद उनके बाकी सभी थ्रो फाउल रहे।

रुमेश इस सीजन में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने मार्च में 89.37 मीटर का थ्रो कर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था और वर्ल्ड लीड हासिल की थी। अप्रैल में किप केनो क्लासिक में उन्होंने 89.28 मीटर का थ्रो किया। उनके पांच सर्वश्रेष्ठ थ्रो में से चार 2026 में आए हैं।

नेपाली गिरोह का भंडाफोड़

डकैती का पूरा सामान बरामद, सभी आरोपी गिरफ्तार

मल्काजगिरी, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहर नगर थाना क्षेत्र में दर्ज एक गंभीर गृह डकैती के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक संगठित नेपाली गिरोह के सभी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है तथा उनके कब्जे से चोरी का पूरा सामान भी बरामद कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 मई 2026 की रात लगभग 21:40 बजे एक वरिष्ठ नागरिक के आवास में डकैती की वारदात हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि अज्ञात आरोपियों ने पहले से योजना बनाकर घर में घुसपैठ की और बुजुर्ग दंपति को बंधक बनाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद अलमारी तोड़कर सोने के आभूषण, चांदी के जेवरात, नकद धनराशि तथा अन्य कीमती सामान लूट लिया गया।

जांच में सामने आया कि इस वारदात की साजिश नेपाल मूल के कुछ लोगों ने रची थी, जो पिछले कुछ समय से भारत में रहकर काम कर रहे थे। आरोपियों ने घर में काम करने के लिए एक महिला को घरेलू सहायिका के रूप में पहले से तैनात कराया और उसी के माध्यम से घर की गतिविधियों पर नजर रखी। मौका मिलते ही आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोपियों ने ऑटो और अन्य वाहनों की मदद से फरार होने का प्रयास किया तथा रेल मार्ग से देश छोड़ने की योजना बनाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीमें गठित कीं और तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज तथा खुफिया जानकारी के आधार पर देश के कई शहरों में लगातार दबिश दी।

लगातार जांच और प्रयासों के बाद पुलिस ने पहले चरण में कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया और शेष फरार आरोपियों को भी बाद में पकड़ लिया गया। सभी आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि दो मुख्य आरोपी पहले भी घर में सेंधमारी के एक अन्य मामले में शामिल रह चुके हैं। घटनास्थल से मिले वैज्ञानिक साक्ष्यों और अंगुली निशान परीक्षण के आधार पर आरोपियों की पहचान की पुष्टि हुई। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गया सोना, चांदी तथा अन्य कीमती सामान बरामद कर लिया है। पुलिस ने इस पूरी कार्रवाई को एक बड़ी सफलता बताया है। साथ ही कहा गया है कि आवासीय क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत घरेलू सहायकों, ड्राइवरों और अन्य कर्मचारियों का विवरण एकत्र किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने इस मामले के खुलासे में शामिल टीमों की सराहना की है और उन्हें पुरस्कार देने की अनुशंसा की जाएगी।

शी टीमों ने 31 लोगों को रंगे हाथ पकड़ा

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की शी टीमों द्वारा इस सप्ताह सार्वजनिक स्थानों पर अशोभनीय गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। कुल 118 डिकॉय ऑपरेशनों का संचालन करते हुए 31 व्यक्तियों को रंगे हाथों पकड़ा गया। 34 मामलों में पेटी केस दर्ज किए गए, जबकि शेष व्यक्तियों को काउंसलिंग दी गई।

इस अवधि में महिलाओं से संबंधित 21 शिकायतें विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुईं। महिला एवं बाल सुरक्षा विंग, साइबराबाद, डीसीपी के. सृजना ने बताया कि एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) द्वारा पीआईटीए एक्ट के एक मामले में 2 पीड़ितों को रेस्क्यू किया गया तथा 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

वक्फ निरीक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, 10 हजार रुपये बरामद

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने शनिवार को नालगोंडा जिले में कार्यरत एक वक्फ निरीक्षक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पूरी राशि भी बरामद कर ली गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नालगोंडा जिले में कार्यरत वक्फ निरीक्षक शेख महमूद पर आरोप है कि उन्होंने एक मस्जिद के पंजीकरण से जुड़े मामले में तेलंगाना वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने के बदले 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। योजना के तहत जैसे ही आरोपी ने शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपये की राशि स्वीकार की, उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया।

पुलिस ने आरोपी के पास से रिश्वत की राशि बरामद कर ली और उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई के लिए हैदराबाद स्थित विशेष न्यायालय में पेश किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने कहा कि सरकारी कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

चावल प्रौद्योगिकी को वैश्विक नेतृत्व दिलाने का लक्ष्य : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने चावल मिलिंग क्षेत्र के लिए एक व्यापक नीति रोडमैप तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए मिलों के आधुनिकीकरण के लिए नीति समर्थन का आश्वासन दिया है। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को हैदराबाद के एचआईटीईएक्स में आयोजित इंटरनेशनल राइस एंड ग्रेन्स टेक एक्सपो-2026 को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना पहले ही भारत का प्रमुख धान उत्पादक और धान खरीद राज्य बन चुका है और अब इसे चावल प्रौद्योगिकी तथा मूल्य संवर्धन में वैश्विक नेतृत्व हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार धान मिलिंग क्षेत्र को राज्य की प्रगति में साझेदार मानती है और किसानों, मिलर्स तथा उपभोक्ताओं तीनों को समान रूप से लाभ पहुंचाने की दिशा में कार्य कर रही है। उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि सरकार निर्यात आधारित चावल मिलों को प्रोत्साहित करने के लिए नई प्रोत्साहन नीति पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि नई स्थापित निर्यात-उन्मुख मिलों तथा मौजूदा मिलों के निर्यात रूपांतरण को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा, जिससे तेलंगाना की वैश्विक बाजार में भागीदारी बढ़ेगी। उन्होंने उद्योग में श्रम की कमी का उल्लेख करते हुए मिलर्स से अधिकतम यंत्रीकरण और स्वचालन अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आधुनिक मशीनरी से उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और पीक सीजन में आने वाली श्रमिक समस्या का समाधान होगा। मंत्री ने बड़े पैमाने पर आधुनिक अनाज भंडारण ढांचे जैसे स्टील साइलो, स्वचालित स्टोरेज सिस्टम, एआई आधारित अनाज निगरानी और डिजिटल इन्वेंटरी प्रबंधन में निवेश का आह्वान किया। उन्होंने निजी निवेशकों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत बड़े भंडारण केंद्रों के निर्माण के लिए प्रस्ताव देने को भी आमंत्रित किया। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि चावल प्रसंस्करण उद्योग को जल संरक्षण और ऊर्जा दक्ष तकनीकों को अपनाना चाहिए, ताकि पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में प्रतिवर्ष लगभग 300 लाख मीट्रिक टन धान उत्पादन हो रहा है तथा यह राज्य भारत में रबी धान खरीद का लगभग 60 प्रतिशत योगदान दे रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान खरीफ और रबी खरीद मौसम में सरकार ने किसानों को लगभग 39,000 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए हैं तथा कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद अब तक कुल 96,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को दी जा चुकी है। मंत्री ने राज्य की 3.2 करोड़ लोगों को लाभ देने वाली फाइन राइस वितरण योजना का भी उल्लेख किया, जिस पर प्रतिवर्ष लगभग 14,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पहले ही धान उत्पादन और खरीद में अग्रणी बन चुका है और अब इसे चावल प्रौद्योगिकी, नवाचार और निर्यात के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए सभी हितधारकों को मिलकर कार्य करना होगा।

ट्रेन के आगे आकर एक व्यक्ति ने की आत्महत्या

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। घटकेसर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 के पास डाउन लाइन ट्रैक पर एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक 50 वर्षीय व्यक्ति द्वारा ट्रेन के नीचे आकर कथित रूप से आत्महत्या किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है। यह घटना ट्रेन संख्या 12740 एक्सप्रेस के लोको पायलट द्वारा रेलवे अधिकारियों को दी गई। सूचना मिलते ही उप स्टेशन अधीक्षक, सिकंदराबाद द्वारा संदेश प्रेषित किया गया, जिसके बाद स्टेशन हाउस ऑफिसर, सिकंदराबाद ने मामला दर्ज कर अपराध संख्या 300/26 के तहत जांच प्रारंभ कर दी। मामले की जांच हेतु आरएचसी-583 को मौके पर भेजा गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक शराब सेवन का आदी था तथा आर्थिक तंगी एवं कर्ज के बोझ से परेशान चल रहा था। बताया गया कि पारिवारिक विवादों के चलते उसकी पत्नी लगभग आठ माह पूर्व कुकटपल्ली स्थित अपने रिश्तेदारों के पास रहने चली गई थी। मानसिक तनाव एवं आर्थिक दबाव के चलते व्यक्ति द्वारा यह कदम उठाए जाने की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान जे. कृष्ण प्रसाद (50 वर्ष), पुत्र जे. वेंकटेश्वर राव, निवासी चिंतल, द्वारकानगर, कुकटपल्ली, मेडचल, तेलंगाना के रूप में हुई है।

ऑटो रिक्शा में 14 सवारियां, मुकदमा दर्ज

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के चंद्रायनगुट्टा थाना क्षेत्र में एक ऑटो रिक्शा चालक द्वारा अत्यधिक सवारियां बैठाकर वाहन चलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पहाड़िशरीफ निवासी ऑटो चालक मोहम्मद हबीब खान दो दिन पहले अपने वाहन में 14 यात्रियों को बैठाकर जा रहा था। स्थिति यह थी कि कई यात्री ऑटो से बाहर लटके हुए दिखाई दे रहे थे, जिससे सड़क सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया। इस घटना का वीडियो कुछ राहगीरों ने बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया, जिसके बाद मामला पुलिस के संज्ञान में आया। चंद्रायनगुट्टा पुलिस ने वीडियो के आधार पर कार्रवाई करते हुए ऑटो चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 (ऐसा कार्य जिससे मानव जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो) तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 (खतरनाक तरीके से वाहन चलाना) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की लापरवाही सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है, इसलिए यातायात नियमों का पालन अनिवार्य है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सूडान से आए हवाई यात्री की रिपोर्ट निगेटिव

इबोला संक्रमण के संदेह में गांधी अस्पताल में कराया गया था भर्ती

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सूडान से आए एक हवाई यात्री को इबोला संक्रमण के संदेह में गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार मरीज की रिपोर्ट नेगेटिव आई है, जिससे स्वास्थ्य विभाग ने राहत की सांस ली है। गांधी अस्पताल की अधीक्षक डॉ. वानी ने जानकारी दी कि गुरुवार को सूडान से आया यह यात्री राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा था। वहां लगे थर्मल स्कैनर के माध्यम से उसके शरीर में हल्का बुखार पाया गया, जिसके बाद एहतियातन उसे अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, मरीज की जांच के लिए नमूने हैदराबाद स्थित सीसीएमबी भेजे गए थे, जिनकी रिपोर्ट शनिवार सुबह प्राप्त हुई। रिपोर्ट में इबोला संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है।

डॉक्टरों ने बताया कि संबंधित सूडानी यात्री को हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में घुटने की सर्जरी के लिए आना था। फिलहाल उसकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है और जल्द ही उसे अस्पताल से छुट्टी दिए जाने की संभावना है। इसी बीच, स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि दो अन्य संदिग्ध मरीजों के नमूनों की जांच जारी है, जिनकी रिपोर्ट एक से दो दिन में आने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि सभी मामलों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।

फीस रीम्बर्समेंट बकाया जारी करे सरकार, नहीं तो होगा राज्यव्यापी आंदोलन : भाजपा

गंभीर संकट का सामना कर रही है शिक्षा व्यवस्था

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में कामारेड्डी विधायक काटीपल्ली वेंकट रमण रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की उदासीनता के कारण तेलंगाना की शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक के लगभग 14 हजार करोड़ रुपये के फीस रीम्बर्समेंट बकाया अब तक जारी नहीं किए गए हैं, जिससे लाखों छात्र प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि फीस रीइम्बर्समेंट को खर्च नहीं, बल्कि राज्य और देश के भविष्य में निवेश के रूप में देखा जाना चाहिए। इस योजना पर लगभग 40 लाख विद्यार्थी निर्भर हैं, लेकिन सरकार की लापरवाही के कारण छात्र आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। कई विद्यार्थी फीस बकाया के कारण अपने शैक्षणिक प्रमाणपत्र तक प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा और बेहतर रोजगार के अवसरों से वंचित होना पड़ रहा है। भाजपा विधायक ने कहा कि फीस रीइम्बर्समेंट के अभाव में अनेक इंटरमीडिएट, डिग्री और उच्च शिक्षा संस्थान अस्तित्व के संकट से गुजर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के कई कॉलेज पूरी तरह इस योजना पर निर्भर हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में 1,500 से अधिक उच्च शिक्षण संस्थान फीस रीइम्बर्समेंट पर आधारित हैं और भुगतान नहीं होने से उनके संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में 43 मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय, 3,150 इंटरमीडिएट कॉलेज, 1,111 डिग्री कॉलेज तथा लगभग 2,700 उच्च शिक्षा संस्थान हैं। इनमें अध्ययनरत छात्रों को सरकार द्वारा देय राशि समय पर नहीं मिलने से शिक्षा क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ रही है। रेड्डी ने कहा कि वर्तमान में लगभग 12 हजार करोड़ रुपये का वास्तविक बकाया लंबित है। यदि सरकार तत्काल 3,000 से 4,000 करोड़ रुपये भी जारी कर दे तो ग्रामीण क्षेत्रों के शैक्षणिक संस्थानों को बड़ी राहत मिल सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से फीस रीइम्बर्समेंट की लंबित राशि तत्काल जारी करने की मांग करते हुए कहा कि यह राजनीतिक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा मुद्दा है। भाजपा नेता ने चेतावनी दी कि यदि अगले 10 से 15 दिनों में सरकार बकाया राशि जारी नहीं करती है तो भाजपा के विधायक, विधान परिषद सदस्य और सांसद राज्यभर के विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों का दौरा करेंगे तथा छात्रों के साथ बैठकें आयोजित कर इस मुद्दे पर आंदोलन चलाएंगे।

लिफ्ट शाफ्ट में गिरने से 57 वर्षीय महिला की मौत, नवजात पोता घायल

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आनंद नगर कॉलोनी स्थित भावना अपार्टमेंट में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें लिफ्ट शाफ्ट में गिरने से 57 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उसका नवजात पोता घायल हो गया। मृतका की पहचान आंध्र प्रदेश निवासी राधा के रूप में हुई है, जो अपनी बेटी तुलसी और दामाद शेषु के साथ उसी अपार्टमेंट में रह रही थी। पुलिस के अनुसार, घटना उस समय हुई जब महिला अपने नवजात पोते के साथ लिफ्ट का इंतजार कर रही थी। उसने लिफ्ट का बटन दबाया, लेकिन लिफ्ट के आने से पहले ही उसका दरवाजा खुल गया। लिफ्ट के आने का अनुमान लगाकर जैसे ही वह आगे बढ़ी, वह खुले लिफ्ट शाफ्ट में गिर गई।

इस हादसे में महिला को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, नवजात बच्चा भी गिरकर घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही खैराबाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को लिफ्ट शाफ्ट से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विश्व साइकिल दिवस पर आज मेगा साइकिलिंग कार्यक्रम

हैदराबाद सहित तीन शहरों में आयोजन

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर मेगा साइकिलिंग इवेंट का 9वां संस्करण 7 जून को स्मार्टबाइक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड और हैदराबाद बाइसाइकिलिंग क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में वर्ल्ड साइक्लिंग एलायंस, ब्रुसेल्स का भी सहयोग रहेगा। कार्यक्रम का आयोजन हैदराबाद में नरसिंगी स्थित स्मार्टबाइक हब से किया जाएगा, जो आउटर रिंग रोड साइकिलिंग ट्रैक पर स्थित है। इस राइड को भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसमें 5 किलोमीटर और 10 किलोमीटर श्रेणियों में 2500 से अधिक साइकिल चालकों के भाग लेने की संभावना है।

इस बार विशेष बात यह है कि यह आयोजन पहली बार हैदराबाद के साथ-साथ चंडीगढ़ और नई दिल्ली में एक साथ आयोजित किया जाएगा। इसे वर्ल्ड साइक्लिंग एलायंस (ब्रुसेल्स), भारतीय खेल प्राधिकरण और फिट इंडिया अभियान के सहयोग से किया जा रहा है। तीनों शहरों में मिलाकर लगभग 5000 से अधिक साइकिल प्रेमियों के भाग लेने की उम्मीद है, जिनमें फिटनेस समूह, कंपनियों के कर्मचारी, शैक्षणिक संस्थानों के छात्र, परिवार और आम नागरिक शामिल होंगे। हैदराबाद बाइसाइकिलिंग क्लब के अध्यक्ष और वर्ल्ड साइक्लिंग एलायंस के प्रथम उपाध्यक्ष डीवी मनोहर ने बताया कि सबसे बड़ा आयोजन हैदराबाद में होगा, जहां 2500 साइकिल चालक भाग लेंगे। वहीं चंडीगढ़ में लगभग 2000 और नई दिल्ली में करीब 5000 प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है।

उपेक्षा का शिकार हुआ ऐतिहासिक पुरानापुल, जीर्णोद्धार की मांग तेज

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर में स्थित ऐतिहासिक पुरानापुल की हालत लगातार खराब होती जा रही है। पुल पर उगी जंगली वनस्पतियां, टूटी रेलिंग, खंभों में दरारें और बढ़ती जर्जरता इसके संरक्षण की आवश्यकता की ओर संकेत कर रही हैं। स्थानीय नागरिकों और इतिहास प्रेमियों ने इसके शीघ्र जीर्णोद्धार की मांग की है। मूसी नदी पर वर्ष 1578 में निर्मित पुरानापुल को हैदराबाद का पहला पुल माना जाता है। कुतुबशाही काल में बने इस पुल की लंबाई लगभग 600 फीट है और इसमें 22 मेहराब हैं। यह शहर का एकमात्र पुल माना जाता है जो वर्ष 1908 की विनाशकारी बाढ़ में भी सुरक्षित बचा रहा था।

वर्षों की उपेक्षा के कारण पुल की स्थिति दयनीय हो गई है। इंजीनियरों द्वारा इसे वाहनों की आवाजाही के लिए असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद से इसे यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। वर्तमान में पुल पर फल और सब्जियां बेचने वाले अनेक फेरीवाले अपना कारोबार करते हैं। स्थानीय समाजसेवी मोहम्मद हबीबुद्दीन का कहना है कि पुल पर उगी जंगली वनस्पतियां इसकी संरचना को नुकसान पहुंचा रही हैं। उनके अनुसार, यदि समय रहते उचित संरक्षण और मरम्मत का कार्य नहीं किया गया तो यह ऐतिहासिक धरोहर गंभीर खतरे में पड़ सकती है।

इतिहासकार मोहम्मद सफिउल्लाह ने बताया कि कई बार विशेषज्ञों द्वारा पुल का निरीक्षण किया गया और जीर्णोद्धार की योजनाएं भी बनाई गईं, लेकिन वनस्पतियों की सफाई के अलावा कोई बड़ा काम नहीं हो सका। अधिकारियों ने पहले इस पुल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने, अतिक्रमण हटाने, सड़क का नवीनीकरण करने तथा पैदल पथ, बैठने की व्यवस्था और फेरीवाला क्षेत्र विकसित करने की योजनाएं बनाई थीं, लेकिन वे अब तक पूरी नहीं हो सकीं। इतिहासकारों के अनुसार, इस पुल का निर्माण इब्राहिम कुली कुतुब शाह ने मूसी नदी के दोनों किनारों को जोड़ने और नई राजधानी के विकास की तैयारी के लिए करवाया था। सदियों पुरानी यह ऐतिहासिक धरोहर आज संरक्षण और पुनरुद्धार की प्रतीक्षा कर रही है।

कोसगी सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज को जेएनटीयू हैदराबाद में शामिल करने की तैयारी

संचालन में कठिनाइयों के बाद सरकार का निर्णय

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कोसगी में स्थापित राज्य के पहले सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज को अब जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू) हैदराबाद को सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह कदम कॉलेज शुरू होने के लगभग दो वर्ष बाद उठाया जा रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार तकनीकी शिक्षा विभाग को कॉलेज के संचालन में विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते इसे जेएनटीयू के अंतर्गत लाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में जल्द ही सरकार की ओर से आधिकारिक आदेश जारी होने की संभावना है। आदेश जारी होने के बाद कोसगी सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज जेएनटीयू हैदराबाद के एक घटक कॉलेज के रूप में कार्य करेगा।

गौरतलब है कि वर्ष 2024 में मौजूदा सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज को उन्नत कर इस इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की गई थी। इसके लिए सरकार ने 10 एकड़ भूमि और लगभग 30 करोड़ रुपये का बजट बुनियादी ढांचे के विकास हेतु आवंटित किया था। योजना के तहत आगे ऐसे दस और सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की भी तैयारी थी, लेकिन मौजूदा कॉलेजों के संचालन में आ रही चुनौतियों के कारण नए प्रस्तावों को फिलहाल रोक दिया गया है। सूत्रों के अनुसार जेएनटीयू हैदराबाद पहले से ही अपने नए घटक कॉलेजों के संचालन में कई समस्याओं का सामना कर रहा है, जिनमें पालेरू, महबूबाबाद और सिरसिला स्थित कॉलेज शामिल हैं। विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, जिसके लिए 516 शिक्षण पदों की भर्ती की मांग की गई है।

कोसगी कॉलेज में छात्रों के दाखिले की स्थिति भी संतोषजनक नहीं रही है। शुरुआत में तीन पाठ्यक्रमों में कुल 180 सीटों के मुकाबले 140 छात्रों ने प्रवेश लिया था, लेकिन अगले बैच में यह संख्या घटकर लगभग 80 रह गई। कुछ मामलों में छात्रों द्वारा प्रवेश लेने के बाद अन्य कॉलेजों में स्थानांतरण करने की भी जानकारी सामने आई है। वहीं, जेएनटीयू हैदराबाद ने कॉलेज के विकास के लिए चरणबद्ध योजना प्रस्तुत की है। इसमें भवन निर्माण, प्रयोगशालाओं की स्थापना, लगभग 100 करोड़ रुपये के बजट और करीब 40 शिक्षकों की नियुक्ति की आवश्यकता बताई गई है।

मृगशिरा के अवसर पर
शुद्ध शाकाहारी दमा निवारण
निःशुल्क चिकित्सा शिविर
Excellence & Commitment Since 1986
सोमवार दि.8 जून 2026 – प्रातः 11 बजे से सायं 6 बजे तक
स्थान : गाँधी ज्ञान मंदिर, सुल्तान बाजार, कोठी, हैदराबाद
आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति द्वारा पिछले 41 वर्षों से दमा पीड़ितों के लिए शुद्ध शाकाहारी दमा निवारण दवा द्वारा चिकित्सा की जा रही है। अभी तक लाखों दमा पीड़ित इससे लाभांवित हो चुके है।
Free Pure Vegetarian Treatment Camp for Asthma Patients by
AYURVEDA SERVICES
4-2-515, Behind Badi Chowdi Police Station, Sultan Bazar, Koti, Hyderabad
Mobile : 9849214309, 9394550552, 7799110778 Clinic Phone : 040-24750552

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.